RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902 रांची संस्करण रांची ● रविवार ● 22.03.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 234 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित जोहार

धूमधाम से मनाया गया सरहुल

झारखंड सरकार परंपरा, संस्कृति और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : हेमन्त

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी व विधायक कल्पना सोरेन के साथ शनिवार को सिरम टोली स्थित सरना स्थल पहुंचे। यहां उन्होंने प्रकृति पर्व 'सरहुल' के अवसर पर श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की।

सरहुल की पारंपरिक रीति-रिवाज के तहत पूजन कार्य पाहन द्वारा संपन्न कराया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री के कान में सरई (साल) का फूल खोंसकर उन्हें आशीर्वाद दिया गया, जो प्रकृति और मानव के गहरे संबंध का प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्यवासियों को सरहुल पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिरम टोली का यह ऐतिहासिक सरना स्थल आदिवासी परंपराओं और प्रकृति से जुड़ाव का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने सरहुल महोत्सव से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरहुल केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने और उसके संरक्षण का संदेश देने वाला अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'प्रकृति से ही मनुष्य की यात्रा शुरू होती है और अंततः उसी में समाहित हो जाती है'। उन्होंने लोगों से प्रकृति को सहेजने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरहुल महोत्सव आदिवासी संस्कृति, प्रकृति के प्रति सम्मान और सामुदायिक एकता का प्रतीक है। यह पर्व पर्यावरण संरक्षण और आपसी सौहार्द का संदेश देता है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार आदिवासी परंपराओं, संस्कृति और विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समस्त प्रदेशवासियों को प्रकृति, संस्कृति और सामाजिक समरसता के प्रतीक इस पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्य पाहन ने की अच्छी बारिश और भरपूर फसल की भविष्यवाणी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में प्रकृति पर्व सरहुल हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राजधानी के सरना स्थल पर मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने विधि-विधान के साथ प्रकृति, पूर्वजों और देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की।

सरना स्थल पर पारंपरिक रीति से रखे गए दो घड़ों के पानी का आकलन कर पाहन जगलाल पाहन ने इस वर्ष अच्छी बारिश और बेहतर खेती होने की भविष्यवाणी की। पूजा के दौरान विभिन्न मान्यताओं के अनुसार अलग-अलग रंग के मुर्गों की बलि दी गई। सफेद मुर्गा भगवान सिंगबोंगा को, रंगवा मुर्गा जल देवता इकिर बोंगा को, रंगली मुर्गा पूर्वजों को और काला मुर्गा अनिष्ट शक्तियों की शांति के लिए अर्पित किया गया।

पूजा के बाद घड़े के पानी से पाहन को स्नान कराया गया और उनके चरण धोए गए। इसके बाद उन्होंने पूरे विश्व के लोगों, जीव-जंतुओं और प्रकृति की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। पाहन ने कहा कि इस वर्ष खेती-बाड़ी अच्छी होगी और प्रकृति अनुकूल रहेगी।

पाहन जगलाल पाहन ने बताया कि यह परंपरा आदिकाल से चली आ रही है, जब विज्ञान का विकास नहीं हुआ था, उस समय आदिवासी समुदाय प्रकृति के संकेतों के आधार पर मौसम और मानसून का अनुमान लगाता था। यह परंपरा आज भी उसी आस्था के साथ निभाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि सरहुल पर्व तीन दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन लोग उपवास रखते हैं और सुबह खेतों व जलाशयों में जाकर केकड़ा और मछली पकड़ते हैं। पूजा के बाद इन्हें सुरक्षित रखा जाता है। मान्यता है कि फसलों की बोआई के समय केकड़े को गोबर पानी से धोकर उसी पानी में बीज भिगोकर खेतों में डालने से फसल अच्छी होती है। केकड़े के कई पैरों की तरह फसल की जड़ें भी मजबूत और अधिक होती हैं, जिससे भरपूर पैदावार होती है।

उन्होंने बताया कि पहले धरती पर पानी ही पानी था। केकड़े ने मिट्टी बनाई और धरती वर्तमान स्वरूप में आया। उन्होंने कहा कि कितना भी अकाल पड़ जाएं, जहां केकड़ा होगा वहां संकेत है कि पानी जरूर होगा।

अकीदत और उत्साह के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : माह-ए-रमजान के 30 पाक रोजों के बाद देश के अन्य हिस्सों की तरह झारखंड में भी शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। राजधानी रांची में विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई।

पूरी रिपोर्ट पेज 3 पर

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात

एजेंसी

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज की बधाई दी। मोदी ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा डालते हैं।

प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग को लेकर सराहना की।

राष्ट्रपति ने किये गिरिराज जी के दर्शन

एजेंसी

मथुरा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मथुरा दौरे के तीसरे दिन शनिवार की सुबह ब्रजभूमि की आध्यात्मिक ऊर्जा में पूरी तरह सराबोर नजर आईं। गोवर्धन पहुंचकर उन्होंने गिरिराज महाराज की सात कोसीय परिक्रमा का शुभारंभ नंगे पांव किया और श्रद्धा, आस्था व सादगी का अनूठा संदेश दिया। राष्ट्रपति के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे।

नंगे पांव चलकर शुरू की सप्तकोसी परिक्रमा

परिक्रमा प्रारंभ करने से पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने दानघाटी मंदिर पहुंचकर गिरिराज जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दूध अर्पित किया।

ईरान के नतान्ज परमाणु संयंत्र पर हमला

एजेंसी

तेहरान : ईरान ने अमेरिका-इजराइल पर आरोप लगाया है कि उसके नतान्ज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाया है। हालांकि अधिकारियों के मुताबिक हमले के बावजूद किसी भी तरह के रेडियोधर्मी रिसाव की सूचना नहीं है।

ईरान का यह संयंत्र देश के सबसे महत्वपूर्ण यूरेनियम संवर्धन स्थलों में से एक है और तेहरान से करीब 220 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित है। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी युद्ध के बीच इस घटनाक्रम ने क्षेत्रीय और वैश्विक चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

समाचार एजेंसी अल जजीरा ने ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (आईएईओ) ने दावा किया है कि अमेरिका और इजराइल ने शनिवार सुबह नतान्ज परमाणु संयंत्र को निशाना बनाकर हमला किया। यह हमला मध्य ईरान में स्थित देश के प्रमुख यूरेनियम संवर्धन केंद्रों में से एक पर किया गया।

आईएईओ ने स्पष्ट किया कि शाहिद अहमदी रोशन संवर्धन संयंत्र में किसी भी तरह के रेडियोधर्मी पदार्थ के रिसाव की कोई सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक संयंत्र के आसपास रहने वाली आबादी को भी कोई खतरा नहीं है।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की कि ईरान ने उसे इस हमले की जानकारी दी है। आईएईए ने कहा कि संयंत्र के बाहर विकिरण स्तर में किसी प्रकार की वृद्धि दर्ज नहीं की गई है और वह स्थिति की जांच कर रही है। आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने सैन्य संयम बरतने की अपील दोहराई है ताकि किसी भी परमाणु दुर्घटना से बचा जा सके।

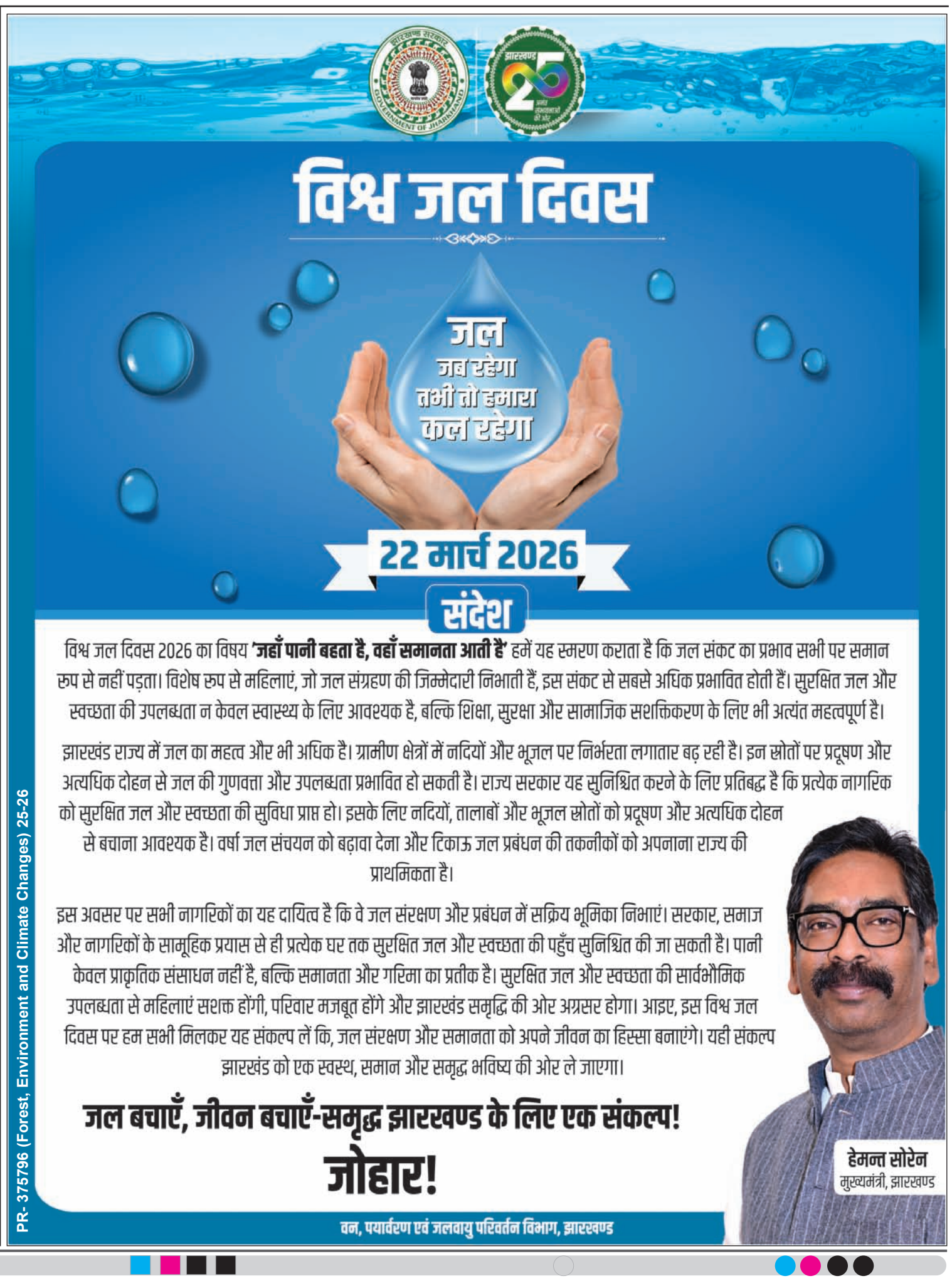

एक नजर

झारखंड में वार्षिक विद्यार्थी खेलकूद प्रतियोगिता "अभ्युदय-2026" का समापन

बरही : भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान झारखंड, गौरियाकर्मा परिसर में 17 से 21 मार्च 2026 तक आयोजित वार्षिक विद्यार्थी खेलकूद प्रतियोगिता 'अभ्युदय-2026' का समापन समारोह संपन्न हुआ। समापन समारोह का आयोजन 21 मार्च 2026 को संस्थान के खेल मैदान में प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं तकनीकी कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी रही। समापन समारोह के अंतर्गत प्रमुख फाइनल मुकाबलों का आयोजन किया गया, जिसमें 800 मीटर पुरुष एवं 400 मीटर महिला दौड़ तथा रिले रेस विशेष आकर्षण रहे। सभी स्पधाओं में प्रतिभागियों के बीच कड़ा एवं रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। इसके उपरांत मार्च-पास्ट किया गया एवं खेल सचिव द्वारा प्रतियोगिता की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। समापन समारोह का आयोजन डॉ. एस. के. महन्ता, परिसर प्रभारी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में विभिन्न ट्रैक, फील्ड एवं टीम स्पधाओं के विजेताओं को पदक, ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। साथ ही पुरुष एवं महिला वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को "बेस्ट प्लेयर" पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्पूर्ण 'अभ्युदय-2026' का आयोजन डॉ. सीएच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, झारखंड के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में संपन्न हुआ। अंत में प्रतियोगिता के औपचारिक समापन की घोषणा की गई तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन खेल सचिव डॉ. दीपक कुमार गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया।

सरहुल शोभायात्रा में खूब थिरके सांसद मनीष जायसवाल, झांकी में जीवंत हुई संस्कृति

सरहुल पर्व को लेकर उत्साह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिले में प्रकृति पर्व सरहुल की धूम के बीच जब हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल झंडा चौक पर सरहुल के मुख्य शोभायात्रा में शामिल हुए तो जुलूस में शामिल लोगों का उत्साह देखते ही बना। यहां सांसद मनीष जायसवाल श्रद्धालुओं के साथ जमकर थिरके। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी सरना समाज के लोगों का विशाल जनसैलाब जब हजारीबाग की सड़कों पर उतरा तो ऐसा लगा मानो भारतीय मूलवासी की संस्कृति जीवंत हो रही हो। झांकियों में झारखंडी संस्कृति सभ्यता के साथ आदिवासी परंपरा की झलक जीवंत होती दिखी। सांसद मनीष जायसवाल सरहुल के रंग में सराबोर दिखे और गले मिलकर एवं अबीर गुलाल लगाकर एक दूजे को सरहुल की बधाई दी। बड़े ही अनुशासित तरीके से कतारबद्ध कारवां में ढोल-ताशे, मांदर- नगाड़े और पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ डीजे पर सरहुल के गीतों में लोग खूब थिरके। सांसद मनीष जायसवाल ने झंडा चौक पर स्टॉल लगाकर श्रद्धालुओं को पेयजल और जूस पिलाया एवं उनका हृदयतल से अभिनंदन किया। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सरहुल पर्व भारतीय आदिवासी सभ्यता और संस्कृति के साथ प्रकृति के संरक्षण का संदेश पूरे समाज को देती है। यह हमारे अंदर उत्साह उमंग व जोश भरने के साथ जीवन जीने की कला भी सिखाती है।

झखरा जामुन में सरहुल पर्व की धूम, परंपरा और प्रकृति के संग मनाया गया उत्सव

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पताल पंचायत के झखरा जामुन में जनजातीय पर्व सरहुल को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ आदिवासी समाज द्वारा इस प्रकृति पर्व को धूमधाम से मनाया जा रहा है। सरहुल पर्व के अवसर पर सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार आदिवासी पुजारी पाहन द्वारा घड़े में रखे पानी के स्तर का अवलोकन कर वर्षा को लेकर भविष्यवाणी की जाती है। इस अनूठी परंपरा को लेकर लोगों में खास उत्सुकता देखने को मिली। समाजसेवी विकास महतो ने कहा कि सरहुल पर्व सूर्य और पृथ्वी के मिलन का प्रतीक है, जिसे झारखंड के आदिवासी बहुल इलाकों में विशेष श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर साल वृक्ष की पूजा की जाती है, जिसे आदिवासी समाज में अत्यंत पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि साल वृक्ष में सरना मां का निवास होता है, जो गांव को प्राकृतिक आपदाओं से बचाती हैं और सुख-समृद्धि प्रदान करती हैं। इस कारण सरहुल पर्व पर साल वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व होता है। कार्यक्रम में पताल पंचायत की मुखिया नेहा लकड़ा, उप मुखिया अजय मुंडा, पंचायत समिति सदस्य नीतू मुंडा सहित कई प्रबुद्ध लोग और सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

बरही के बेटी राधिका प्रथम प्रयास में ही जेपीएससी में पाई सफलता, बनी खाद्य सुरक्षा अधिकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरहीडीह निवासी सेवानिवृत्त प्रधान शिक्षक राजेंद्र ठाकुर एवं सावित्री देवी की सुपुत्री राधिका कुमारी ने अपने प्रथम प्रयास में ही जेपीएससी परीक्षा में सफल हुई है। जेपीएससी परीक्षा में सफलता के साथ ही वे खाद्य सुरक्षा अधिकारी बनी है। राधिका कुमार की प्रारंभिक शिक्षा डीएवी पब्लिक स्कूल बरही में इंटर शिक्षा संत जेवियर स्कूल हजारीबाग एवं उच्चतर शिक्षा डॉ राजेंद्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय पूसा बिहार से कर रही हैं। उन्होंने 54 वां रैंक लाकर बरही का नाम रोशन की है। उन्होंने अपने सफलता का श्रेय मुख्य रूप से अपने माता पिता के साथ साथ संत कबीर प्रचारक गुरु दीपक साहेब को दी है। उन्होंने बताया कि उनके माता पिता के साथ साथ गुरु दीपक साहेब की मार्गदर्शन हमेशा मिलता रहता था। साथ ही उन्होंने संत गुरु गोपी साहब के गुरुकुल से आध्यात्मिक शिक्षा प्राप्त की है। जिससे उन्हें मोटिवेशन मिला। इस गुरुकुल में उनकी मां सावित्री देवी सहित छह आचार्य भी शामिल हम। बताया कि उन्होंने अपनी तैयारी घर से ही की है। ऑनलाइन कोर्स कर सफलता प्राप्त की है । बेटी की सफलता पर पिता राजेंद्र ठाकुर ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उनकी बेटी बचपन से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित रही है। उन्होंने पढ़ाई का सेक्टर खुद चुना। हमलोगों ने सपोर्ट किया। लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत से सफलता प्राप्त की है।

सदर विधानसभा क्षेत्र के 100 अखाड़ा धारियों को भेंट किया दंड, पारंपरिक कला कौशल प्रदर्शन को किया प्रेरित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : सांसद मनीष जायसवाल ने शनिवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के करीब 100 से अधिक अखाड़ाधारियों के बीच दंड का वितरण सांसद सेवा कार्यालय, परिसर में किया । जिसमें कटकमसांडी, सदर, हजारीबाग नगर के अखाड़ा के साथ महासमिति शामिल हैं । मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग की ऐतिहासिक रामनवमी परम्परा में कला- कौशल प्रदर्शन को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से और भावी पीढ़ी को अखाड़ा धारियों द्वारा अस्त्र-शस्त्र कला कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उनमें परंपरागत कला का समावेश करने हेतु यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के करीब 3 हजार से अधिक अखाड़ा धारियों तक पहुंचकर उन्हें दंड भेंट कर रहें हैं ताकि हजारीबाग का रामनवमी जिस ख्याति के लिए प्रसिद्ध है वो शोभायात्रा में दिखे। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति को बढ़ावा देने और उसकी परंपरा को अक्षुण्ण रखने के लिए उनका ऐसा प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। महासमिति अध्यक्ष लड्डू यादव ने सांसद से की खास मुलाकात, सांसद ने भेंट किया 11 बंडल दंड
श्री चैत्र रामनवमी महासमिति हजारीबाग -2026 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष करण यादव उर्फ लड्डू यादव ने सांसद सेवा कार्यालय पहुँचकर सांसद मनीष जायसवाल से भेंट की। इस आत्मीय मुलाकात के दौरान उन्होंने आगामी रामनवमी शोभायात्रा की तैयारियों और इसे अभूतपूर्व बनाने की कार्ययोजना पर सांसद मनीष जायसवाल से विशेष परिचर्चा हुई। सांसद मनीष जायसवाल ने लड्डू यादव को अंग-वस्त्र ओढ़ाकर स्वागत और सम्मान किया, साथ ही परंपरा को जीवंत रखने हेतु महासमिति को 11 बंडल दंड भी भेंट स्वरूप प्रदान किए ।

संक्षिप्त खबरें

विहिप दुर्गा वाहिनी की बैठक, 25 मार्च को शोभायात्रा निकालने का निर्णय

बरही : शनिवार को दुर्गा मंदिर धनबाद रोड के प्रांगण में दुर्गा वाहिनी के बहनों के द्वारा एक बैठक बुलाई गई। इस बैठक में निर्णय लिया गया की दिनांक 25 मार्च 2026 बुधवार को दोपहर 2 बजे मनोकामनेश्वर मंदिर प्रखंड परिसर के प्रांगण से विश्व हिंदू परिषद,दुर्गावाहिनी के द्वारा शोभा यात्रा निकाला जाएगा। जो हजारीबाग रोड से होते हुए युवराज होटल, वहां से वापस बरही चौक से गया रोड रेलवे ओवरब्रिज होते हुए पटना रोड बजरंगबली मंदिर से वापस होते हुए धनबाद रोड सरकारी हॉस्पिटल होते हुए वापस प्रखंड परिसर मंदिर में समापन होगा । इस कार्यक्रम कि संयोजिका सिमरन कुमारी और सह संयोजिका रूपा कुमारी को बनाया गया है। इस बैठक में जिप सदस्य प्रीति गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष नंदकिशोर कुमार,प्रखंड अध्यक्ष निरंजन केशरी, उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, बजरंगदल संयोजक अरविंद कुमार, सहसंयोजक सोनू कुमार, परी कुमारी, संगीता कुमारी, सुजाता कुमारी, सोनी गुप्ता, पलक कुमारी, शांभवी कुमारी, कशिश कुमारी, रोशनी केसरी, नीतू निषाद, जानवी कुमारी, जीविका केसरी, ज्योति कुमारी,कोमल कुमारी ,सुकृति कुमारी, लता देवी, साक्षी सोनी ,रिशु कुमारी सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

अजप्ता का सम्मान समारोह आज, सहायक आचार्य होंगे सम्मानित

अयोध्या कुमार मथुरा प्रसाद

बरही : शिक्षकों के हितार्थ संगठन अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ बरही प्रखंड इकाई की ओर से आज यानि रविवार को प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में शिक्षक सम्मान सह स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में बरही प्रखंड में कार्यरत नव नियुक्त सहायक आचार्यों सहित अन्य शिक्षकों का स्वागत एवं सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए अजप्ता के प्रखंड सचिव मथुरा प्रसाद ने बताया कि प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में आयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आजप्ता के जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह सहित कई विद्यालयों के प्रधान शिक्षक भी मौजूद रहेंगे। प्रखंड अध्यक्ष अयोध्या कुमार ने बताया कि शिक्षकों को एकजुट कर उनके समस्या का समाधान करना आजप्ता का उदेश्य रहा है। उन्होंने बरही प्रखंड के सभी सहायक आचार्यों एवं अजप्ता से जुड़े शिक्षकों को कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

सुदूर क्षेत्र में 16 साल सेवा देने वाले शिक्षक को मिली भावभीनी विदाई

चौपारण : प्रखंड के अत्यंत सुदूरवर्ती क्षेत्र बुकाड़ स्थित मध्य विद्यालय में उस समय भावुक माहौल बन गया, जब 16 वर्षों तक अपनी सेवाएं देने वाले शिक्षक डॉ. प्रदीप साहू को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक संघ के सदस्य तथा स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने डॉ. साहू के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सुदूर क्षेत्र में इतने लंबे समय तक सेवा देना आसान नहीं होता, लेकिन उन्होंने अपने समर्पण, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा से इसे संभव कर दिखाया। उन्होंने कहा कि डॉ. साहू ने न केवल विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की, बल्कि विद्यालय के सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समारोह में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी डॉ. प्रदीप साहू के सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, विद्यार्थियों के प्रति उनके समर्पण और सहकर्मियों के साथ उनके मधुर संबंधों की सराहना की। शिक्षक संघ के सदस्यों ने उनके योगदान को अविस्मरणीय बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डॉ. साहू को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई के क्षणों में सहकर्मियों और विद्यार्थियों की आंखें नम हो गई और पूरा माहौल भावनाओं से ओत-प्रोत हो उठा। सभी ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जेएसएफडीए के एक दिवसीय कांक्लेव से लौटी विभावि कुलसचिव

हजारीबाग : झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट अकैडमी का एक दिवसीय एनुअल कॉन्क्लेव का आयोजन शुक्रवार को रांची के होटल बीएनआर चाणक्य में किया गया। पांच अलग-अलग सत्रों में आयोजित इस सम्मेलन में झारखंड राज्य एवं भारत के महत्वपूर्ण संस्थाओं से लगभग 300 ख्याति प्राप्त शिक्षाविदों ने भाग लिया। इस उच्चस्तरीय कॉन्क्लेव में विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग का प्रतिनिधित्व, कुलसचिव, डॉ प्रणिता ने किया। झारखंड राज्य के उच्च शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव तथा जेएसएफडीए के अध्यक्ष राहुल कुमार पुरवार ने इस कॉन्क्लेव की अध्यक्षता की। रांची से लौटने के उपरांत शनिवार को इस कॉन्क्लेव की जानकारी देते हुए डॉ प्रणिता ने बताया कि इसमें उच्च शिक्षा के संस्थानों से जुड़े सरकारी पदाधिकारी, सरकारी तथा निजी विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव, उच्च शिक्षा के प्रमुख नीति निर्धारक प्रबुद्ध जन, विषय विशेषज्ञ, आमंत्रित शिक्षक एवं शोध से जुड़े लोग शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य था कि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, उच्च शिक्षा से संबंधित सरकारी विभाग, शैक्षणिक निकाय तथा सिविल सोसाइटी को आपस में आदान-प्रदान करने के लिए एक स्थाई मंच उपलब्ध कराना। उच्च शिक्षा के उभरते प्राथमिकताओं को रेखांकित करना तथा शिक्षकों, शिक्षकेत्तरो एवं उच्च शिक्षा से जुड़े पदाधिकारियों का क्षमता संवर्धन करना। साथ ही अपने श्रेष्ठ अभ्यासों सफलता की गाथाएं तथा आरंभक नवाचारो को एक दूसरे के साथ साझा करना।

मुस्लिम धर्मलंबीयों ने मनाई ईद, तमाम मस्जिद में पढ़ी गई ईद की नमाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : मुस्लिम धमार्लंबियों की विशेष त्यौहार ईद काफी हर्षोल्लास के साथ पूरे प्रखंड में शांतिपूर्वक मनाई गई। अहले सुबह से हीं ईद की तैयारी में लोग जुट गए थे। आसपास के मस्जिदों में लोगों ने ईद की नमाज पढ़ी एवं एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। प्रखंड के तकरीबन दर्जन भर मस्जिदों में ईद की नमाज अदा की गई। ईदगाह में लोगों ने सामूहिक रूप से नमाज अदा कर लोगों ने क्षेत्रवासियों ,अपने परिवार करीबियों की अमन चैन बरकत के लिए दुआ मांगी। बादम जामा मस्जिद, बलिया जामा मस्जिद, बड़कागांव जामा मस्जिद, चट्टी मस्जिद, सिरमा मस्जिद, महुदी मस्जिद, महुगाई मस्जिद, सीकरी मस्जिद, चंदौल मस्जिद, डाड़ी कलां, चेपा मस्जिद, सिंदूवारी मस्जिद, हाहे मस्जिद, छवनिया मस्जिद, कनोदा मस्जिद के अलावा अन्य मस्जिदों में ईद की अकीदत के साथ नमाज अदा की गई। मुस्लिम धर्मावलंबियों में बच्चे, बूढ़े, जवान, महिला, पुरुष इस त्योहार को लेकर उत्साह देखा गया। नमाज के बाद लोग एक दूसरे के घरों में जा कर, शिर खुरमा, सेवई सहित अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। वही विधि व्यवस्था को देखते हुए ईद को लेकर बड़कागांव प्रशासन के द्वारा के तमाम मस्जिदों में पुलिस बल तैनात किए गए थे। जिसमें बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार, इंस्पेक्टर ललित कुमार, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने मॉनिटरिंग करते रहे एवं दिनभर पुलिस गश्ती होती रही।

धूमधाम से मनाई गई ईद, मस्जिदों में गूंजे अल्लाह के नारे, दी एक दूसरे को ईद मुबारक

बरही : बरही में अकीदत के साथ ईद का त्योहार मनाया गया। सभी मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। चाँद देखने के बाद समुदाय ने ईद का पर्व मनाने की खुशियाँ साझा कीं। ब्रेक फास्ट में सेवई का स्वादिष्ट आनंद लेने के साथ-साथ, कई स्थानों पर इफ्तार का आयोजन किया गया, जिसमें नेकी और भाईचारे का संदेश फैलाया गया। बरही, कोनरा, रसोइया धमना, छोटकी बरही, लश्करी सहित अन्य क्षेत्रों में भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहाँ समाज के सभी वर्गों ने मिलकर ईद की खुशियाँ मनाई। इस अवसर पर क्षेत्र के इमाम ने एकता और भाईचारे का महत्व बताया और सभी को प्यार और सद्भाव का संदेश दिया। ईद के इस मौके पर बरही का माहौल रंगीन और उल्लासित रहा, जहाँ लोगों ने एक-दूसरे के साथ मिलकर नए कपड़े पहनकर और मिठाइयाँ बांटकर ईद की बधाई दी। 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, पंचायत समिति सदस्य सह राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन बरही प्रखंड अध्यक्ष मो तैयब अंसारी, मो तौकीर, मो कयूम ने ईद का मुबारकबाद देते हुए कहा कि माहे रमजान आपसी भाई चारा तथा सामाजिक सद्भाव का पर्व है ।

अकीदत और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद

अकीदत और उल्लास के साथ चौपारण में मनी ईद, नमाज के बाद गले मिलकर दी मुबारकबाद

चौपारण : प्रखंड के सभी 26 पंचायतों में शनिवार को ईद-उल-फितर का पाक त्यौहार पूरी अकीदत, उल्लास और आपसी भाईचारे के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। सुबह होते ही क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तय समय पर ईद की नमाज अदा की गई, जहां रोजेदारों ने अल्लाह से देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद ईदगाहों और मस्जिदों के बाहर एकता और सौहार्द का खूबसूरत नजारा देखने को मिला। लोग एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते नजर आए। ईद मुबारक की गूंज से पूरा माहौल खुशनुमा हो उठा। दिनभर क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाकों में चहल-पहल बनी रही। घर-घर में सेवइयों, दहीबड़ा, छोला और तरह-तरह के लजीज पकवानों की खुशबू फैलती रही, वहीं लोग एक-दूसरे के घर जाकर मुबारकबाद देते हुए खुशियां साझा करते रहे। विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे को और मजबूत किया। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

थाना प्रभारी ने मस्जिदों का किया भ्रमण, मुस्लिम धर्मलंबियों से मिले, विधि व्यवस्था का लिया जायजा

बड़कागांव : बड़कागांव नए थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने विधि व्यवस्था को लेकर ईद त्योहार को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर गंभीरता दिखलाई एवं सशस्त्र बल के साथ तमाम मस्जिदों का भ्रमण किया तथा स्थिति का जायजा लिया।वहीं थाना प्रभारी श्री दीपक ने मुस्लिम धर्मलंबियों से मिले और ईद की शुभकामनाएं देते हुए मुबारकबाद दिया। थाना प्रभारी ने मुख्य रुप से ग्राम महुदी ,बादम, चौपदार बलिया, बड़कागांव के अलावा अन्य मस्जिदों का भ्रमण किया। मौके पर थाना प्रभारी ने लोगों से कहा की ईद आपसी भाईचारगी का त्यौहार है, आपसी मनमुटाव मिटाकर लोग त्योहार मनाते हैं। यह क्षेत्र की अमन चैन शांति के लिए अति आवश्यक है। मौके पर थाना प्रभारी के साथ एस आई राकेश कुमार एवं सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

ईदगाह और मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई ईद की नमाज

धनबाद : ईद-उल-फितर के अवसर पर शनिवार को जिले के सभी ईदगाह और मस्जिदों में शांतिपूर्ण तरीके ईद की नमाज अदा की गई। इस अवसर पर नमाजियों ने देश की खुशहाली और अमन-चैन की दुआ मांगी। विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में सुबह 7.15 बजे से लेकर 09 बजे तक ईद की विशेष नमाज अदा की गई। नमाज अता करने के बाद सभी ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी और एक दूसरे के साथ खुशियां बांटी। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने बताया कि शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये थे। सभी थाना क्षेत्र और संवेदनशील इलाकों में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती थी। सुबह 06 बजे से कंट्रोल रूम कार्यरत रहा। कंट्रोल रूम में कहीं से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। कंट्रोल रूम रविवार सुबह 06 बजे तक कार्यरत रहेगा।

एक नजर

बाबूलाल मरांडी ने उठाया बूलेट प्रूफ वाहनों के अनुपयोग पर सवाल

रांची : प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार द्वारा खरीदे गए 17 बूलेट प्रूफ वाहनों की क्वालिटी और अनुपयोग पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को पत्र लिखा है। उसमें कहा है कि दिसंबर 2024 में 17 बुलेट प्रूफ वाहनों की खरीद की गयी थी। इनमें तीन बुलेट प्रूफ वाहन मुख्यमंत्री के उपयोग में लगाया गया था। दो वाहन राजभवन को दिया गया। शेष 12 बुलेट प्रूफ वाहन हेडक्वार्टर क्विक रिस्पॉस टीम के लिए सुरक्षित रखा गया। बाबूलाल मरांडी का कहना है कि हेड क्वार्टर को दिए गए वाहनों में तीन-चार वाहनों का ही लगातार उपयोग किया जा रहा है। शेष वाहन पड़े पड़े बेकार होते जा रहे हैं। आने वाले समय में ये बर्बाद हो सकते हैं। बाबूलाल मरांडी ने पूर्व मुख्यमंत्रियों को मिले बुलेट प्रूफ वाहनों पर भी सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को उपलब्ध कराए गए वाहन दस से 12 साल पुराने हो चुके हैं। इनमें अधिकतर वाहन दो लाख किलोमीटर से अधिक चल चुका है। अक्सर ये वाहन खराब भी हो जा रहे हैं। इसलिए हेड क्वार्टर में पड़े बुलेट प्रूफ वाहनों को मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजीपी जैसे शीर्ष अधिकारियों को आवंटित कर दिया जाना चाहिए। पड़े पड़े ये वाहन खराब नहीं होंगे और सरकारी राशि का सदुपयोग हो सकेगा।

गणगौर महोत्सव धूमधाम से संपन्न पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हुआ पूजन

रांची : मारवाड़ी और राजस्थानी समाज की ओर से रांची में शनिवार को पारंपरिक गणगौर महोत्सव श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने अपने-अपने घरों में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ माता गणगौर की विधिवत पूजा-अर्चना की। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा कि गणगौर महोत्सव धार्मिक आस्था के साथ-साथ राजस्थानी संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि यह पर्व नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का अवसर देता है। सुबह से ही महिलाओं में उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक राजस्थानी परिधानों लहंगा, ओढ़नी और आभूषणों से सुसज्जित होकर महिलाओं ने माता पार्वती और भगवान शिव के प्रतीक स्वरूप गणगौर प्रतिमाओं का श्रृंगार किया। घर-घर में मंगल गीत गूंजते रहे। सुहागिन महिलाओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना की, जबकि अविवाहित युवतियों ने मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए पूजा-अर्चना की।

समर्पण शाखा की गौ सेवा, गायों को खिलाई गई हरी सब्जियां और चारा

रांची : समर्पण शाखा, रांची की ओर से हर महीने की जाने वाली गौ सेवा के क्रम में शनिवार को हरमू रोड स्थित गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का नेतृत्व शाखा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने किया। यह सेवा आशा संथालिया की ओर से की गई। कार्यक्रम की जानकारी समर्पण शाखा की मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान गौ माता को हरी सब्जियां, लौकी, पत्तागोभी, गुड़, रोटी सहित अन्य पौष्टिक सामग्री खिलाई गई। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, शुभा अग्रवाल, आशा संथालिया, नेहा बगड़िया सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य नियमित रूप से गौ सेवा कर सामाजिक और धार्मिक जिम्मेदारी का निर्वहन करना बताया गया।

रांची में अकीदत और उत्साह के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : माह-ए-रमजान के 30 पाक रोजों के बाद देश के अन्य हिस्सों की तरह झारखंड में भी शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। राजधानी रांची में विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई।

शहर के प्रमुख ईदगाहों में से एक हरमू ईदगाह और उसके आसपास हरमू बाईपास रोड पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा की। सुबह से ही पारंपरिक परिधानों में सजे लोग नमाज के लिए जुटने लगे थे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया।

ईद के अवसर पर हरमू ईदगाह के मौलाना मो. असगर मिस्बाही ने देश और दुनिया में अमन-शांति की अपील की। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, एकता और विश्वास को मजबूत करने का संदेश देता है। नमाज के दौरान विश्व में शांति, हिंसा की समाप्ति और खुशहाली के लिए दुआएं की गईं। इस मौके पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी हरमू ईदगाह पहुंचे और लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। शहर में ईद के मौके पर उत्सव का माहौल रहा। कर्बला चौक के पास हर साल की तरह इस बार भी झूले लगाए गए और खाने-पीने के कई स्टॉल सजे, जहां लोगों ने परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। घरों में सेवइयां और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। ईद के मौके पर कई लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए दूसरे शहरों और राज्यों से रांची पहुंचे।

इस दौरान हरमू किशोरगंज क्षेत्र में कुछ युवाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े पोस्टर और तख्तियां लेकर पहुंचने की भी चर्चा रही। हालांकि, पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण बनी रही। ईद को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में रही। शहर के सभी प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। रांची जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सह एडीजी सीआईडी मनोज कौशिक खुद शहर में घूम-घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए। उन्होंने डोरंडा स्थित ईदगाह पहुंचकर स्थानीय पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। पूरे शहर में बड़ी संख्या में पुलिस बल और यातायात पुलिस की तैनाती की गई थी।

नमाज के दौरान सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए निगरानी की गई। छह से अधिक ड्रोन आकाश में तैनात रहे, जिनकी मॉनिटरिंग पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर के अधिकारी कर रहे थे। ड्रोन की मदद से आसपास की ऊंची इमारतों की भी जांच की गई, ताकि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अब प्रशासन सरहुल जुलूस को लेकर भी सतर्क है।

इसरो अध्यक्ष से मिले एसबीयू महानिदेशक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू) के महानिदेशक डॉ. गोपाल पाठक ने बेंगलुरु स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन से उनके कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात की। एसबीयू की ओर से शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन एवं राज्यसभा सांसद सह निदेशक (प्लानिंग एंड डेवलपमेंट) डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस मुलाकात को शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध गतिविधियों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने बताया कि मुलाकात के दौरान सरला बिरला विश्वविद्यालय में शोध की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही वैज्ञानिक अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास को बढ़ावा देने को लेकर दोनों पक्षों के बीच सार्थक विचार-विमर्श हुआ।

यह भी बताया गया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में उच्चस्तरीय शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करना, छात्रों और शोधार्थियों के लिए नए अवसर सृजित करना तथा भविष्य में शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग के लिए ठोस पहल करना है।

सरहुल शोभायात्रा के दौरान अल्बर्ट एक्का चौक पर पुलिस और प्रशासन की पैनी नजर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यभर में सरहुल का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। हालांकि मौसम ने सरहुल शोभा यात्रा में खलल डाली है, लेकिन उसके बावजूद लोगों में खुशी का ठिकाना नहीं है। राजधानी रांची में इस उत्सव का माहौल चरम पर है। शनिवार को राजधानी के विभिन्न इलाकों से निकलने वाली भव्य शोभायात्रा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए रांची पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। रांची पुलिस और प्रशासन की पूरी टीम अल्बर्ट एक्का चौक पर स्वयं मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल रही है।

शोभायात्रा के मुख्य मार्ग, विशेषकर अल्बर्ट एक्का चौक और मेन रोड पर भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए रांची पुलिस ने सरहुल पर्व से एक दिन पूर्व ही फ्लैग मार्च निकाला था, ताकि आम जनमानस में सुरक्षा का भाव बना रहे। एसएसपी राकेश रंजन खुद मौके पर मौजूद होकर भीड़ नियंत्रण और विधि-व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। उनके साथ सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी और कई थाना प्रभारी भी तैनात हैं।

पुलिस शोभायात्रा के पूरे मार्ग और भीड़ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया जा रहा है। वहीं शहर के प्रमुख चौराहों, विशेष रूप से संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनकी लाइव मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जा रही है।

मनमानी फीस और पाठ्यपुस्तकों की खरीद पर रोक लगाने की पहल सराहनीय : अजय

अभिभावक संघ ने मनमानी शुल्क वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए जांच समिति के गठन का किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची जिला प्रशासन द्वारा निजी विद्यालयों में मनमाने शुल्क निर्धारण तथा जूता, कॉपी-किताब की अनिवार्य खरीद जैसे मुद्दों पर नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय जांच एवं निर्णय समिति के गठन का झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने स्वागत किया है।

एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसे अभिभावकों के लंबे संघर्ष की जीत बताया। उन्होंने कहा कि रांची में इस समिति का गठन एक सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसे पूरे राज्य में प्रभावी रूप से लागू किया जाना अभी बाकी है। उन्होंने राज्य सरकार से सभी जिलों में ऐसी समितियों के गठन और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की। अजय राय ने आरोप लगाया कि कई निजी स्कूल अब भी अभिभावकों को किताब, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री विशेष दुकानों से खरीदने के लिए मजबूर करते हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। एसोसिएशन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अवैध शुल्क वसूली के खिलाफ जागरूक रहें और संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराएं।

उन्होंने कहा कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम, 2017 लागू होने के बावजूद इसका प्रभावी क्रियान्वयन अब तक नहीं हो पाया था। अधिकांश निजी विद्यालयों में न तो शुल्क निर्धारण समिति गठित थी और न ही अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) सक्रिय था, जिसके कारण अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा था। एसोसिएशन का मानना है कि इस नई पहल से अब निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर अंकुश लगेगा और अभिभावकों को राहत मिलेगी, जिससे बच्चों की शिक्षा अधिक सुगम और सुलभ हो सकेगी।

ईद-उल-फितर पर मस्जिदों में अदा की गई नमाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी आसपास के क्षेत्रों में शनिवार के दिन ईद उल फितर की नमाज मस्जिद में अदा की गई। शाम से ही ईद की तैयारियों को लेकर बाजारों में खरीददारी करते लोगों में चहल-पहल देखी गई सुबह से ही मस्जिदों में नमाजियों का आना शुरू हो गया। मुरी रेलवे और फैक्ट्री जामा मस्जिद में सुबह 8:30 बजे नमाज अदा की गई, नमाज के बाद मुल्क की सलामती और अमन चैन के लिए दुआएं की गई साथ ही लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी। यह त्योहार रमजान माह के एक महीना रोजा (उपवास) रखने के बाद ईद का चांद देखकर ईद मनाई जाती है,इस अवसर पर घरों में सेवइयां जैसे मीठे पकवान बनाए जाते हैं ईद सभी के बीच भाईचारगी, खुशी, प्रेम और एकता का प्रतीक है।

झारखंड और ओडिशा कांग्रेस के जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर आज से, शामिल होंगे राहुल : कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : संगठन सृजन अभियान के तहत चयनित जिला अध्यक्षों का प्रशिक्षण शिविर पूरे देश में आयोजित किया जा रहा है। इसी कड़ी में झारखंड में भी झारखंड और ओड़िशा के नवचयनित जिला अध्यक्षों का 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर चाईबासा स्थित टीआरटीसी में 22 मार्च से 31 मार्च तक किया जायेगा।

शिविर के अंतिम दिन 31 मार्च को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी उपस्थित रहेंगे।

उक्त जानकारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कांग्रेस भवन में शनिवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी।

कमलेश ने बताया कि शिविर में विभिन्न क्षेत्रों में जिला अध्यक्षों को कांग्रेस के इतिहास की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने, कार्यकताओं से बेहतर संवाद और समन्वय स्थापित करने, नेतृत्व क्षमता के विकास के संदर्भ में चर्चा,संगठन विस्तार,आम लोगों की जमीनी समस्याओं तक पहुंचने पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण शिविर झारखंड में संगठन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, ताकि संगठनात्मक बारीकियों से नवचयनित जिला अध्यक्ष हो सके। इस दौरान दो दिनों तक फील्ड विजिट भी जिला अध्यक्षों को कराया जाएगा। इसमें पूरे क्षेत्र में भ्रमण कर आम लोगों से बातचीत की जाएगी।

उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में ओड़िशा के 35 और झारखंड के 25 जिला अध्यक्षों के अलावा ओड़िशा के प्रभारी अजय कुमार लल्लू, प्रदेश अध्यक्ष भक्त चरणदास, केंद्रीय वार्ड रूम इंचार्ज सांसद शशिकांत सेंथिल, ओड़िशा के सह प्रभारी जट्टी कुसुम कुमार, मयूर जयकुमार, झारखंड प्रभारी के राजू,सीरीबेला प्रसाद,भूपेंद्र मरावी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे।

इसके अलावा शिविर में विभिन्न सत्रों में कांग्रेस विधायक दल नेता प्रदीप यादव, राजेश कच्छप, वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, इरफान अंसारी, दीपिका पांडे सिंह, शिल्पी नेहा तिर्की, बंधु तिर्की, डॉक्टर अभय सागर मिंज, संजय बसु मल्लिक, फादर अजीत खेस, गुंजन मुंदल,अबरार अहमद, प्रवीण चक्रवर्ती, राहुल बलल दयामनी बारला प्रशिक्षण देंगे।

मौके पर मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा,सतीश पॉल मुंजनी,सोनाल शांति, अभिलाष साहू, राजन वर्मा उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

नेता प्रतिपक्ष और रक्षा राज्य मंत्री ने दी सरहुल की बधाई

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सरहुल के पावन पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि यह पर्व प्रकृति, संस्कृति और आदिवासी परंपराओं का अद्भुत संगम है, जो हमें धरती, जल, जंगल और जीवन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि सरहुल आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। वहीं, रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी सरहुल की सभी को बधाई दी है। सेठ ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि बिना कुछ लिए, बिना किसी अपेक्षा के सृष्टि के आरम्भ काल से ही प्रकृति ने संपूर्ण जीवजगत को सिर्फ देने का काम किया है। प्रकृति के इस दातव्यता के प्रति आभार प्रकट करने का उल्लास ही सरहुल पर्व है। उन्होंने कहा कि इस पर्व को प्रकृति के सबसे करीब रहने वाला आदिवासी समाज मनाता है, पर यह पर्व हर उस जीव के लिए है, जिसने प्रकृति से कुछ भी लिया है। आइए, हमसब भी प्रकृति के प्रति आभार प्रकट कर, इस पर्व को मनाएं। उन्होंने कहा कि प्रकृति को देना सीखें। सेठ ने सभी को सरहुल पर्व की अनंत शुभकामनाएं दी है।

ब्रह्मकुमारी संस्थान में धूमधाम से मना सरहुल

रांची : कांके-पिठोरिया स्थित ब्रह्मकुमारी संस्थान में शनिवार को सरहुल महोत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। महोत्सव के अवसर पर संस्थान परिसर को पारंपरिक झारखंडी साज-सज्जा से सजाया गया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और उत्सव के रंग में सराबोर दिखा। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन और सरना संस्कृति के प्रतीकात्मक पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर राजमति बहन ने कहा कि सरहुल पर्व प्रकृति, पेड़-पौधों और धरती माता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण, आपसी प्रेम और आध्यात्मिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक झारखंडी नृत्य, गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीण और गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। मौके पर उर्मिला, सुनीता, लीला, प्रमिला, बसंती, पार्वती, लीला देवी, उर्मिला देवी, बसंती देवी सहित अन्य मौजूद थे।

ऑल इंडिया स्प्रिंग आर्ट कैंप 2026 के दूसरे दिन मना अंतरराष्ट्रीय वन दिवस

रांची : वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम 'ऑल इंडिया स्प्रिंग आर्ट कैंप 2026' के दूसरे दिन आज अंतरराष्ट्रीय वन दिवस उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ओरमांझी स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय से आई छात्राओं के बीच प्रकृति, वन और वन्यजीव संरक्षण का संदेश साझा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रकृति-आधारित संगीत से हुई, जिसने वातावरण को सरस और प्रेरणादायक बना दिया।इसके बाद डीएफओ, पब्लिसिटी एंड एक्सटेंशन डिवीजन, रांची श्रीकांत वर्मा ने उपस्थित अधिकारियों और छात्राओं का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल जंगलों का उत्सव नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के गहरे संबंध को समझने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि वन केवल हरियाली या संसाधन नहीं, बल्कि हमारे जीवन का आधार हैं। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने प्रकृति से सीख लेने की बात कही पेड़ निस्वार्थ सेवा का संदेश देते हैं, नदियां निरंतरता सिखाती हैं और वन सह-अस्तित्व का भाव जागृत करते हैं। उन्होंने सभी से हरियाली बचाने, वन्यजीवों की रक्षा करने और भविष्य के लिए संतुलित पर्यावरण बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण थीम पर छोटे बच्चों के बीच फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया ।अंत में अधिकारियों ने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण किया और सभी को शुभकामनाएं दीं।

झारखंड प्रशिक्षित शिक्षक संघ ने की जेटेट परीक्षा जल्द कराने की मांग

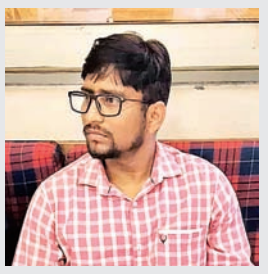

रांची : झारखंड प्रशिक्षित शिक्षक संघ ने 9 वर्षों से लंबित झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा और राज्य के भाषाई मुद्दे को लेकर अपनी स्पष्ट प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यह प्रतिक्रिया भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र के संदर्भ में सामने आई है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंदन कुमार ने कहा कि झारखंड की सांस्कृतिक और भाषाई विविधता ही इसकी पहचान और आत्मा है। सभी भाषाओं और बोलियों का सम्मान करते हुए भी ऐसी किसी मांग को स्वीकार नहीं किया जा सकता, जो राज्य की भाषाई मौलिकता और सांस्कृतिक स्वरूप को प्रभावित करे। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि झारखंड की नौ क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाएं—संथाली, मुंडारी, हो, खड़िया, कुड़ुख, नागपुरी, कुरमाली, खोरठा और पंचपरगनिया—राज्य की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान का आधार हैं। इन भाषाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं और नियुक्तियों में प्राथमिकता दिलाने के लिए लंबे संघर्ष किए गए हैं। संघ ने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न राज्यों में स्थानीय भाषाओं को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में अनिवार्य या प्राथमिकता दी जाती है। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब, असम, पश्चिम बंगाल, गुजरात और ओडिशा जैसे राज्यों में स्थानीय भाषा का महत्व स्पष्ट रूप से स्थापित है। ऐसे में झारखंड में भी स्थानीय और जनजातीय भाषाओं को जेटेट और नियुक्ति प्रक्रिया का आधार बनाए रखना उचित और संवैधानिक है। संघ ने यह भी कहा कि सभी भाषाओं का सम्मान जरूरी है, लेकिन झारखंड की भाषाओं के अधिकारों से किसी भी तरह का समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। किसी भी प्रकार का भाषाई अतिक्रमण राज्य की पहचान और सामाजिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। अंत में संघ ने राज्य सरकार से मांग की कि जेटेट परीक्षा की नियमावली और सिलेबस को जल्द अंतिम रूप देकर परीक्षा आयोजित की जाए, ताकि लंबे समय से इंतजार कर रहे लाखों अभ्यर्थियों को राहत मिल सके।

एक नजर

पहाड़पुर के बंद पत्थर माइंस से व्यक्ति का शव बरामद

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़पुर में बंद पत्थर माइंस से दिन शनिवार को एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ। बताया जा रहा है की पहाड़पुर से एक व्यक्ति दो दिनों से लापता था वही आदमी शराब पीकर गिर गया होगा। लापता व्यक्ति की पहचान रामचंद्र सोनार उम्र 52 वर्ष पिता स्व. दुर्गा सोनार ग्राम पहाड़पुर, थाना नवलशाही निवासी के रुप मे हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रामचंद्र सोनार दो दिनों से लापता है जिसकी खोजबीन लगातार की जा रही थी। शनिवार को उनके परिजन खोजबीन करते हुए माइंस की ओर गए जहाँ अचानक देखा की एक व्यक्ति पत्थर माइंस में गिरा हुआ है। हो हल्ला करने के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ इक्कठा हो गई। इधर घटना की सूचना मिलते हीं नवलशाही पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। शव 150 फिट निचे पत्थर माइंस में है। माइंस का सड़क पाँच महीने पहले धंस गया है, जो की माइंस बंद है। शव निकालने में काफी परेशानी हो रही थी। जानकारी के अनुसार उक्त खदान गुलाम मियां, सकूर अंसारी का बताया जा रहा है।

होल्डिंग टैक्स जमा करने के लिए रविवार को भी खुलेगा जन सुविधा केंद्र

कोडरमा : झुमरीतिलैया नगर परिषद की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 का बकाया होल्डिंग टैक्स जमा करने को लेकर रविवार को भी जन सुविधा केंद्र केदार सदन खुला रहेगा। जहां होल्डिंगधारक अपने घर का होल्डिंग टैक्स, वॉटर टैक्स एवं म्युनिसिपल ट्रेड लाइसेंस शुल्क का भुगतान सुबह 10 बजे से सन्ध्या 4 बजे तक कर सकेंगे। जानकारी शाखा प्रबंधक सुदर्शन श्रीवास्तव ने दी। उन्होंने कहा कि मार्च माह में सभी रविवार के साथ - साथ अन्य अवकाश के दिन भी आम नागरिकों कि सुविधा को देखते हुए जन सुविधा केंद्र खुला रहेगा।

डीवीसी केटीपीएस की पहल से 33 आंगनबाड़ी केंद्रों का होगा कायाकल्प

कोडरमा : दामोदर वैली कॉपोर्रेशन (डीवीसी), केटीपीएस द्वारा अपनी कॉपोर्रेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत 74,01,700/- (रुपये चौहत्तर लाख एक हजार सात सौ मात्र) की स्वीकृति राशि ऋतुराज, आईएएस, उपायुक्त, कोडरमा को प्रदान की गई है। यह स्वीकृति सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से डॉ. डी. वी. राजन, कार्यकारी निदेशक (एचआर) द्वारा संप्रेषित की गई है, जिसका उद्देश्य डीवीसी केटीपीएस एवं डीवीसी तिलैया क्षेत्रों में स्थित 33 (तैंतीस) आंगनवाड़ी केंद्रों के सौंदर्यीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जिला प्रशासन, कोडरमा के माध्यम से कराना है।स्वीकृति आदेश को औपचारिक रूप से फ्रांसिस हेम्ब्रम, डीजीएम (एचआर), केटीपीएस द्वारा उपायुक्त को सौंपा गया, ताकि उक्त कार्य को सीएसआर हस्तक्षेप के अंतर्गत डिपॉजिट आधार पर क्रियान्वित किया जा सके। यह पहल बाल विकास एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डीवीसी अधिनियम, 1948 की धारा 12(फ) तथा डीवीसी सीएसआर नीति, 2025 के प्रावधानों के अनुरूप है। स्वीकृत राशि को दो चरणों में जारी किया जाएगा: 50 प्रतिशत (37,00,850/-) वित्तीय वर्ष 2025-2026 के दौरान। 50 प्रतिशत (37,00,850/-) वित्तीय वर्ष 2026-2027 के दौरान उपायुक्त कार्यालय द्वारा डीवीसी की सीएसआर दिशानिदेर्शों के अनुसार विधिवत हस्ताक्षरित उपयोगिता प्रमाण पत्र), प्रगति रिपोर्ट, पूर्णता रिपोर्ट तथा जियो-टैग्ड फोटोग्राफ प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। साथ ही, परियोजना से संबंधित उचित सूचना/प्रदर्शन हिंदी में सुनिश्चित किया जाएगा।

सरहुल केवल पर्व नहीं, प्रकृति से जुड़ाव का संदेश : ममता देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला : गोला प्रखंड के हारूबेड़ा गांव में आयोजित सरहुल पूजा समारोह में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी ने भाग लिया। उनके पहुंचने पर पूजा समिति और स्थानीय ग्रामीणों ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। पारंपरिक रीति-रिवाज और सांस्कृतिक माहौल के बीच कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ममता देवी ने कहा कि सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी प्रकृति, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व जल, जंगल और जमीन के महत्व को समझाता है और हमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की यह परंपरा हमें प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की सीख देती है। विधायक ने क्षेत्रवासियों को सरहुल पूजा की शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी संस्कृति और परंपराओं को संजोकर रखें और आने वाली पीढ़ियों तक इसे पहुंचाएं। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम में खास उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मुखिया जितलाल टुडू, परमेश्वर महथा, गौरी शंकर महतो, मानिक पटेल, चमन बेसरा, गंगाराम हांसदा, महेश्वर मांझी, रामप्रसाद मुर्मू, राजू हांसदा, भीम हांसदा, मेहीलाल हांसदा, विशेश्वर हांसदा, लखीचरण हांसदा, रामप्रसाद हांसदा, आदित्य हांसदा, चेतलाल हांसदा, कैलाश मुर्मू सहित सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थित रहे। सरहुल पर्व को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्सव और उमंग का माहौल बना हुआ है, जो आदिवासी संस्कृति और परंपरा की जीवंत झलक प्रस्तुत करता है।

पतरातू में सरहुल की धूमः पूजा, शोभायात्रा और पारंपरिक नृत्य से गूंजा इलाका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पतरातू : पतरातू क्षेत्र में प्रकृति महोत्सव सरहुल पूरे उत्साह, परंपरा और सांस्कृतिक उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर मध्य सरना स्थल पर पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद सामूहिक सरहुल उत्सव की शुरूआत हुई। पहान द्वारा विधिवत पूजा संपन्न कराए जाने के बाद श्रद्धालुओं ने प्रकृति के प्रति आस्था प्रकट की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख रोशन लाल चौधरी भी शामिल हुए। उन्होंने सभी लोगों को सरहुल पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है और हमें जल, जंगल और जमीन के संरक्षण का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि सरहुल केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा है। पूजा-अर्चना के बाद जयनगर स्थित सरना स्थल से शोभायात्रा निकाली गई, जो शहीद भगत सिंह चौक, मुख्य मार्ग होते हुए रेलवे गेट स्थित सरना स्थल तक पहुंची। विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर प्रकृति देवताओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। शोभायात्रा के दौरान मांदर और नगाड़ों की गूंज से पूरा क्षेत्र झूम उठा।

चंदवारा बेंदी की माटी में गूंजी मांदर की थाप प्रकृति के महापर्व सरहुल पर उमड़ा जनसैलाब

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : प्रखंड के अंतर्गत बेंदी पंचायत में आदिवासियों का सबसे बड़ा सांस्कृतिक और धार्मिक महापर्व सरहुल शनिवार को अभूतपूर्व उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। जहाँ एक ओर आधुनिकता के दौर में लोग अपनी जड़ों को भूल रहे हैं, वहीं बेंदी की जनता ने मांदर की थाप और सखुआ के फूलों की खुशबू के बीच अपनी अटूट आस्था का परिचय दिया। मंगा पहान ने की भविष्य की भविष्यवाणी प्रकृति के साथ सामंजस्य की अपील महोत्सव का केंद्र बिंदु पारंपरिक पूजा स्थल रहा जहाँ मंगा पहान ने अत्यंत कठोर विधि-विधान के साथ सखुआ (शाल) के कुंज के नीचे पूजा-अर्चना की। सदियों पुरानी परंपरा को जीवित रखते हुए, पहान ने जल पात्र के माध्यम से आने वाले मानसून और आगामी फसलों का पूवार्नुमान लगाया। उन्होंने समाज को संदेश दिया कि यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तभी प्रकृति हमारी रक्षा करेगी। मजबूत नेतृत्व में सजा महोत्सव का मंच कार्यक्रम का सफल संचालन और प्रबंधन एक सशक्त आयोजन समिति द्वारा किया गया। अध्यक्ष गुलशन मुंडा और सचिव सुनील अगेरिया के नेतृत्व में पूरी टीम ने महीनों की तैयारी के बाद इस भव्य आयोजन को धरातल पर उतारा। समिति के सक्रिय सदस्य आयोजन को धार देने में सोमर अगेरिया जोटो मुंडा रमेश मुंडा रूपू मुंडा रायसिंह मुंडा और रुगू मुंडा जैसे जुझारू कार्यकताओं की अहम भूमिका रही। इन युवाओं ने न केवल व्यवस्था संभाली बल्कि अपनी संस्कृति के प्रति समर्पण की एक नई मिसाल पेश की।

रामगढ़ में ईद-उल-फितर की रौनक, नमाज के बाद गले मिलकर बांटी खुशियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गोला प्रखंड के गांवों में शांति और भाईचारे के साथ मनाई गई ईद

गोला : प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-फितर का पर्व इस वर्ष पूरी श्रद्धा, उत्साह और सौहार्द के माहौल में मनाया गया। मुस्लिम बहुल इलाकों—सोसो कलां, मगनपुर, बेटूल कलां, चाड़ी, बरियातू, मुरपा, साड़म, तिरला और कुसुमडीह सहित विभिन्न गांवों में मस्जिदों और ईदगाहों में बड़ी संख्या में लोगों ने एकत्र होकर ईद की नमाज अदा की। नमाज के दौरान अकीदतमंदों ने देश की तरक्की, समाज में अमन-चैन और आपसी भाईचारे की मजबूती के लिए दुआ मांगी।

रामगढ़ : एक महीने के पवित्र रमजान के रोजों और इबादत के बाद जिलेभर में ईद-उल-फितर का पर्व पूरे उत्साह, आस्था और भाईचारे के साथ मनाया गया। सुबह होते ही शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक स्थित ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर ओर सफेद लिबास में सजे नमाजी, सिर पर टोपी पहने बच्चे, युवा और बुजुर्ग एक साथ खुदा की इबादत में झुके नजर आए, जिससे पूरा माहौल आध्यात्मिकता से भर उठा। नमाज के दौरान अकीदतमंदों ने देश की उन्नति, समाज में शांति और आपसी सौहार्द के लिए विशेष दुआएं मांगीं। इस दौरान एकता और भाईचारे का अनूठा संदेश देखने को मिला। नमाज समाप्त होने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ह्लईद मुबारकह्व कहा और आपसी रिश्तों को और मजबूत किया। ईद के अवसर पर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। ईदगाहों के बाहर लगे अस्थायी मेलों में बच्चों ने गुब्बारे, खिलौने और आइसक्रीम का आनंद लिया, जिससे पूरे माहौल में खुशियों की रौनक और बढ़ गई। बाजारों में भी त्योहार को लेकर पहले से ही चहल-पहल बनी हुई थी, जिसका असर ईद के दिन भी साफ नजर आया। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी और लगातार गश्ती की जा रही थी। प्रशासन की निगरानी में पूरे जिले में ईद का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रामगढ़ में एकता, सद्भाव और सामाजिक समरसता की मिसाल देखने को मिली, जिसने समाज में प्रेम और भाईचारे के संदेश को और मजबूत किया।

कोडरमा में रामनवमी तैयारी तेज, महासमिति की संयुक्त बैठक आज

कोडरमा : रामनवमी महासमिति एवं चैती काली मंदिर कोडरमा में झंडा मिलान के लिए आने वाले सभी अखाड़ा समितियों की संयुक्त बैठक 22 मार्च, दिन रविवार को ध्वजाधारी आश्रम (पहाड़) के प्रांगण में 3 बजे शाम से रखी गई है जिसमें महासमिति के तमाम सदस्यों के साथ साथ अखाड़ा समितियों के नेतृत्व कारी अध्यक्ष सचिव अवश्य भाग ले, बैठक में मार्गदर्शन करने हेतु मुख्य रूप से महासमिति के संरक्षक मनोज कुमार झुन्नू एवं विश्व हिंदू परिषद हजारीबाग विभाग प्रमुख प्रवीण चंद्रा मुख्य रूप से भाग लेंगे यह बैठक अखाड़ा समिति प्रमुख शशि सिंह एवं अखाड़ा सह प्रमुख अजीत सिंह उर्फ रासो भैया के नेतृत्व में आयोजित होगी उक्त जानकारी महासमिति के महासचिव धरतीपुत्र महेश भारती ने दिया।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में गणित दिवस पर ज्ञान और प्रतिभा का संगम

रामानुजन को नमन, एलुमनी मीट व एआई बहस में छात्रों ने दिखाया हुनर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के गणित विभाग में 17 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महान भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई, जिससे पूरे वातावरण में शैक्षणिक और प्रेरणादायक माहौल बना रहा। कार्यक्रम में कुलाधिपति बी एन साह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गणित मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बिना गणित के आधुनिक जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सचिव प्रियंका कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि गणित केवल संख्याओं का विषय नहीं है, बल्कि यह तार्किक सोच, विश्लेषण क्षमता और जीवन में संतुलन बनाए रखने की कला भी सिखाता है। कुलपति प्रो. रश्मि ने कहा कि भारतीय गणितज्ञों जैसे आर्यभट्ट, भास्कराचार्य और शकुंतला देवी के योगदान के बिना विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति संभव नहीं थी। कुलसचिव निर्मल कुमार मंडल ने रामानुजन के कार्यों को प्रेरणादायक बताते हुए छात्रों को उनके आदर्शों पर चलने की सलाह दी। परीक्षा नियंत्रक अशोक कुमार ने भी विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। विभागाध्यक्ष विजय कुमार पांडेय ने अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस 14 मार्च को पाई (3.14) के मान के आधार पर मनाया जाता है और इसका औपचारिक रूप से आरंभ वर्ष 2019 में हुआ। कार्यक्रम के तहत एलुमनी मीट और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। एलुमनी मीट में पूर्व विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा कर वर्तमान छात्रों को प्रेरित किया। इसके बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आने वाली पीढ़ी के लिए खतरनाक है विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई, जिसमें छात्रों ने प्रभावशाली ढंग से अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कृष्णा महतो ने प्रथम, मीना कुमारी ने द्वितीय और सोनू कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं इंटरजेक्टर श्रेणी में सिंधु कुमारी प्रथम, सौरव खन्ना द्वितीय और तिलेश्वर महतो तृतीय स्थान पर रहे। सभी प्रतिभागियों ने अपने तर्कों और प्रस्तुति से दर्शकों को प्रभावित किया।

संक्षिप्त खबरें

रामनवमी पर सेवा और सुरक्षा का संकल्प झंडा चौक में महाकाल मंडली की तैयारी

रामगढ़ : शहर में आगामी रामनवमी पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में झंडा चौक स्थित श्री महाकाल मंडली की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें आयोजन को भव्य और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंडली के सदस्यों ने सर्वसम्मति से कई अहम निर्णय लिए। बैठक में तय किया गया कि 24 तारीख को निकलने वाले मंगला जुलूस का भव्य स्वागत पुष्पवर्षा के साथ किया जाएगा। इस दौरान राम भक्तों और आम नागरिकों के लिए शर्बत और ठंडे पानी की विशेष व्यवस्था की जाएगी, ताकि गर्मी के बीच श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। मंडली द्वारा रामनवमी के दिन सेवा कार्यों को भी प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया है। नवमी के अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच गुड़, चना और ठंडा पानी वितरित किया जाएगा। इसके साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एम्बुलेंस, फर्स्ट एड शिविर तथा डॉक्टर और नर्स की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। यह सभी सुविधाएं मंडली के शिविर में उपलब्ध रहेंगी, जिससे श्रद्धालुओं को तत्काल सहायता मिल सके। इस मौके पर राजेश यादव, विक्रम सिंह, मनीष बाबू, मनोज शर्मा, गुड्डू केशरी, अजय गुप्ता, बृजेश मारवाह, गोपाल राम, सुनील मालाकार, रवि भारती, राजू प्रजापती, अविनाश गुप्ता, रंजन भूषण, आकाश यादव, चंदन यादव, मुरारी कुमार, गौतम श्रीवास्तव, चिंत राणा, राहुल शर्मा, राहुल मालाकार, पवन कुमार समेत बड़ी संख्या में सेवादार उपस्थित रहे।

भुरकुंडा में गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व पर भव्य समागम

भुरकुंडा : सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह के प्रकाश पर्व के अवसर पर भुरकुंडा स्थित थाना मैदान में भव्य धार्मिक समागम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम श्री गुरु सिंह सभा भुरकुंडा गुरुद्वारा के तत्वावधान में संपन्न हुआ, जिसमें झारखंड और बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों सिख परिवारों ने भाग लिया। समागम की शुरूआत श्रद्धा और भक्ति के साथ अखंड पाठ एवं भजन-कीर्तन से हुई। गुरुवाणी के मधुर स्वर से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। इसके बाद समागम समिति द्वारा अतिथियों का पारंपरिक तरीके से साफा भेंट कर स्वागत किया गया। स्वागत के दौरान अतिथियों ने गुरु गोबिंद सिंह के जीवन, उनके त्याग, वीरता और मानवता के संदेश पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान धर्म प्रचारक दल ने भी संगत को संबोधित करते हुए गुरु के आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। धर्म प्रचारक टीम में सुखदेव सिंह खालसा, योगेंद्र पाल सिंह, गुरदीप सिंह, हरदीप सिंह, रविंद्र पाल सिंह, प्रीतपाल सिंह और रंजीत सिंह शामिल रहे। समागम के उपरांत सामूहिक अटूट लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। लंगर में सेवा भाव और समानता की भावना साफ झलकती रही, जहां सभी लोग एक साथ बैठकर भोजन करते नजर आए।

कोडरमा के तीन लड़कों का चयन अंडर 16 जोनल क्रिकेट टीम में

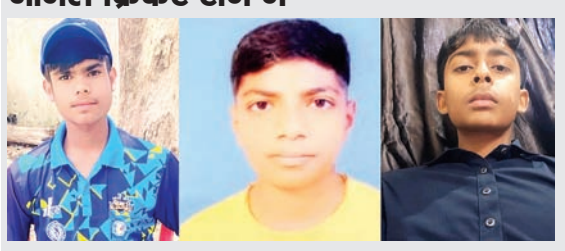

कोडरमा : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में पूरे झारखंड से बेहतर प्रदर्शन करने वाले अंडर 16 के खिलाड़ियों को जोनल टीम में जगह दिया गया है। कोडरमा से तीन खिलाड़ी प्रेम कुमार राणा (सेक्रेड हार्ट स्कूल) फरहान अली (झारखंड पब्लिक स्कूल) और हमजा समीर (मॉडर्न पब्लिक स्कूल) के छात्र ने अपने बेहतर खेल से जोनल टीम में जगह बनाने में कामयाब हुए हैं। ज्ञात हो कि कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में अंडर 14 और अडंर 16 के खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलता है। टूर्नामेंट में बेहतर खेल दिखाने वाले खिलाड़ियों को कैंप में शामिल कराया जाता है और फिर कैंप में भी बेहतर खेलने वाले खिलाड़ियों से जिला का टीम बनता है। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और सचिव दिनेश सिंह ने कहा कि जेएससीए के द्वारा जोनल मैच कराए जाने का बहुत ही अच्छा निर्णय लिया गया है। जिसमें सभी जिला में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आपस में खेलेंगे और फिर वहां बेहतर खेलने वालों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। जोनल मैच 5 अप्रैल से 17 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। खिलाड़ियों को 4 अप्रैल को जेएससीए स्टेडियम में रिपोर्ट करना है। जिला से तीन खिलाड़ियों के जोनल टीम में चयन पर जिला में हर्ष का माहौल है। हर्ष व्यक्त करने वालों में अमरजीत सिंह छाबड़ा, दिनेश सिंह, विवेकानंद चौधरी, मनोज सहाय पिंकू, अनिल सिंह, कृष्णा बरहपूरिया, डॉक्टर उपेंद्र भदानी, उमेश सिंह, आलोक पांडे ,विनोद विश्वकर्मा, पंकज सिंह, सोनू खान,सुरेंद्र प्रसाद, धर्मेंद्र कौशिक, ओम प्रकाश, तहसीन हुसैन, मुकेश प्रभाकर, जय पांडेय, राकेश पांडेय, महेश भारती, विशाल प्रसाद,सुमन कुमार सहित सैकड़ो खेल प्रेमी शामिल हैं।

भाजपा नेता महाबीर राम की मनी 17वीं पुण्यतिथि, लोगों ने दिया श्रद्धांजलि

जयनगर : प्रखंड हीरोडीह पंचायत के रेभनाडीह निवासी पत्रकार मनोज कुमार सोनी के पिता और भाजपा नेता रहे स्वर्गीय महाबीर राम पासवान का 17 वीं पुण्यतिथि उनके आवास पर शनिवार को मनाया गया। कार्यक्रम कि शुरूआत पासवान जन कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष बालालखेन्दर पासवान ऐक्टू जिला संयोजक विजय पासवान भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम मुखिया संगीता कुमारी पंसस सुरेंद्र राणा समिति के केन्द्रीय सचिव हरी पासवान प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार पासवान भाजपा नेता मनोहर मोदी ने संयुक्त रूप स्वर्गीय महाबीर राम पासवान के तस्वीर पर माल्यार्पण कर और पुष्पांजलि अर्पित कर किया। मौके पर पासवान जन कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष बालालखेन्दर पासवान ने कहा कि स्वर्गीय महाबीर राम पासवान ने अपने समाज को आगे बढ़ाने और जागरूक करने में अहम भूमिका था।एक सुलक्षे राजनीतिक और सामाजिक व्यक्ति थे। ऐक्टू जिला संयोजक विजय पासवान ने कहा कि स्वर्गीय महाबीर राम सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति थे।आज उनकी जितनी जितनी प्रशंसा की जाए वह काम है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष पूर्व प्रमुख जयप्रकाश राम ने कहा कि स्वर्गीय महाबीर राम सामाजिक एक राजनीतिक व्यक्ति थे आज भाजपा विश्व कि सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन स्वर्गीय राम ने 1980 से भाजपा संगठन बनाने में उन्होंने अपनी ईमानदारी और मेहनत से पार्टी को खड़ा किया। उनकी बताये रास्ते पर भाजपा संगठन कार्य कर रही है।

एक नजर

हाइवा में अज्ञात अपराधियों ने लगाई आग

बोकारो : बोकारो जिला के चंद्रपुरा थर्मल के छाई पौंड से छाई को लोड कर कसमार ले जा रही पी एम पी कंपनी की हाइवा गाड़ी को बीती रात कुछ अपराधिक लोगों ने बलिडीह थाना क्षेत्र के मानगो मे भंडारीदाह के दामोदर पुल के आगे आग लगा दी जिसमे गाड़ी बुरी तरह जल गयी, घटना की सूचना मिलने के बाद कंपनी के अधिक्रित प्रतिनिधि अनिल कुमार, बोकारो पुलिस कप्तान हरबिंद्र सिंह मौके पर पहुँचकर मामले की जानकारी ली, कंपनी के तरफ से मामले को लेकर हाइवा एसोशिएश न के पांच लोगो पर गुलेश्व महतो, मुन्ना विश्वकर्मा, अंशु राय, आजाद बावरी और सहदेव महतो पर लिखित शिकायत थाना मे की है। चंद्रपुरा थाना मामला दर्ज भी हो गया है। कॉम्पनी के इंचार्ज का कहना है की इस तरह की घटना की अंजाम देकर हमें काम से बाधित करना चाहता हैं। इन लोग नर पूर्व मे भी गाड़ी की हवा निकली थी और रगदारी प की माँग करते आये ये और धमकी देते रहते थे।

बरसलोया में रामनवमी को लेकर बैठक संपन्न

कोलेबिरा : प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बरसलोया स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में रामनवमी महोत्सव को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जो सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। बैठक में गांव के गणमान्य व्यक्तियों, समिति सदस्यों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। सर्वप्रथम पिछले वर्ष के आय व्यय का विस्तृत लेखा जोखा प्रस्तुत किया गया, जिसमें पारदर्शिता बनाए रखने के लिए कुछ बिंदुओं को पुनः स्पष्ट करते हुए उसे लिखित रूप में व्यवस्थित करने का निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस वर्ष रामनवमी महोत्सव को पहले से अधिक भव्य, सुव्यवस्थित एवं अनुशासित ढंग से आयोजित किया जाएगा। विशेष रूप से इस बार 16 पहरी आयोजन करने का निर्णय लिया गया, जो लगातार दो दिन और दो रात तक श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में सम्पन्न होगा। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए अलग अलग समितियों का गठन करने तथा सभी जिम्मेदारियों का स्पष्ट रूप से बंटवारा करने पर भी सहमति बनी। तय कार्यक्रम के अनुसार 31 मार्च को भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भाग लेंगे और इसके साथ ही धार्मिक अनुष्ठानों की विधिवत शुरूआत होगी।

पुलिस लाइन में मनाया गया सरहुल

धनबाद : पुलिस लाइन स्थित पुलिस केंद्र में शनिवार को आदिवासी समाज के प्रमुख पर्व सरहुल को पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। इस अवसर पर एसपी ट्रैफिक, डीएसपी साइबर समेत कई वरीय पुलिस पदाधिकारी और जवान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें धनबाद के एसएसपी प्रभात कुमार ने भाग लेकर जिले में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। पूजा के बाद पूरे परिसर का माहौल उत्सवमय हो गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक गीतों की मधुर धुन पर पुलिस अधिकारी और जवान झूमते नजर आए। सरहुल पर्व के इस आयोजन में आदिवासी संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जिससे वातावरण और भी जीवंत हो उठा। इस दौरान अधिकारियों ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन पुलिस बल के बीच आपसी भाईचारा, सौहार्द और एकता को मजबूत करते हैं। साथ ही यह पर्व प्रकृति के प्रति आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश भी देता है। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक-दूसरे को सरहुल की शुभकामनाएं दीं।

सलडेगा में सरहुल परब की धूम, पारंपरिक पूजा-अर्चना के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : केंद्रीय सरना समिति सलडेगा द्वारा प्रकृति परब सरहुल के अवसर पर सरना स्थल सलडेगा में धूम धाम से अध्यक्ष हरिश्चन्द्र भगत की अगुवाई में पाहनों के द्वारा पूजा, प्रार्थना सम्पन्न की गई। जिसमें मुख्य रूप से विजय उरांव, माघी उरांव, प्रदीप उरांव, सुबोध उरांव, खुनवा उरांव, संजय उरांव, जगमोहन, आनन्द मांझी, बिनोद, रबिन्द्र भगत, ललिता उरांव, रूप अगुस्तिना किंडो, सरस्वती, नीलिमा कुजूर, अनुपमा, रूपवंती उरांव, सोनी देवी, अंजलीना बरला, मारिया केरकेट्टा, मनकी उरांव, सुनीता कच्छप, सुस्मिता बरला, सुमित्रा टोप्पो, बसंती उरांव, सरो कुमारी, बाबूलाल पहान, बिरसा मुंडा, शंकर भगत, संजीत तिर्की, संजय उरांव सहित सैकड़ों सरना धर्मावलंबी भाई बहन प्रार्थना व पूजा में भाग लिए। पूजा में प्रशासन से अनुमण्डल पदाधिकारी प्रभात रंजन ज्ञानी, जिला जनसंम्पर्क पदाधिकारी पलटू महतो, मीडिया से आशीष शास्त्री व विकास कुमार साहू उपस्थित थे। सरहुल परब आदिवासी समाज का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र त्योहार है, जिसे सरना धर्म के अनुयायी मनाते हैं। यह पर्व प्रकृति, पर्यावरण और धरती माता के प्रति आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक है। सरहुल का आयोजन वसंत ऋतु में, जब पेड़-पौधों में नए फूल और पत्ते आते हैं, नई सृजन का उमंग आता है, तब किया जाता है। यह समय नई शुरूआत, समृद्धि और जीवन के नवोदय का प्रतीक माना जाता है। इस पर्व का मुख्य केंद्र साल वृक्ष उसके फूल, पत्ते होते है, जिसका आदिवासी समुदाय में विशेष महत्व प्राप्त है। सरहुल के दिन साल के पेड़ को वस्त्र,से फूलों की पूजा की जाती है और इन्हें पवित्र घरों में स्थापित किया जाता है। गाँव के पाहन (पुजारी) द्वारा सरना स्थल में सामूहिक रूप में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। पाहन धरती माता और प्रकृति देवताओं से वर्षा, अच्छी फसल, स्वास्थ्य और सुख-शांति की प्रार्थना की जाती है। सरहुल केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। इस अवसर पर लोग पारंपरिक वेशभूषा धारण करते हैं और सामूहिक रूप से नृत्य-गीत प्रस्तुत करते हैं। मांदर, नगाड़ा और ढोल जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों की धुन पर युवक-युवतियाँ नाचते-गाते हैं, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और उल्लास फैल जाता है। यह पर्व लोगों को आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना से जोड़ता है। सरहुल परब का एक महत्वपूर्ण पक्ष पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी है। इस दिन पेड़ों, जंगलों और जल स्रोतों की पूजा करके यह बताया जाता है कि प्रकृति ही जीवन का आधार है और इसकी रक्षा करना सभी का कर्तव्य है। आदिवासी समाज सदियों से प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने की परंपरा को निभाता आया है, और सरहुल उसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है।

जलडेगा प्रखंड में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर का पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जलडेगा : प्रखंड के कोनमेरला तथा ओड़गा में पवित्र रमजान माह के समापन के बाद ईद-उल-फितर का त्योहार पूरे उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कोनमेरला स्थित मस्जिद में हाफिज कामरान द्वारा ईद की नमाज अदा कराई गई। सुबह से ही मस्जिद में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के दौरान लोगों ने अल्लाह की इबादत की और देश में अमन, शांति एवं तरक्की की दुआ मांगी। इस अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सहित पुलिस बल तैनात रहे। वहीं, ओड़गा मस्जिद में मौलाना इलियास मियां ने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। लोग नए कपड़े पहनकर अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के घर पहुंचे तथा ईद की मिठाइयों का आनंद लिया। इस मौके पर घर-घर में सेवइयां और विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट पकवान बनाए गए। लोगों ने एक-दूसरे के साथ मिठाइयां बांटकर अपनी खुशियां साझा कीं। ओड़गा पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे यह त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर ओड़गा ओपी प्रभारी सजल धान, एएसआई प्रमोद कुमार, सदर साबिर मियां, शमसुद्दीन खान, अरशद अंसारी, इस्लाम मियां, शाहजहां खान, रहीम खान, आशिक खान सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

कोलेबिरा में ईद की खुशियों के बीच विधायक ने दिया भाईचारे का संदेश

सिमडेगा : जिले के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत शाहपुर पंचायत के लसिया गांव में ईद के मौके पर आपसी भाईचारे और सौहार्द का खूबसूरत माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर कोलेबिरा विधायक नमन बिक्सल कोनगाड़ी ने स्वयं लसिया पहुंचकर स्थानीय लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। मौके पर विधायक कोनगाड़ी ने कहा कि ईद का पर्व प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देता है।

रहमत, बरकत और भाईचारे का पैगाम लेकर आई ईद : अमृत चिराग तिर्की

सिमडेगा : भारत आदिवासी पार्टी के सिमडेगा जिला अध्यक्ष अमृत चिराग तिर्की ने समस्त जिलेवासियों को पवित्र ईद-उल-फितर के मुबारक मौके पर दिली मुबारकबाद और दुआएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि रमजान के मुकद्दस महीने के बाद आने वाला यह पावन त्योहार अल्लाह की रहमत, बरकत और मगफिरत का प्रतीक है। ईद हमें सब्र, त्याग और इंसानियत की राह पर चलने की तालीम देता है। तिर्की ने कहा कि यह मुकद्दस दिन हमें आपसी मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत को मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी से अपील की कि ईद के इस पाक मौके पर जरूरतमंदों की मदद करें, जकात और फितरा अदा करें तथा समाज में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ करें।

बोकारो में ईद पर प्रशासन और समाज का अनूठा संगम, डीसी-एसपी ने गले मिलकर दी बधाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ईद के पावन अवसर पर बोकारो स्टील सिटी के सिवनडीह स्थित दारुल उलूम अहले सुन्नत हनफिया गरीब नवाज दरबार में प्रेम, एकता और आपसी भाईचारे का भावनात्मक माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा सहित अन्य अधिकारी दरबार पहुंचे। गले मिलकर दी ईद की बधाई डीसी - एसपी ने समाज के लोगों से गले मिलकर ईद की दिली बधाई दी। इस आत्मीय मिलन ने प्रशासन और जनता के बीच विश्वास और अपनत्व की भावना को और मजबूत किया। मौके पर अधिकारियों ने कहा कि ईद का त्योहार हमें प्रेम, त्याग, करुणा और आपसी सम्मान का संदेश देता है। उन्होंने सभी से मिल-जुलकर समाज में शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। पूरा परिसर खुशियों, दुआओं और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। हर चेहरा मुस्कान से खिला नजर आया और एक-दूसरे के लिए बेहतर भविष्य की कामनाएं की गईं। यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि जब प्रशासन और समाज एक साथ मिलकर त्योहार मनाते हैं, तो सामाजिक समरसता और भी प्रगाढ़ होती है।

बोकारो में पिता के सामने कूलिंग पोंड में डूबा सात वर्षीय मासूम, तलाश जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली से आये थे ईद मानने बोकारो रिस्तेदार के घर कल शाम मे पिता के साथ घूमने आया सात वर्षीय बेटा कूलिंग पौंड में डूबा। कल देर शाम हुई घटना। कई घंटों तक पौंड में डूबे उमर की तलाश की गई, पर नहीं मिला। आज रांची से पहुंचेगी NDRF की टिम। आज फिर करेगी तलाश। घटना के बारे में बताते चले कि बोकारो के हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर 9 में कल शुक्रवार शाम सात वर्षीय उमर बीएसएल कूलिंग पौंड में डूब गया। सूचना मिलते ही मौके पर हरला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों को बुलाया गया लेकिन काफी खोजबीन के बाद भी नहीं मिला। रात होने की वजह से बच्चे को गहरे तालाब में खोजा नहीं जा सका। वे अपने पिता मुजाहिद अली के साथ सेक्टर 9 बीएसएल कूलिंग पौंड घूमने आया था। घूमने देखने के क्रम में पैर फिसलने से पौंड के गहरे पानी में समाता चला गया। पिता के सामने उनका बेटा गहरे पानी में समाता चला गया। पिता की चीख पुकार सुनकर लोग इक्ट्ठा हुए और पुलिस को जानकारी दी गई। कल नहीं मिला और आज दूसरे दिन भी तलाश की जाएगी।

जिले के युवाओं में जुनून और खिलाड़ियों में देश के लिए कुछ कर गुजरने का भरा है जज्बा : भूषण बाड़ा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिले के रेंगारीह स्थित संत पीयूष इंटर कॉलेज मैदान में शनिवार को जिला स्तरीय इंटर कॉलेज हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के सात प्रमुख इंटर कॉलेजों की बालक एवं बालिका टीमों ने हिस्सा लेकर खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा एवं विशिष्ट अतिथि महिला जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन कर किया। इस अवसर पर विधायक भूषण बाड़ा ने खिलाड़ियों ने कहा कि सिमडेगा की पहचान हॉकी की धरती के रूप में पूरे देश और दुनिया में स्थापित हो चुकी है। यहां की मिट्टी में प्रतिभा है, यहां के युवाओं में जुनून है और यहां के खिलाड़ियों में देश के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा है। जरूरत है इन खिलाड़ियों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और निरंतर मेहनत की। उन्होंने कहा कि खेल हमें सिर्फ जीतना और हार से सीखना, संघर्ष करना और टीम के साथ आगे बढ़ना भी सिखाता है। यही गुण जीवन में भी सफलता दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों ने मैदान में उतरकर यह साबित कर रही हैं कि वे किसी से कम नहीं हैं। आज की बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और खेल के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं। राज्य सरकार एवं हम खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। सिमडेगा में खेल सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा, ताकि यहां के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा सकें। खिलाड़ी खेल भावना के साथ खेलें। अनुशासन बनाए रखें और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें। सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी।

प्रतिभाओं की कमी नहीं, उन्हें सही मंच और अवसर मिले: जोसिमा खाखा

महिला जिला अध्यक्ष सह जिप सदस्य जोसिमा खाखा ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मानसिक रूप से भी हमें मजबूत बनाता है। आज जिस तरह से बेटियां इस प्रतियोगिता में भाग ले रही हैं, वह समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें सही मंच और अवसर देने की। इस तरह के टूर्नामेंट से खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और वे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होते हैं। सभी खिलाड़ी पूरी निष्ठा और खेल भावना के साथ खेलें और अपने विद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करें।

संक्षिप्त खबरें

लचरागढ़ में बारिश से दुकानों में घुसा पानी सामान बर्बाद

सिमडेगा : जिला के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत लचरागढ़ में रात्रि से हो रही बारिश होने से लचरागढ़ मेन रोड एन एच 350जी मेन लचरागढ़ चौराहा सहित चर्च रोड के दुकानों में बारीश का पानी घुसने से दुकानदार हुए परेशान कई दुकानों के सामान हुए बर्बाद। दुकानदारों ने सड़क निर्माण कार्य में नली नहीं बनाने का लगाया आरोप सड़क निर्माण कार्य किया जा रहा है कोलेबिरा से मनोहरपुर तक रोड़एन एच 350जी चौड़ीकरण का कार्य किया जा रहा है। साथ ही लचरागढ 350जी चौराहा चौक चर्च रोड़ से करी माटी, खरवागढ़ा, बड़ीबिरंगा, ओड़गा एमडीआर042 पर पथ सड़क रोड़ निर्माण किया जा रहा है। लचरागढ़ चौक चर्च रोड़ से इंद टॉड तक पीसीसी सड़क निर्माण किया गया है। पीसीसी निर्माण के पश्चात सड़क किनारे नानी नहीं होने से पानी का जमाव हो रही है। जिसे बरसात की पानी घर और दुकानों में घुस रही है जिसे ग्रामीणों और दुकानदरों को बहुत परेशानियां हो रही हैं कई दुकानों के समान बारिश के पानी दूकान में घुसने से बर्बाद हो गए। लचरागढ़ चौराहा चर्च रोड के दुकानदारों ने बताया रोड़ बनने से बाद नली के निर्माण नहीं होने से मेन रोड के कई दुकानों में बारीश की पानी घुस गई कई दुकानों के सामान बर्बाद हो गए हैं उन्होंने विभाग से जल्द नली का निर्माण करने की मांग की है ताकि बरसात की पानी दुकानों घरों में ना घुसे नली के द्वारा बरसात की पानी निकले मौके पर, मनोज सेठिया, राजेंद्र सोनी, रवि कुमार सिंह, सहित चर्च रोड के कई दुकानदारों थे।

सिमडेगा में अवैध शराब पर सख्ती, 400 किलो जावा महुआ नष्ट, 25 लीटर शराब जब्त

सिमड़ेगा : आदेशानुसार सरहुल, ईद, चैती दुर्गा तथा रामनवमी त्योहार को शांति एवं सौहार्द पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो इसे लेकर अवैध शराब निर्माण एवं विक्री की सघन छापेमारी चलाई जा रही है। इसी क्रम में लसिया और बानाबीरा में अवैध शराब निर्माण के खिलाफ पुलिस और उत्पाद विभाग ने संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने सूचना के आधार पर कई स्थानों पर दबिश दी। छापेमारी में अवैध रूप से शराब बनाने में प्रयुक्त लगभग 400 किलो जावा महुआ बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। इसके अलावा करीब 25 लीटर तैयार अवैध शराब भी जब्त की गई। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई अवैध शराब के बढ़ते कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से की गई है। छापेमारी पश्चात संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे इस तरह की गतिविधियों की सूचना प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

पेसा कानून 1996 के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ संपन्न

सिमडेगा : जिला स्तरीय ग्रामसभा मंच और प्रखंड स्तरीय ग्रामसभा मंच के तत्वाधान में सामटोली विकास केंद्र में पेसा कानून 1996 के तहत विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला अनूप लकड़ा के अध्यक्षता में किया गया। जिसमें जिले के सादर प्रखण्ड सिमडेगा, कोलेबिरा, बानो, जलडेगा, ठेठईटांगर, बोलबा, केरसई, कुरडेग, पाकरटांड़ आदि प्रखंड अंतर्गत विभिन्न ग्रामसभा के अधिकारियों ने भाग लिये। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में विशेष रूप से झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के केंद्रीय प्रभारी जेवियर कुजूर और प्रकाश कुमार भारती आमंत्रित थे। जेवियर कुजूर ने पेसा कानून 1996 के तहत ग्रामसभा की प्रमुख शक्तियों और अधिकारों से अवगत कराते हुए बताए कि- 1. प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण, 2. भूमि अधिग्रहण पर सहमति, 3. अवैध भूमि हस्तांतरण रोकना, 4. सामाजिक आर्थिक विकास, 5. लाभार्थियों की पहचान, 6. सामाजिक अंकेक्षण, 7. नियमन और नियंत्रण, 8. विवाद समाधान आदि पर ग्रामसभा को विशेष शक्ति और अधिकार प्राप्त है। मौके पर झारखंड जंगल बचाओ आंदोलन के प्रखंड प्रभारी अमृत डांग, सुबरदानी लुगून, प्रिसिला डुंगडुंग, जुनाश तोपनो, सुधीर कंडुलना, सिप्रियन समद, सुनिल मिंज, सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना आदि थे।

गोमिया में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी नगद-जेवर सहित लाखों का सामान गायब

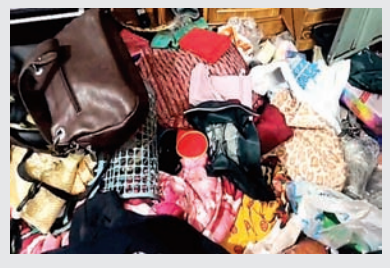

बोकारो : बोकारो जिला के गोमिया विधवा के बंद आवास में चोरी, तीन लाख के जेवर,75 हजार नगद समेत टीवी, बर्तन सहित कई सामान गायब। घटना आई. ई. एल. थाना क्षेत्र के मस्जिद मोहल्ला की है। जहां विधवा सावित्री देवी के बंद घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना हुई है। पीड़िता सावित्री देवी ने बताया कि वह लगभग तीन माह पूर्व 23 दिसंबर को अपनी बेटी से मिलने बोकारो गई थीं। जिसके बाद वहां से कलकत्ता, जयपुर, उदयपुर घूमने चली गई। लगभग तीन माह बाद आज शाम को घर लौटी तो देखा कि मेन गेट पर ताला लगा हुआ है लेकिन जैसे अंदर गई तो दरवाजा का ताला टूटा हुआ था, घर का सारा समान तीतर बितर बिखरा था। तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। चोरों ने घर में रखे 75 हजार रुपये नगद, लगभग तीन लाख रुपये के जेवरात, 20 हजार रुपये के पीतल के बर्तन, 32 इंच का टीवी, कपड़े, जमीन से संबंधित कागजात, दो बैंक पासबुक और एक चेकबुक चोरी कर ली है। वहीं सूचना पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे आई. ई. एल. थाना प्रभारी प्रफुल्ल महतो छानबीन शुरू।

प्रतिभा का सम्मान या संबंधों का विस्तार?

देशभर में आईएएस और आईपीएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित अभ्यर्थियों के सम्मान समारोहों की परंपरा पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। छोटे कस्बों से लेकर महानगरों तक, सामाजिक संस्थाएँ, शैक्षणिक संगठन, राजनीतिक समूह और विभिन्न मंच इन सफल युवाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित करते हैं। भव्य पंडाल, मंच पर सजी कुर्सियाँ, मालाओं और शॉल से सुसज्जित अतिथि, और हर क्षण को कैद करते कैमरे–यह सब मिलकर एक उत्सव जैसा माहौल बनाते हैं। पहली दृष्टि में यह परंपरा अत्यंत सकारात्मक और प्रेरणादायक प्रतीत होती है। आखिरकार, ये वही युवा हैं जिन्होंने वर्षों की कठिन साधना, आत्मसंयम और निरंतर परिश्रम के बल पर देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। ऐसे समारोहों का मूल उद्देश्य समाज में प्रेरणा का संचार करना होना चाहिए–विशेषकर उन युवाओं के बीच, जो अपने सपनों को साकार करने के लिए संघर्षरत हैं। जब कोई छात्र किसी सफल अभ्यर्थी को मंच पर सम्मानित होते देखता है, तो उसके भीतर भी एक उम्मीद जन्म लेती है कि वह भी एक दिन इस मुकाम तक पहुँच सकता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो ये कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा भरने का माध्यम बन सकते हैं। किन्तु, इस उजले पक्ष के समानांतर एक ऐसा पहलू भी उभरकर सामने आ रहा है, जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। धीरे-धीरे इन समारोहों का स्वरूप बदलता हुआ प्रतीत हो रहा है। कई स्थानों पर यह सम्मान समारोह केवल "प्रतिभा का उत्सव" न रहकर "संबंधों का प्रदर्शन" और "सामाजिक-राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन" बनते जा रहे हैं। मंच पर जितनी चर्चा चयनित अभ्यर्थियों की होनी चाहिए, उससे कहीं अधिक चर्चा आयोजकों, मुख्य अतिथियों और उनके प्रभाव क्षेत्र की होने लगती है। यह प्रवृत्ति न केवल इन आयोजनों के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है, बल्कि समाज में एक गलत संदेश भी प्रसारित करती है–कि सफलता केवल परिश्रम और योग्यता का परिणाम नहीं, बल्कि संबंधों और पहुँच का भी खेल है। यह धारणा उन लाखों युवाओं के मनोबल को प्रभावित कर सकती है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या हम केवल उन लोगों का सम्मान कर रहे हैं जो सफलता की अंतिम सीढ़ी तक पहुँच चुके हैं, या उन लोगों की भी परवाह कर रहे हैं जो उस सीढ़ी पर चढ़ने की कोशिश में संघर्ष कर रहे हैं? भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में आज भी लाखों ऐसे विद्यार्थी हैं, जो प्रतिभा से भरपूर हैं, परंतु संसाधनों की कमी के कारण अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाते। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और छोटे कस्बों में रहने वाले छात्र अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करते हैं। उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साधन नहीं होते, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन का अभाव होता है, और आर्थिक सीमाएँ उन्हें अपने सपनों से समझौता करने के लिए मजबूर कर देती हैं। ऐसे छात्र न तो किसी सम्मान समारोह का हिस्सा बन पाते हैं, और न ही उनके संघर्ष की कहानी कहीं सुनाई देती है। वे चुपचाप अपनी परिस्थितियों से जूझते रहते हैं–कभी खेतों में काम करते हुए, कभी छोटे-मोटे रोजगार के साथ पढ़ाई करते हुए, तो कभी बिना किसी कोचिंग या मार्गदर्शन के स्वयं ही रास्ता खोजते हुए। उनके भीतर भी वही जज्बा, वही क्षमता और वही सपने होते हैं, जो किसी चयनित अभ्यर्थी के भीतर होते हैं–फर्क केवल इतना है कि उन्हें अवसर और संसाधन समान रूप से उपलब्ध नहीं हो पाते। इस संदर्भ में यह आवश्यक हो जाता है कि हम "सम्मान" की परिभाषा को पुनः परिभाषित करें। क्या सम्मान केवल सफलता का उत्सव है, या वह संघर्ष की पहचान भी है? यदि सम्मान केवल उपलब्धि तक सीमित रह जाता है, तो वह अधूरा है। वास्तविक सम्मान वह है, जो उस यात्रा को भी स्वीकार करे, जो सफलता तक पहुँचने से पहले तय की जाती है–और उन कदमों को भी सराहे, जो अभी उस यात्रा पर हैं। यदि इन सम्मान समारोहों को वास्तव में सार्थक बनाना है, तो उन्हें केवल औपचारिक आयोजन से आगे बढ़ाकर सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाना होगा।

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे।

आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को "प्रज्ञापर्व" नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। "पण्णा समिक्खए" इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है- चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना। पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा।

साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

हर बूंद की पुकार: जल संरक्षण ही समाधान

योगेश कुमार गोयल

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को "विश्व जल दिवस" मनाया जाता है।

यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित "पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन" (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है।

विश्व जल दिवस 2026 की थीम है "जल और लिंग"। यह थीम लिंग और जल तक पहुंच के बीच के महत्वपूर्ण और प्रायः असमान संबंध को उजागर करती है तथा साथ ही इस बात पर भी जोर देती है कि वैश्विक जल संकट का सबसे अधिक बोझ महिलाओं और लड़कियों पर पड़ता है और उन्हें नेतृत्व एवं निर्णय लेने में शामिल किया जाना चाहिए। जल प्रबंधन एक लैंगिक मुद्दा है, जिसमें महिलाएं और लड़कियां अक्सर पानी इकट्ठा करने के लिए जिम्मेदार होती हैं और स्वच्छता सुविधाओं तक उनकी पहुंच सीमित होती है।

दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। "इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी" का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है।

पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं।

विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें।

दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्त्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं। महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 1987 में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए "राष्ट्रीय जल नीति" घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं। हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सूडोकु नवताल- 7741

★★★✭☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7740 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

बदलता मौसम जीवसृष्टी के लिए बेहद खतरनाक

डॉ. प्रितम भीमराव गेडाम

पूरी दुनिया आज ग्लोबल वार्मिंग से त्रस्त है, क्योंकि इसका बुरा असर पर्यावरण के प्रत्येक घटक पर हो रहा है और मानवीय जीवन बेहद प्रभावित हुआ है, जबकि इस भयावह परिस्थिति का जिम्मेदार मनुष्य स्वयं हैं। मनुष्य ने अपने लालच, स्वार्थ और गैरजिम्मेदाराना हरकत से समस्त जीवसृष्टी को संकट में डाल दिया है, सभी ओर समस्याओं का अंबार लगा हुआ नजर आता हैं। मौसम का चक्र ऋतु अनुसार परिवर्तनशील चलता रहता है, परंतु लगातार मानवीय हस्तक्षेप से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ता ही जा रहा है, जिस कारण मौसम में हमेशा बदलाव नजर आता हैं। कभी गर्मी में बारिश होती है, बारिश में ठंडी, ठंडी में बारिश, तो कभी बारिश में गर्मी होती है, वातावरण में लगातार बढ़ती आर्द्रता से जान घबराती हैं। कहीं बाढ़ तो कहीं अकाल पड़ जाता हैं। ऐसे अचानक मौसम में बदलाव से मानवी शरीर और फसलों, खाद्यपदार्थों पर बेहद बुरा असर होता हैं। शुद्ध वातावरण की देश में वैसे ही कमी होती है, हर ओर प्रदूषण, अशुद्ध हवा-पानी, खाद्यपदार्थों में घातक रसायनों का प्रयोग, मिलावटखोरी, प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, जंगल कटाई, उपजाऊ भूमि का ह्रास, यांत्रिक संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता, हानिकारक गैसों का लगातार उत्सर्जन, खराब उत्पादों की बाजार में व्यापकता और घातक कचरे के बढ़ते पहाड़ ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार हैं। पहले के मुकाबले आज लोगों की शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य समस्या तेजी से बढ़ती नजर आती है, मौसम में हल्का सा बदलाव होते ही लोगों में वायरल फैल जाता है, जल्द बीमारी जकड़ लेती है, नयी-नयी जानलेवा बीमारियों ने जन्म ले लिया है, मनुष्य की रोग प्रतिकारक क्षमता कम समय में ही कमजोर पड़ जाती हैं। इस बदलते मौसम के दुष्प्रभाव के कारण मनुष्यों के साथ-साथ असंख्य वन्य जीव, जलचर, जीवजंतु असमय जान गंवाते हैं।

हर साल 23 मार्च को "विश्व मौसम विज्ञान दिवस" जनजागरूकता के लिए पुरे विश्व में मनाया जाता हैं। इस वर्ष की थीम है ₹आज निरिक्षण, कल की सुरक्षा₹। लगातार बदलते मौसम की सटीक जानकारी प्राप्त करना बेहद महत्वपूर्ण है, ताकि उस आंकलन पर विकास और सुरक्षा हेतु योग्य प्रारूप तैयार किया जा सकें। आपदाओं के खतरे को कम करके भविष्य के लिए द?ढ विकास हम प्राप्त कर सकते हैं। अभी मार्च में शुरू हुई तेज गर्मी सामान्य से 4-8 सेल्सियस ज्यादा तापमान हैं। हमारे देश में असंतुलित मौसम लगातार अपने नवनवीन रिकॉर्ड बना रहा है, जो दशकों के अपने पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा हैं। गर्मी में अत्यधिक गर्मी, ठंड में अत्यधिक ठंडी और बारिश के मौसम में बाढ़ की भयावह स्थिति हर ओर नजर आती हैं। इस कारण देश में अक्सर बीमारियों का साम्राज्य फला-फूला रहता हैं। लगातार बदलते मौसम से लोगों की सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। 2025 की शुरूआत में खराब मौसम की घटनाओं से होने वाली मौतों में पिछले सालों के मुकाबले 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बढ़ते तापमान से ओजोन परत को बहुत नुकसान हो रहा है, जिससे सांस के विकार अधिक गंभीर हो रहे हैं। हीटस्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और दिल की बीमारियां बेतहाशा बढ़ रही हैं। उष्ण लहरों का बढ़ना, कीड़ों से होने वाली बीमारियों का बढ़ना, बाढ़ के कारण पानी से होने वाले इंफेक्शन, डायरिया, हैजा, मलेरिया, डेंगू और अशुद्ध ऑक्सीजन शामिल हैं, इसका सबसे ज्यादा बुरा असर आर्थिक रूप से कमजोर तबके पर बहुत ज्यादा पड़ता है, जो अपने परिवार के लिए दो वक्त की रोटी-रोजी के जुगाड़ में संघर्ष करते रहते हैं। समुद्री तटीय राज्यों में अक्सर बाढ़, साइक्लोन और हीट वेव का खतरा ज्यादा रहता हैं। मौसम की खराबियों और बार-बार फसल खराब होने के कारण संबंधित व्यवसायिकों या किसानों को मानसिक समस्या जैसे चिंता, नैराश्य और आघातोत्तर तणाव विकार हो सकता हैं। हमारे देश में किसानों को बेहद परिश्रम करने के बाद, प्रकृति की मार झेलने बाद भी योग्य फल या मुआवजा नहीं मिलता, इसलिए किसान आत्महत्या की घटनाएं अत्यधिक घटती हैं।

पल-पल बदलता मौसम भारतीय खेती पर गंभीर असर डाल रहा है, जिससे खाद्य सुरक्षा को खतरा है एवं पैदावार कम हो रही हैं। इन बदलावों की वजह से हीट स्ट्रेस हो रहा है, पॉलिनेशन में रुकावट आ रही है, कीड़ों का प्रकोप बढ़ रहा है, और मिट्टी की नमी कम हो रही है, जिससे 2050 तक बारिश पर निर्भर चावल, गेहूं और मक्के की पैदावार में 18झ20 प्रतिशत की कमी आने की पूरी संभावना हैं। अनिश्चित, कम या अधिक बारिश से बुआई का समय बिगड़ जाता है, खासकर खरीफ सीजन में, और ज्यादा बारिश से मिट्टी का गंभीर कटाव होता हैं। फसल कटाई के समय में सूखे, बाढ़ और बेमौसम तूफानों के बढ़ने से फसलों और संसाधनों को बहुत नुकसान होता हैं। फसलों पर कीड़ों का बढ़ता आक्रमण खाद्य उत्पादकता को बुरी तरीके से तबाह करता है, बढ़ती गर्मी से दूधजन्य पशुओं के सेहत पर भी गंभीर परिणाम होते हैं। अनियमित बारिश किसानों के लिए एक अभिशाप है, देश में वैसे ही सिंचाई की स्थिति समाधनकारक नहीं है, मिट्टी की उर्वरकता लगातार गिर रही हैं।

बढ़ती मानवीय गतिविधियों के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हुई है, जिसका असर हम सभी भुगत रहे हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी घातक गैसों का बढ़ता उत्सर्जन और उन्हें रोकनेवाले जंगल, पेड़, वन्यजीवों का ह्रास हो रहा है, तो दूसरी ओर शहरों, कस्बों में सीमेंट के जंगल उग रहे है, जिससे बारिश का पानी जमीन सोख नहीं पाती और वह शुद्ध पानी ऐसे ही नालों में बह जाता है, इस कारण तापमान भी कम नहीं होता।

दैनिक पंचांग

22 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 81 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 21.17 बजे को समाप्त।
नक्षत्र भरणी 22.43 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 15.42 बजे को समाप्त।
करण वणिज 10.37 बजे तदनन्तर विष्टि 21.17 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	07.15 बजे से
चंद्र	मेष में	वृष	08.55 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.53 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	13.07 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	15.23 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	17.35 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.46 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	22.00 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	00.16 बजे से
		मकर	02.21 बजे से
		कुंभ	04.08 बजे से
		मीन	05.41 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

चन्द्रायु 2.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 33'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872656
जूलियन दिन 2461121.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 02
विशेष वासुदेव चतुर्थी, गुरु अंगद देव पुण्यतिथि।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

हरिजन पाड़ा मोहल्ले में पुलिया टूटने से आवागमन बाधित, लोगों में आक्रोश

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बीते रात हुई बारिश के बाद नगर पंचायत बरहरवा के हरिजन पाड़ा मोहल्ला में पुलिया टूट जाने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पुलिया के क्षतिग्रस्त होने के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे रोजमर्रा के कार्यों के लिए लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि बारिश के दिनों में इस क्षेत्र में जल जमाव की समस्या पहले से ही बनी रहती है, जिससे स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। ऐसे में पुलिया का टूट जाना लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गयी है। जानकारी के अनुसार, सितंबर माह 2025 में नगर पंचायत के आदेश पर नये पुलिया निर्माण के लिए पुराने पुलिया को तोड़ दिया गया था। यह निर्माण कार्य नये नाला निर्माण योजना के तहत किया जाना था। हालांकि, विभागीय लापरवाही के कारण अब तक पुलिया का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया है।

नवरात्र के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना हुई

साहिबगंज : चैती नवरात्रि के तीसरे दिन शहर के रसूलपुर दहला चैती दुर्गा मंदिर, सकरुगढ़ चैती दुर्गा मंदिर, जिरवाबाड़ी तुरी टोला स्थित चैती दुर्गा मंदिर, चौक बाजार दुर्गा मंदिर एवं शहर के अन्य मंदिरों एवं निजी घरों में मां दुर्गा के तीसरे स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान से वैदिक मित्रों के साथ भक्तों ने की। मौके पर पुरोहित के द्वारा मंत्रोच्चार के साथ पूरे विधि विधान से पूजा अर्चना, आरती किया गया। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर मां दुर्गा के जयकारे से गूंज उठा। मौके पर श्रद्धालुगण एवं कमेटी के सदस्य उपस्थित थे।

सड़क हादसे में घायल महिला की इलाज के दौरान मौत

पूर्वी सिंहभूम : जिले के बहरागोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया चौक के पास एनएच-49 पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियों को गहरे मातम में बदल दिया। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल कादुलिया कैमी निवासी चिंतामणि नायेक (चित्रा) का ओडिशा में शनिवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, चिंतामणि नायक अपने बड़े बेटे स्वपन नायक के साथ बाइक से ओडिशा जा रही थीं।

प्रकृति पूजा व नए साल के शुरूआत का प्रतीक है सरहुल पर्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल प्रखंड के कल्याणचक रेलवे मैदान में शनिवार को आदिवासी संघर्ष सरना समिति राजमहल एवं तालझारी द्वारा सरहुल पर्व मनाया गया, जिसमे मुख्य अतिथि राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा व माननीय राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए। आयोजन समिति ने स्वागत में बुके, सखुआ के फूल व डाली देकर किया गया। साथ ही अंग वस्त्र दे कर सम्मानित भी किया। सरना धर्म के विधि विधान से वृक्ष के नीचे पूजन किया गया। प्रकृति की पूजा के उपरांत नववर्ष के आगमन को लेकर एक दूसरे को गुलाल लगाकर सरहुल की बधाइयां भी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। सांसद व विधायक ने कहा कि सरहुल प्राकृति का पर्व है। यह पर्व प्राकृति व नए वर्ष के आगमन का प्रतीक है।जिसे हमारे आदिवासी समाज के लोग सखुवा के पेड़ में फूल आने पर सरहुल का पर्व मानते है। ये

सरहुल पर्व हमें जल जंगल जमीन को संरक्षण, करने का संदेश देता है : संजय सिंह

बड़कागांव : बड़कागांव के गोंदलपुरा पंचायत के अंतर्गत सेहदा में सरहुल का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजेश हसदा एवं संचालन महादेव हसदा ने किया। बताते चले की सरहुल पर्व प्रकृति का त्यौहार है। आदिवासी समुदाय के लोग धूमधाम से मानते हैं। मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय कुमार सिंह, विशिष्ट तिथि मुखिया बासुदेव यादव, सुरेश बेसरा, बोधन, बेदिया उपस्थित हुए,स्थानीय बच्चियों एवं महिलाओं के द्वारा अपने आदिवासी लोकगीत में नृत्य किया। संजय सिंह ने संबोधित करते हुए कहा सरहुल पर्व हमें जल जंगल जमीन को संरक्षण करने का संदेश देता है। सरहुल पर्व में सराय का फूल अर्थात सखुवा का पेड़ का फूल को चढ़ाया जाता है। और प्रकृति से सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। मौके पर उपस्थित,इंद्रदेव राम सुरज बेसरा, फलेंद्र गंझू चूरामन गंझू राजेश हसदा ,पहन बासुदेव मुर्मू, सोनका सोरेन, सुखदेव हसदा, सोनोत हसदा, मनोज सोरेन, महादेव हसदा, इतलाल बस्के, मन्नू लाल टुडू ,दिनेश मरांडी , कैलाश सोरेन के अलावा सैकड़ो महिला पुरुष शामिल थे।

पर्व जल जमीन से जुड़ा है। चुकी यह प्राकृतिक का पर्व है। दोनों ही अतिथियों ने कहा कि ईद पर्व और सरहुल पर्व एक ही दिन आयोजित है यह कहीं ना कहीं सामाजिक एकता एवं सौंदर्य की एक प्रतीक है। सभी समाज एकजुट होकर सभी त्यौहार को आनंदित तरीके से मना रहे हैं और एक दूसरे से खुशियां बांट रहे हैं यही समाज की खूबसूरती है। इससे पूर्व जमालपुर गांव में सरहुल का पूजा किया गया। उसके बाद पदयात्रा निकाली गयी। जिसमे सरना समुदाय के लोगो द्वारा पारंपरिक नृत्य करते हुए कल्याणचक रेलवे मैदान पहुंचे। इसके बाद सरना पूजा स्थल पर पारंपरिक पूजा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पारंपरिक नृत्य सहित अन्य कार्यक्रम किया गया। मौके पर विधायक प्रतिनिधि सह नपं उपाध्यक्ष मो मारूफ उर्फ गुड्डू, माही टोप्पो, संतलाल तिग्गा, काशी उरांव, मशीह टुडू, सुनीता सोरेन सहित अन्य लोग उपस्थित थे

बड़हरवा-साहिबगंज-पीरपैती खंड पर विशेष सघन टिकट जांच अभियान संचालित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मालदा मंडल द्वारा रेलवे नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने, यात्री सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा राजस्व संरक्षण के उद्देश्य से नियमित रूप से टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में, मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में 21 मार्च 2026 को बड़हरवा-साहिबगंज-पीरपैंती खंड पर एक विशेष सघन टिकट जांच अभियान संचालित किया गया। इस अभियान के अंतर्गत 13409 मालदा टाउन-किऊल इंटरसिटी एक्सप्रेस, 53416 जमालपुर-साहिबगंज पैसेंजर, 13032 जयनगर-हावड़ा एक्सप्रेस, 53415 साहिबगंज-जमालपुर पैसेंजर, 13236 दानापुर-साहिबगंज इंटरसिटी एक्सप्रेस तथा 13235 साहिबगंजझदानापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस सहित इस खंड में संचालित अन्य ट्रेनों में भी व्यापक टिकट जांच की गई।यह जांच अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा, कार्तिक सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें टिकट जांच कर्मियों, वाणिज्य निरीक्षकों तथा रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने सक्रिय एवं समन्वित रूप से भाग लिया, जिससे टिकट नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जा सके। इस सघन अभियान के दौरान कुल 330 अनियमित यात्रा के मामले पकड़े गए, जिससे 1,06,580 की जुमार्ना राशि वसूल की गई, जो रेलवे राजस्व की सुरक्षा एवं टिकट नियमों के कड़ाई से अनुपालन को सुनिश्चित करता है।

रघुवर दास ने राज्य सरकार की नीतियों पर उठाए तीखे सवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : झारखण्ड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने शनिवार को पाकुड़ दौरे के दौरान राज्य सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए कई अहम मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकताओं के साथ बैठक की और पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। पाकुड़ आगमन पर भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। परिसदन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक रणनीति पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के शीर्ष पद पर बैठे व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण में संयम बरतना चाहिए। उन्होंने हालिया बयानों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे समाज में गलत संदेश जाता है।

घुसपैठ के मुद्दे पर जताई चिंता

रघुवर दास ने संथाल परगना क्षेत्र में बढ़ती घुसपैठ को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि इससे क्षेत्र की जनसंख्या संरचना प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस विषय पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है।

डीसी-एसपी ने ईद के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, जिलेवासियों को दी शुभकामनाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ईद के पावन अवसर पर जिले में शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने विभिन्न ईदगाह, मस्जिदों तथा चौक-चौराहों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने ईदगाह, गांधी चौक स्थित मस्जिदों एवं हरिणडंगा कब्रिस्तान का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर उपस्थित रोजेदारों से मुलाकात कर उन्हें तहेदिल से ईद की शुभकामनाएं दीं तथा बच्चों को स्नेहपूर्वक गले लगाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। उपायुक्त ने कहा कि ईद आपसी भाईचारे, प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, जहां लोग गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को गले लगाते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील किया कि इस पर्व को शांति, सद्भाव और सामाजिक समरसता के साथ मनाएं। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर सभी ईदगाह, मस्जिदों एवं प्रमुख चौक- चौराहों पर दंडाधिकारियों के साथ पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि आमजन निर्भय होकर त्योहार का आनंद ले सकें। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ तैनात रहें। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शांतिपूर्ण माहौल में ईद का पर्व मनाया जा रहा है और यह खुशियों, भाईचारे एवं सौहार्द का त्योहार है।

45 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 19 किमी सड़क, सांसद, विधायक ने किया शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के गोपालपुर गांव से कुमारदा, हुडुंबिल, हुटुपाथर , बनकुंचिया , कांकु होते हुए दांदुडीह पश्चिम बंगाल सीमा तक 45 करोड़ रुपए की लागत से 19 किमी लंबी सड़क का निर्माण पथ निर्माण विभाग जमशेदपुर की देखरेख में सीआरआई फंड से किया जाएगा। जिसका शिलान्यास शुक्रवार को जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरन महतो व जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी ने नारियल फोड़ कर किया। निर्माण कार्य का ठेका मेसर्स दिलीप कुमार रांची को मिला है। इस संबंध में जानकारी देते हुए विभाग के इंजीनियर ने बताया कि सड़क साढ़े पांच मीटर चौड़ी बनेगी। इसमें पीसीसी एवं कालीकरण दोनों शामिल हैं। सड़क का निर्माण हो जाने से एक दर्जन से अधिक गांवों के लोगों की सुविधा होगी। इस सड़क से लोग कम समय में पश्चिम बंगाल भी जा सकेंगे। मौके पर जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो, विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू, प्रमुख बालिका सोरेन, उप प्रमुख श्रीदेवी माझी, प्रदीप कुमार महतो, सुभाष कर्मकार, महाबीर महतो, संदीप मिश्रा, माणिक महतो, कृपासिंधु महतो, अश्विनी महतो, शंभु दास,संजय प्रामाणिक विश्वजीत कुंभकार, मुचिराम बाउरी समेत अन्य दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

साहिबगंज जिला में अकीदत और उत्साह के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर, ईदगाहों में गूंजी अमन-चैन की दुआएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में शनिवार को खुशियों का त्योहार ईद-उल-फितर पूरे धार्मिक सौहार्द और उत्साह के साथ मनाया गया। जिले के सभी प्रखंडों के आसपास के क्षेत्रों की ईदगाहों व मस्जिदों में हजारों अकीदतमंदों ने ईद की नमाज अदा की। इस पावन अवसर पर खुदा की बारगाह में हाथ फैलाकर देश और दुनिया में अमन, चैन और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं मांगी गईं।

मस्जिदों और ईदगाहों में उमड़ा जनसैलाब

ईद को लेकर सुबह से ही चहल-पहल देखी गई। सफेद लिबास और सिर पर टोपी पहने मुस्लिम भाई नमाज के लिए ईदगाहों की ओर बढ़े। प्रखंड के प्रमुख स्थानों की मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ी।नमाज संपन्न होने के बाद ह्यईद मुबारकह्न के नारों से माहौल गूंज उठा। लोगों ने एक-दूसरे के गले लगाकर गिले-शिकवे भुलाए और ईद की मुबारकबाद दी। छोटे बच्चों में ईद को लेकर खास उत्साह देखा गया, जो नए कपड़ों में सजे-धजे मेले का आनंद लेते नजर आए।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और स्थानीय पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। सभी संवेदनशील चौराहों और ईदगाहों के बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि नमाजियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिला मुख्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईंद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी किशोर तिर्की, नगर थाना व जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी, राजमहल में अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी, राजमहल प्रभाग के पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार गश्त करते दिखे।

विधायक ने दी ईद की शुभकामनाएं

राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने भी क्षेत्रवासियों को ईद की दिली मुबारकबाद दी।

ईद मिलन समारोह: रजा यूनिटी फाउंडेशन ने दिया भाईचारे और एकता का संदेश

अमड़ापाड़ा : ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय स्थित अमड़ापाड़ा बाजार में रजा यूनिटी फाउंडेशन, जिला कमेटी पाकुड़ के तत्वावधान में भव्य ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लेकर आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। समारोह के दौरान आम जनमानस के लिए सेवई, दही-बड़ा सहित विभिन्न प्रकार के अल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई थी। लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन-चैन, तरक्की एवं आपसी सद्भाव की दुआएं मांगीं। यह आयोजन फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष मोहम्मद महफूज आलम की गरिमामयी उपस्थिति एवं देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मौके पर उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है, और इस तरह के आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। समारोह में मुख्य रूप से मो. जहांगीर, मो. मोनू, मो. आरिफ, मो. सोहेब, मो. राजा, मो. तनवीर, मो. बंटी, मो. जावेद, जहांगीर आलम, मो. अशरान अफरीदी एवं हेरान अंसारी की सक्रिय भागीदारी रही। इसके अलावा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक विजय कुमार भगत एवं राम जी भगत ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

संक्षिप्त खबरें

बंद कोच में नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी युवक गिरफ्तार

साहिबगंज : तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर रेलवे स्टेशन के साइडिंग में खड़ी एक एक्सप्रेस ट्रेन के बंद कोच में बीते दिनों 14 मार्च को थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग किशोरी के साथ महाराजपुर नया टोला निवासी आरोपी युवक प्रमेश कुमार महतो पिता सुखदेव महतो उर्फ भोटला महतो ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद मौके पर से फरार हो गया था। जहां इस मामले को लेकर नाबालिग किशोरी के परिजनों ने रेल थाना साहिबगंज की पुलिस को लिखित आवेदन देते हुए कानूनी कार्यवाही करने की गुहार लगाई थी। उधर रेल थाना पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी युवक के खिलाफ पोक्सो एक्ट में केस दर्ज करने के बाद आरोपी युवक की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही थी। जहां शनिवार को सकरीगली रेलवे स्टेशन के पार्किंग से आरोपी युवक को पुलिस ने विधिवत गिरफ्तार कर लिया। रेल पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी करने के उपरांत उसका सदर अस्पताल में मेडिकल जांच करवाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

तीनपहाड़ सरेपुरा गांव में गौ तस्कर वाहन छोड़कर हुए फरार, जांच में जुटी पुलिस

साहिबगंज : जिले के तीनपहाड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत सरायपुरा गांव में शुक्रवार देर रात गौ तस्करी का एक मामला सामने आया, जब तस्करों की एक पिकअप वाहन कीचड़ में फंस गई। वाहन को निकालने का काफी प्रयास के बाद भी जब सफलता नहीं मिली, तो तस्कर मौके पर ही गाड़ी छोड़कर फरार हो गए। बताया जाता है कि रात करीब 1 बजे ग्रामीणों ने सड़क किनारे नाले के पास एक पिकअप वाहन को फंसा हुआ देखा। तो पास जाकर जांच करने पर वाहन में तीन सांड और दो गाय लदी मिलीं। यह दृश्य देखते ही गांव में खबर आग की तरह फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही एसआई नारद गहलोत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और वाहन का जांच किया। जांच के दौरान वाहन से कुछ कागजात और एक आधार कार्ड बरामद हुआ है, जिसके आधार पर तस्करों की पहचान की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, वाहन नई थी और उस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी हुई थी। वहीं, वाहन में मौजूद तीन सांड बेहोश अवस्था में पाए गए, जिनका इलाज पशु चिकित्सक द्वारा कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गौ तस्कर पुलिस से बचने के लिए इन दिनों ग्रामीण सड़कों का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। वहीं इस घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों से भी सैकड़ों लोग जुट गए। लोगों ने क्षेत्र में बढ़ती गौ तस्करी पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में तीनपहाड़ थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार पांडेय ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

चैत में झमाझम बारिश से फसलें तबाह, किसानों की सालभर की मेहनत बर्बाद

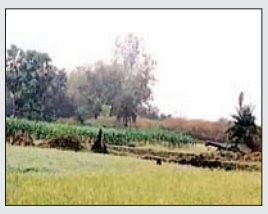

साहिबगंज : चैत महीने में आजकल जहां खेतों में कटाई की रौनक होनी चाहिए थी, वहीं पूरे जिले में कुदरत ने ऐसा कहर बरपाया कि किसानों की मेहनत एक झटके में बर्बाद हो गई। शुक्रवार की शाम आई तेज आंधी-तूफान और बारिश और शनिवार की सुबह करीब पांच बजे से शुरू हुई झमाझम बारिश ने पूरे इलाके की तस्वीर बदल दी है। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं, मक्का और दलहन की फसलें बारिश और तेज हवा के कारण पूरी तरह धराशायी हो गई हैं। कई जगहों पर पानी भर जाने से फसल सड़ने की कगार पर पहुंच गई है। जो किसान कटाई शुरू कर चुके थे, उनकी फसल भीगकर खराब हो रही है। प्रखंड क्षेत्रों के गांव-गांव में किसानों के चेहरे पर गहरी चिंता और मायूसी साफ झलक रही है। सालभर की मेहनत और उम्मीदें इस बेमौसम बारिश ने छीन ली हैं। कर्ज लेकर खेती करने वाले किसानों के सामने अब गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, अब तक इस बारिश से लाखों रुपये की फसल बर्बाद हो चुकी है। अगर मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो नुकसान और बढ़ने की आशंका है। पीड़ित किसानों ने प्रशासन से तुरंत फसल क्षति का सर्वे कराने और उचित मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर जल्द राहत नहीं मिली, तो परिवार चलाना भी मुश्किल हो जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि चैत में इस तरह की बारिश असामान्य है और यह बदलते मौसम का संकेत है, जो आने वाले समय में खेती के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

सरिया अनुमंडल क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर

सरिया : सरिया अनुमंडल क्षेत्र में शनिवार को ईद-उल-फितर का पावन त्यौहार बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रमजान के पवित्र महीने के समापन के बाद मुस्लिम समुदाय ने इस खुशी के मौके को पूरे जोश के साथ मनाया।सुबह-सवेरे लोग नहा-धोकर नए-नए कपड़े पहनकर ईदगाह की ओर रवाना हो गए। ईदगाह पहुंचकर हजारों लोगों ने दो रकअत ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद खुत्बा सुनाया गया, जिसमें मौलाना ने भाईचारे, एकता और सद्भावना का संदेश दिया। नमाज और खुत्बे के बाद लोगों ने एक-दूसरे से मिलकर गले लगाए और ईद मुबारक की बधाइयां दीं। त्यौहार की खुशियां बांटने के लिए लोग अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों के घर पहुंचे। जहां-जहां गए, वहां लच्छेदार सेवइयों का दौर चला। मीठी सेवइयां, सूखे मेवे और अन्य पारंपरिक व्यंजनों से घर-घर में खुशियों का माहौल छा गया।यह त्यौहार न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक एकता और प्रेम का भी प्रतीक है। सरिया अनुमंडल के तीनों थाना क्षेत्र बगोदर थाना क्षेत्र, सरिया थाना क्षेत्र तथा बिरनी थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही, जिससे त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

वैश्विक व्यापार वृद्धि में गिरावट का खतरा- डब्ल्यूटीओ चेतावनी

नई दिल्ली।

डब्ल्यूटीओ (विश्व व्यापार संगठन) ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ऊंची ऊर्जा कीमतों के कारण वैश्विक व्यापार की वृद्धि दर 2026 में 1.9 फीसदी रह सकती है, जबकि 2025 में यह 4.6 फीसदी थी। यात्रा और परिवहन में रुकावटों से खाद्य आपूर्ति और सेवाओं के व्यापार पर दबाव बढ़ सकता है। इसके साथ ही, पिछले साल एआई से जुड़े उत्पादों की बढ़ी मांग और शुल्कों से बचाव के कारण आयात में आई तेजी अब सामान्य होने की ओर बढ़ रही है। यह पूर्वानुमान भारत जैसे निर्यातक देशों के लिए चिंता का विषय है। डब्ल्यूटीओ महानिदेशक नगोजी ओकोन्जो इवेला ने कहा कि ऊंची ऊर्जा कीमतें और संघर्ष वैश्विक व्यापार के लिए जोखिम बढ़ा रहे हैं, जिससे खाद्य सुरक्षा और उपभोक्ताओं पर लागत का दबाव बढ़ सकता है।

अमेरिका ने मिनेसोटा में मेसाबी मेटैलिक्स परियोजना के लिए 10 अरब डॉलर का समर्थन किया

एक एकीकृत लौह अयस्क खनन और प्रसंस्करण संयंत्र के निर्माण की है परियोजना

वॉशिंगटन। अमेरिका ने मिनेसोटा में एस्सार समूह की कंपनी मेसाबी मेटैलिक्स को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक के वित्तीय समर्थन की घोषणा की है। यह परियोजना एक एकीकृत लौह अयस्क खनन और प्रसंस्करण संयंत्र के निर्माण की है, जो सालाना लगभग 70 लाख टन उच्च गुणवत्ता वाले प्रत्यक्ष अपचयन लौह अयस्क पेलेट्स का उत्पादन करेगी। ये पेलेट्स आधुनिक इस्पात निर्माण के लिए आवश्यक हैं और परियोजना से अमेरिका में सैकड़ों नई नौकरियां उत्पन्न होंगी। अमेरिकी निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम) ने बताया कि उनका यह समर्थन करीब 30 अरब डॉलर के रणनीतिक समझौतों को आगे बढ़ाएगा, जिनका उद्देश्य अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को मजबूत करना है। यह पहल हिंद-प्रशांत सहयोगियों के साथ रणनीतिक आर्थिक संबंधों को भी प्रोत्साहित करती है। तोकीयो में आयोजित हिंद-प्रशांत ऊर्जा सुरक्षा मंच में एक्जिम के चेयरमैन जॉन जोवानोविच, आंतरिक मामलों के मंत्री डग बर्गम और पर्यावरण एजेंसी की प्रमुख ली जेल्डिन ने भाग लिया। एक्जिम ने जापान और दक्षिण कोरिया में परमाणु ऊर्जा संचालकों को 4.2 अरब डॉलर तक के संभावित वित्तपोषण के लिए रुचि पत्र जारी किए। यह अमेरिकी समृद्ध यूरेनियम की खरीद और सुरक्षित परमाणु ईंधन आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने में मदद करेगा। ऑस्ट्रेलिया में आरजेड रिसोर्सेज कोपी परियोजना से टाइटेनियम, जिरकॉन और अन्य रणनीतिक खनिजों का उत्पादन होने की उम्मीद है। इन खनिजों का उपयोग उन्नत विनिर्माण और रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं में किया जाएगा। एक्जिम का यह समर्थन अमेरिका के ऊर्जा प्रभुत्व एजेंडा, ऊर्जा आपूर्ति के विस्तार और घरेलू उद्योग व समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने के उद्देश्य को आगे बढ़ाता है। इन पहलों के माध्यम से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगी देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हो रही है।

जम्मू-कश्मीर में अप्रैल में होगा 'कश्मीर ट्रैवल मार्ट-2026'

श्रीनगर ।

जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग इस अप्रैल में 'कश्मीर ट्रैवल मार्ट-2026' का आयोजन करेगा। इसका उद्देश्य क्षेत्र की पर्यटन संभावनाओं और प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करना है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि इस आयोजन में देशभर के 20 से अधिक राज्यों से लगभग 250 हितधारक भाग लेंगे। इसमें होटल, यात्रा एजेंसी, और पर्यटन विशेषज्ञ शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल पर्यटन संबंधों को मजबूत करने और कश्मीर को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी। यह आयोजन निवेशकों, पर्यटन उद्योग के विशेषज्ञों और सरकार के लिए कश्मीर की सुविधाओं, स्थलों और निवेश अवसरों को प्रदर्शित करने का अवसर देगा। कश्मीर पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

भारत ने दुर्लभ खनिज चुंबक निर्माण के लिए 7,280 करोड़ की योजना शुरू की

भारत को दुर्लभ खनिज आधारित चुंबक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने देश में सिंटर्ड रियर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) निर्माण के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की है। इसका लक्ष्य भारत को दुर्लभ खनिज आधारित चुंबक उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना और चीन पर आयात निर्भरता कम करना है। योजना के तहत 6,000 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) क्षमता वाले संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। भारी उद्योग मंत्रालय ने एकीकृत एनडीएफईबी (नियोडिमियम-आयरन-बोरोन) संयंत्र स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। बोली प्रक्रिया केंद्रीय सार्वजनिक खरीद मंच के माध्यम से ऑनलाइन और पारदर्शी न्यूनतम लागत प्रणाली में संचालित होगी। तकनीकी और वित्तीय दो चरण होंगे। बोली से पूर्व बैठक 7 अप्रैल 2026 को होगी, बोलियां जमा करने की अंतिम तिथि 28 मई 2026 है, और तकनीकी बोली 29 मई 2026 को खोली जाएगी। यनित लाभार्थियों को पूंजी अनुदान और बिक्री-आधारित प्रोत्साहन मिलेगा। प्रत्येक लाभार्थी को 600-1,200 एमटीपीए क्षमता आवंटित की जाएगी। सरकार ने पूंजी अनुदान के लिए 750 करोड़ रुपये और बिक्री-आधारित प्रोत्साहन के लिए 6,450 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इसके अलावा, तीन सबसे कम बोली लगाने वालों को आईआरईएल इंडिया से एनडीपीआर ऑक्साइड की सीमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। आरईपएम चुंबक विद्युत वाहन, पवन टरबाइन, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्रों में इस्तेमाल होते हैं। इस पहल से भारत में पूर्ण घरेलू मूल्य श्रृंखला विकसित होगी और देश वैश्विक दुर्लभ खनिज बाजार में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बन सकेगा।

जीएसटी कारोबारियों को बड़ी राहत

जांच और आदेश करने वाले अधिकारी अलग-अलग

नई दिल्ली ।

जीएसटी कानून के तहत नई व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था में जांच और ऑडिट करने वाले अधिकारी आदेश नहीं कर पाएंगे। जांच और ऑडिट करने वाले अधिकारी अपनी रिपोर्ट निर्धारण अधिकारी के पास भेजेंगे। उस पर सुनवाई होने के बाद आदेश पारित किया जाएगा। अभी जो जांच करते थे, वही टैक्स डिमांड का आदेश देते थे। जिसके कारण व्यापारियों के साथ अन्याय हो रहा था।1 अप्रैल 2026 से नई व्यवस्था लागू करने के आदेश दिए गए हैं। इस व्यवस्था के बाद निश्चित रूप से निष्पक्षिता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन होगा। दोनों अधिकारी अलग-अलग होंगे। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कर निर्धारण अधिकारी मामले की जांच कर दोनों पक्षों को सुनकर आदेश पारित करेंगे।

ऋूड तेल का भाव 180 डालर तक पहुंच सकता है!

होर्मुज संकट वैश्विक बाजार के लिए चुनौती

नई दिल्ली । मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल बाजार को अस्थिर कर दिया है। ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के जवाब में तेहरान ने सऊदी अरब और कतर के प्रमुख ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया। यानबु स्थित तेल टर्मिनल रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह होर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास करने वाली पाइपलाइन का अंतिम बिंदु है। इन हमलों के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद होने की कगार पर है, जिससे तेल और गैस की सप्लाई प्रभावित हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार सप्लाई बाधाओं के कारण ऋूड तेल की कीमत 180 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। इससे तेल उत्पादक देशों की आमदनी बढ़ेगी, लेकिन इतनी ऊंची कीमतें रिन्यूएबल एनर्जी की ओर तेजी से शिफ्टिंग को बढ़ावा दे सकती हैं और लंबे समय में तेल की मांग घटा सकती हैं। महंगी ऊर्जा वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती है और आर्थिक सुस्ती का खतरा पैदा कर सकती है। सऊदी अरब बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए कीमतों में बहुत तेज बढ़ोतरी नहीं चाहता। सउदी अरामको ने सार्वजनिक तौर पर स्थिति पर टिप्पणी नहीं की, लेकिन अंदरखाने संभावित ऑयल शॉक से निपटने की तैयारी तेज कर दी गई है। इसका मकसद वैश्विक हिस्सेदारी सुरक्षित रखना और बाजार में संतुलन बनाए रखना है।अगर हालात जल्द सामान्य नहीं हुए, तो दुनिया को महंगे तेल, बढ़ती महंगाई और आर्थिक सुस्ती का सामना करना पड़ सकता है। करना पड़ सकता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 325, निफ्टी 112 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से दिन के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवस बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। वहीं आज बाजार में आईटी और पीएसयू बैंकिंग शेयरों में तेजी रही। सूचकांकों में निफ्टी आईटी 2.17 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक 2.07 फीसदी बढ़कर लाभ में रहे। निफ्टी फार्मा 1.99 फीसदी , निफ्टी हेल्थकेयर 1.89 फीसदी , निफ्टी मेटल 1.45 फीसदी , निफ्टी कमोडिटीज 1.28 फीसदी और निफ्टी इन्फ्रा 0.96 फीसदी बढ़कर बंद हुए। वहीं निफ्टी रियल्टी 0.93 फीसदी , निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.73 फीसदी , निफ्टी फाइनेंशियल सर्विस 0.68 फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ।आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 363.20 अंक बढ़कर 54,855.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14.35 अंक उछलकर 15,718.60 पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, ट्रेंट, टाइटन, एनटीपीसी, सनफार्मा, एचसीएल टेक, इटरनल, टीसीएस, अल्ट्राटेक सीमेंट, एमएंडएम, भारती एयरटेल और अदाणी पोर्ट्स के शेयर लाभ में रहे जबकि एचडीएफसी बैंक, बीईएल, कोटक महिंद्रा बैंक,

आईसीआईसीआई बैंक, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक और एलएंडटी के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स 790.56 अंक बढ़कर 74,997.80 पर खुला। वहीं निफ्टी भी 208.05 अंक चढ़कर 23,210.20 के स्तर पर पहुंच गया। ।

यह गिरावट पिछले 21 दिनों की सबसे बड़ी एकदिवसीय गिरावट रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बेंजो मिन नेतन्याहू ने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है और ईरान की सैन्य क्षमताएं कमजोर हो चुकी हैं। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इजरायल अब बिजली ढांचे को निशाना नहीं बनाएगा। वहीं डोनाल्ड ट्रम्प ने स्पष्ट किया कि अमेरिका फिलहाल किसी भी क्षेत्र में सैनिक नहीं भेज रहा है। इन बयानों से वैश्विक बाजारों में कुछ स्थिरता देखने को मिली है, जिसका असर भारतीय बाजार की मजबूती पर भी पड़ा। । शुरुआती कारोबार में आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली।

रसोई गैस बुकिंग में नए नियम लागू, बुकिंग के समय में किया गया बदलाव

सुबह 5 से 7 और रात 8 से 12 बजे के बीच कॉल या मैसेज स्वीकार किए जाएंगे

नई दिल्ली ।

अब रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग पूरे दिन नहीं होगी। ग्राहकों को केवल दो तय समय स्लॉट में ही बुकिंग करनी होगी। सुबह 5 बजे से 7 बजे और रात 8 बजे से 12 बजे के बीच कॉल या मैसेज स्वीकार किए जाएंगे। सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक लगभग 13 घंटे बुकिंग की सुविधा बंद रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि सिलेंडर खत्म होने से पहले अलार्म लगाना समझदारी भरा कदम है। नई व्यवस्था में बुकिंग केवल तभी स्वीकार की जाएगी जब आपके पिछले सिलेंडर की डिलीवरी को कम से कम 25 दिन बीत चुके हों। यदि इस अवधि से पहले बुकिंग करने की कोशिश करेंगे, तो सिस्टम इसे रिजेक्ट कर देगा। इसका उद्देश्य सिलेंडर वितरण में व्यवधान को कम करना और सभी ग्राहकों तक समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करना है। गैस कंपनियों ने डिजिटल माध्यमों से बुकिंग को सरल बनाया है। विभिन्न कंपनियों ने डिजिटल माध्यमों से बुकिंग को काफी सरल बना दिया है। भारत गैस के ग्राहक 1800224344 पर व्हाट्सऐप के जरिए एचआई भेजकर सिलेंडर मंगवा सकते हैं। इसी तरह इन्डेन गैस के लिए 75888-88824 पर` रि फिल लिखकर और एचपी गैस के लिए 92222-01122 पर बुक लिखकर मैसेज करना होगा। अगर आप सामान्य एसएमएस का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो भारत गैस के लिए 77150-12345 और इन्डेन के लिए 77189-55555 पर अपना संदेश भेजकर कन्फर्मेशन प्राप्त कर सकते हैं। जिन लोगों के पास इंटरनेट नहीं है या जो व्हाट्सऐप इस्तेमाल नहीं करना चाहते, उनके लिए मिस्ड कॉल की सुविधा भी मौजूद है। भारत गैस के लिए 77180-12345, इन्डेन के लिए 84549-55555 और एचपी गैस के लिए 949360-22222 पर केवल

एक कॉल देकर आप अपनी बुकिंग दर्ज करा सकते हैं। अगर आपको सिलेंडर मिलने में परेशानी हो रही है या कोई अन्य शिकायत है, तो आप टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों का सहारा ले सकते हैं। इन्डेन और एचपी गैस के लिए 18002333555 और भारत गैस के ग्राहकों के लिए 1800224344 नंबर जारी किया गया है।

एसबीआई फंड्स ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली ।

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी में प्रारंभिक दस्तावेज (डीआरएचपी) जमा किए हैं। यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है, जिसमें 20.37 करोड़ इक्विटी शेयर बिक्री के लिए रखे जाएंगे। इसमें कोई नया शेयर जारी नहीं किया जाएगा। आईपीओ के माध्यम से मौजूदा शेयरधारक अपने हिस्से का विक्रय करेंगे। इसमें प्रमुख प्रवर्तक हैं भारतीय स्टेट बैंक (एचबीआई) और अमुंडी इंडिया होल्डिंग। इस निर्गम के लिए मर्चेंट बैंकर्स का समूह नियुक्त किया गया है, जिसमें कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस कैपिटल, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया, एचएसबीसी सिक्योरिटीज, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, जेफरीज इंडिया, जेएम फाइनेंशियल, मोतीलाल ओसवाल और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स शामिल हैं।

ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद कच्चा तेल 118 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा प्रूडेंशियल भारत में आईसीआईसीआई लाइफ से निकलेगा बाहर

नई दिल्ली ।

ईरान-इजरायल संघर्ष के बाद अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में तेजी आई। ब्रेंट क्रूड की कीमत युद्ध शुरू होने के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 118 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी अवरोध पहले ही आपूर्ति को दबाव में डाल रहे थे, अब इन हमलों से वैश्विक बाजार और अस्थिर हो गया है। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरानी हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक उकसावे वाला बताया। ईरान ने अपने प्रमुख गैस क्षेत्र साउथ पार्स पर इजरायली हमले के जवाब में खाड़ी देशों में तेल और गैस प्रतिष्ठानों पर हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों में शामिल हैं संयुक्त अरब अमीरात के तट के पास एक जहाज में आग लगना, कतर के पास एक अन्य जहाज को क्षति, और सऊदी अरब की यानबू रिफाइनरी पर ड्रोन हमला। इससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजरायल और हमले नहीं करेगा, लेकिन चेतावनी दी कि अगर ईरान ने कतर पर हमला किया तो

अमेरिका पूरे क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई करेगा। पेंटागन ने ईरान युद्ध के लिए 200 अरब डॉलर का अतिरिक्त बजट मांगा। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने हमलों के अनियंत्रित परिणाम होने की चेतावनी दी, जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।

केंद्र सरकार ने राज्यों को पीएनजी नेटवर्क विस्तार के लिए प्रोत्साहित किया

10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी का प्रस्ताव

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि यदि वे अपने क्षेत्र में पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) नेटवर्क का विस्तार करेंगे, तो उन्हें 10 फीसदी अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी आवंटित की जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने इस योजना की जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब पश्चिम एशिया में युद्ध के कारण एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। भारत अपनी घरेलू एलपीजी खपत का लगभग 60 फीसदी आयात करता है, जिसमें से करीब 90 फीसदी आपूर्ति पश्चिम एशिया से होती है। सरकार ने कहा कि जो राज्य शहरी गैस वितरण समितियों की स्थापना

करेंगे, लंबित और नई अनुमतियों को समय पर निपटाएंगे, उन्हें 1-2 फीसदी अतिरिक्त गैस का लाभ मिलेगा। राज्यों को निर्देश हैं कि वे लंबित आवेदनों के लिए डीम्ड अनुमतियां जारी करें, नई अनुमतियों को 24 घंटे में मंजूरी दें, सड़क नेटवर्क बिछाएं, शुल्क माफ करें और समन्वय के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करें। इन कदमों से शहरी गैस वितरण नेटवर्क का विस्तार तेज होगा।

सरकार का उद्देश्य घरेलू, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए पीएनजी कनेक्शन बढ़ाना और एलपीजी पर विदेशी निर्भरता कम करना है। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और देश में गैस वितरण सुधारने में मदद करेगा। इसी बीच भारत ईरान के साथ समन्वय कर होर्मुज स्ट्रेट में फंसे टैंकरों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा है।

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि एलएनजी का 1 टैंकर, एलपीजी के 6 टैंकर और कच्चे तेल के 4 पोत फंसे हुए हैं। युद्ध के बाद कुछ टैंकर रूस से कच्चा तेल लेकर भारत की ओर मोड़ दिए गए हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच निर्यातकों को राहत, केंद्र ने रिलीफ योजना की मंजूर

बढ़ती लॉजिस्टिक्स लागत और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को बीमा कवर व आंशिक प्रतिपूर्ति का सहारा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और सुरक्षा चिंताओं के कारण भारतीय निर्यातकों को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास जोखिम बढ़ने से जहाजों को लंबा मार्ग अपनाना पड़ रहा है, ट्रांसशिपमेंट हब पर भीड़ बढ़ी है और युद्ध-जोखिम बीमा शुल्क में भारी वृद्धि हुई है। इन परिस्थितियों में निर्यात लागत बढ़ने और शिपमेंट में अनिश्चितता पैदा होने लगी है। इन समस्याओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने रिलीफ (रिसिलेंस एंड लो जि स्टिक्स इंटरवेंशन फार एक्सपोर्ट फे सिलेसन) योजना को मंजूरी दी है। इस योजना का उद्देश्य प्रभावित निर्यातकों को वित्तीय और जोखिम सुरक्षा प्रदान करना है। योजना के पहले घटक के तहत, जिन निर्यातकों ने पहले से ईसीजीसी बीमा कवर लिया हुआ है, उन्हें 14 फरवरी से 15 मार्च 2026 के बीच भेजे गए माल पर मौजूदा कवर के ऊपर 100 प्रतिशत अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा मिलेगी। इससे पहले से बीमित शिपमेंट को पूर्ण सुरक्षा मिल सकेगी। दूसरे घटक में, 16 मार्च से 15 जून 2026 के बीच निर्यात की योजना बना रहे निर्यातकों को ईसीजीसी कवर लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इस अवधि में उन्हें मौजूदा कवर के ऊपर 95 प्रतिशत तक अतिरिक्त जोखिम सुरक्षा दी जाएगी, जिससे अनिश्चित परिस्थितियों में भी निर्यात जारी रह सके। तीसरे घटक के तहत, ऐसे एमएसएमई निर्यातकों को राहत दी जाएगी जिन्होंने बीमा नहीं लिया, लेकिन बढ़े हुए मालभाड़े और बीमा शुल्क का सामना किया। उन्हें 50 प्रतिशत तक लागत की प्रतिपूर्ति दी जाएगी, जिसकी सीमा प्रति निर्यातक 50 लाख रुपये तय की गई है। सरकार ने इस योजना के लिए 497 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है और इसकी निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड आधारित प्रणाली तथा अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया गया है।

खुशहाली की दौड़ में भारत 116वें स्थान पर, रिपोर्ट ने चौंकाया

फिनलैंड सबसे खुशहाल देश, 14वीं वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट 2025

नई दिल्ली ।

गुरुवार को जारी 14वीं वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट में फिनलैंड लगातार नौवें साल दुनिया का सबसे खुशहाल देश घोषित हुआ, इसका स्कोर 7.764/10 रहा। इसके बाद आइसलैंड और डेनमार्क का स्थान रहा।

डेनमार्क को छोड़कर शीर्ष तीन देशों में खुशहाली स्कोर में वृद्धि हुई। भारत इस साल 147 देशों में 116वें स्थान पर रहा, औसत स्कोर 4.536। 2024 में भारत 118वें स्थान पर था। रिपोर्ट में दिखाया गया कि भारत ने छह संकेतकों में से चार में 1 अंक से भी कम स्कोर किया।

2019-2025 के बीच भारत का प्रति व्यक्ति जीडीपी बढी, लेकिन स्वस्थ जीवन प्रत्याशा और उदारता में गिरावट देखी गई। 2011-2025 के बीच भारत का कुल खुशहाली स्कोर 0.44 फीसदी घटा।

पड़ोसियों में चीन ने सबसे तेज

वृद्धि दर्ज की जबकि अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा गिरावट हुई। रिपोर्ट यह स्पष्ट करती है कि केवल आर्थिक विकास देश की खुशहाली तय नहीं करता। सामाजिक समर्थन, स्वास्थ्य और पारदर्शिता भी लोगों की जीवन संतुष्टि में अहम भूमिका निभाते हैं।

संक्षिप्त डायरी

एनआईटी पटना में जेआरएफ के लिए 13 अप्रैल तक करें आवेदन

पटना (एजेंसी) एनआईटी, पटना के रसायन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में जूनियर रिसर्च फेलो (जेआरएफ) के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक उम्मीदवार आवेदन ईमेल या डाक के माध्यम से भेज सकते हैं। आवेदन के लिए अंतिम तिथि 13 अप्रैल तक है। इसके लिए चयन अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित एक रिसर्च प्रोजेक्ट के तहत की जाएगी। इस प्रोजेक्ट का संचालन संस्थान के प्रिंसिपल इन्वेस्टिगेटर डॉ. मुकेश चौधरी के निर्देशन में किया जाएगा। प्रोजेक्ट का विषय ऑर्गेनोमेटैलिक क्लस्टर्स के माध्यम से वायरस प्रोटीन और कैंसर कोशिकाओं के खिलाफ संभावित उपयोग पर आधारित है। इसके लिए अभ्यर्थी के पास केमिस्ट्री में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री (कम से कम 55 प्रतिशत अंक) होना अनिवार्य है। साथ ही नेट या गेट परीक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है। पीएचडी में मिलेगा प्रवेश संस्थान के मुताबिक, जेआरएफ के लिए चयनित उम्मीदवार को रिसर्च और डेवलपमेंट से जुड़े कार्य करने का अवसर मिलेगा। साथ ही, पात्रता पूरी करने पर संस्थान में पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश का भी अवसर मिल सकता है। जेआरएफ के लिए चयनित अभ्यर्थी को पहले दो वर्षों के लिए 37 हजार रुपए प्रति माह के साथ 20 प्रतिशत एचआरए तथा अंतिम वर्ष में 42 हजार रुपए प्रति माह के साथ 20 प्रतिशत एचआरए दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट की कुल अवधि तीन वर्ष की होगी, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर कार्य जारी रखा जाएगा।

सीईटी बीएड 2026 मई में संभव, ऑनलाइन आवेदन अप्रैल में होगा

पटना (एजेंसी) सीईटी-बीएड 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया अप्रैल में शुरू होगी। राज्य के 339 कॉलेजों में दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम की 37,150 सीटों पर नामांकन किया जाएगा। इस वर्ष परीक्षा का आयोजन , मुजफ्फरपुर द्वारा किया जाएगा, जिसे नोडल विश्वविद्यालय नामित किया गया है। अगले सप्ताह नोडल पदाधिकारी की घोषणा कर दी जाएगी, जबकि मार्च के अंत तक नामांकन का विस्तृत शेड्यूल तैयार कर लिया जाएगा। परीक्षा मई में आयोजित करने की योजना है और जून-जुलाई में नामांकन प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए केंद्रीकृत काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। इससे पहले दरभंगा नोडल विश्वविद्यालय था और वही सीईटी-बीएड परीक्षा आयोजित करता था। इस बार बीआरएबीयू, मुजफ्फरपुर को नोडल केंद्र बनाया गया है।

बिहार में निवेश की जमीन तैयार करने में बैंक बढ़ाएंगे सहयोग : आरबीआई

पटना (एजेंसी) बिहार में निवेश की जमीन तैयार करने में बैंकिंग का सहयोग बढ़ेगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिलकर यह वादा किया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने दोनों नेताओं से कहा कि बुनियादी ढांचों के विकास से लेकर जमीनी स्तर पर आर्थिक प्रवाह बढ़ाने में बैंकों की मदद का विस्तार होगा। रिजर्व बैंक के गवर्नर केंद्रीय बोर्ड की 622वीं बैठक में हिस्सा लेने पटना आए थे। उधर, आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड की बैठक में वैश्विक और घरेलू परिस्थितियों के बीच हर कीमत पर महंगाई को नियंत्रण में रखने का फैसला लिया गया। इस दौरान देश की वित्तीय प्रणाली को और मजबूत बनाने तथा डिजिटल नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उत्कर्ष 3.0 रणनीति को भी हरी झंडी दी गई। रिजर्व बैंक के 2026-27 के बजट पर भी केंद्रीय बैंक ने मुहर लगा दी है। रिजर्व बैंक की ओर से कहा गया है कि फिनटेक क्षेत्र के लिए सुरक्षित और नवाचार-अनुकूल वातावरण विकसित किया जाएगा। बैठक में डिप्टी गवर्नर टी. रविशंकर, स्वामीनाथन जे., डॉ. पूनम गुप्ता और शिरीष चंद्र मुर्मू सहित अनुराधा ठाकुर, रेवती अय्यर, अर्थशास्त्री प्रो. सचिन चतुर्वेदी, डॉ. रवींद्र एच. ढोलकिया भी उपस्थित थे।

30 तक नितिन बांकीपुर सीट छोड़ देंगे, वजह 14 दिनों में 1 सदन की सदस्यता छोड़ने की बाध्यता

पटना (एजेंसी) भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन 16 मार्च को राज्यसभा सांसद निर्वाचित हो गए हैं। वो 30 मार्च तक बांकीपुर विधानसभा सीट से इस्तीफा दे देंगे। संविधान के अनुच्छेद 101(2) के तहत प्रॉहिबिशन ऑफ सायमल्टेनियस मेंबरशिप रुल्स 1950 (दो सदनों की एक साथ सदस्यता निषेध नियम) के कारण कोई व्यक्ति एक ही समय में दोनों सदनों का सदस्य नहीं हो सकता है। राज्यसभा चुने जाने वाली अधिसूचना के 14 दिनों के भीतर उन्हें बांकीपुर सीट से इस्तीफा दे ही देना है। बांकीपुर सीट से नितिन अजेय उम्मीदवार रहे हैं और अभी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। नया उम्मीदवार कौन होगा उसपर नितिन ही मुहर लगाएंगे। कायस्थ जाति के उम्मीदवार की संभावना भाजपा कायस्थ जाति से उम्मीदवार बनाएगी, इसकी सबसे अधिक संभावना है। इस सीट पर कायस्थ समाज की आबादी अधिक है। ऐसे में नितिन की जगह पर कोई कायस्थ समाज का ही नेता होगा। राजधानी पटना का हार्ट स्थल होने से युवा और शिक्षित पहली पसंद है। ऐसा नेता जिसने जमीन पर काम किया हो। इस राजनीतिक पृष्ठभूमि पर पुराने नेता संजय मयूख और रणवीर नंदन पर पार्टी नेताओं की नजर है। डा. अजय आलोक की भी दावेदारी में हैं।

माता चंद्रघंटा को समर्पित चैत्र नवरात्रि का तीसरा दिन, मां हरती हैं भक्तों के सारे कष्ट

तिरहुत-मुजफ्फरपुर (एजेंसी) चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन शनिवार को मां दुर्गा के तीसरे रूप, चंद्रघंटा देवी, का पूजन किया जा रहा है। यह रूप शांति, साहस और कल्याण का प्रतीक माना जाता है। चैत्र नवरात्रि पर्व का आज तीसरा दिन है और शनिवार को देवी दुर्गा के तीसरे रूप, चंद्रघंटा देवी, के पूजन का विधान है। इस दिन मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप, मां चंद्रघंटा, की विशेष रूप से पूजा की जाती है। कहा जाता है कि देवी के इस रूप से शांति, साहस और कल्याण की प्राप्ति होती है। शहर के दुर्गा मंदिरों में आज माता के दर्शन, पूजन और अनुष्ठान के लिए भक्तों की बड़ी संख्या में भीड़ उमड़ रही है। बाघ पर सवार होती हैं चंद्रघंटा नौ दुर्गा के रूपों में से माता दुर्गा का यह तीसरा रूप शांति, साहस और कल्याण का प्रतीक माना जाता है। माता का यह चंद्रघंटा रूप बाघ पर सवार होती हैं, जिससे वे भक्तों में भी तेजस्वी ऊर्जा का संचार करती हैं और उन्हें निर्भय बनाती हैं। वहीं, उनका सौम्य स्वरूप शांति और सुख प्रदान करता है और भक्तों के सभी कष्ट दूर करता है। मां की उपासना से शत्रुओं पर प्राप्त होती है विजय मां चंद्रघंटा की दस भुजाएं हैं, जिनमें वे कमल, धनुष-बाण, खड्ग, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा सहित कई अस्त्र-शस्त्र धारण किए हुए रहती हैं। इनकी उपासना करने से भय दूर होता है, शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है, और भक्त के भीतर सुख, शांति और समृद्धि का संचार होता है। मुजफ्फरपुर शहर में भी आज माता के इस तीसरे रूप का दर्शन और पूजन किया जा रहा है। शहर के धर्मशाला चौक स्थित माता संतोषी मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है।

बिहार की सियासत में बड़ा मोड़: 30 मार्च की डेडलाइन और 9 अप्रैल का 'प्लान-नीतीश', जानें पूरा गणित

नीतीश का दिल्ली कूच: कब छोड़ेंगे मुख्यमंत्री की कुर्सी और कब थामेंगे राज्यसभा का दामन

पटना (एजेंसी) बिहार की राजनीति एक बार पूरे देश में चर्चा के केंद्र में है. इसकी वजह हैं खुद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार. वैसे तो 16 मार्च हो ही वो राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं. लेकिन सवाल ये है कि आखिर नीतीश राज्यसभा कब जाएंगे? और राज्यसभा जाएंगे तो इसके लिए उन्हें विधान परिषद से इस्तीफा देना होगा! ऐसे में एक तीसरा सवाल अपने आप खड़ा होता है कि वो यदि वह राज्यसभा जाएंगे, तो वो बिहार के मुख्यमंत्री पद से कब इस्तीफा देंगे? तो आइए हम आपको बताते हैं सीएम नीतीश क्या करने वाले हैं. क्या कहता है नियम वैसे तो आपको बता दें नियम के मुताबिक राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद 14 दिनों के भीतर एक सदन की सदस्यता छोड़नी होगी. ऐसे में उनके पास 30 मार्च तक का समय है. यानी उन्होंने इन 10 दिनों के भीतर बिहार विधान परिषद की सदस्यता छोड़नी होगी. वर्ना उनकी राज्यसभा की सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाएगी. 30 मार्च से पहले की डेडलाइन तय अब आता है दूसर और अहम सवाल. नीतीश कुमार राज्यसभा कब जाएंगे? यानी इस सवाल के पीछे एक छिपा सवाल यह भी है कि वो बिहार की सक्रिय राजनीति को कब छोड़ने वाले हैं? राजनीति के जानकारों का मानना है कि इसके लिए वो दो चरणों में इस्तीफा देंगे. पहले वो 30 मार्च से पहले इस्तीफा देंगे. ताकि उनकी राज्यसभा की सदस्यता बनी रहे. दो चरणों में ऐसे देंगे इस्तीफा! इसके बाद वो दूसरे चरण में इस्तीफा देंगे. जिसे भावुक मन से जानने की इच्छा हर किसी के मन में होगी. वो इसलिए क्योंकि नीतीश कुमार ही वो नेता हैं जिन्होंने नए बिहार का निर्माण किया है. ये वही नेता हैं, जिन्होंने बिहार को पूरे देश में अलग पहचान दिलाई है. एक बीमार प्रदेश से विकासशील बिहार के पथ पर दौड़ाया. महिलाओं से लेकर युवाओं तक सबके लिए काम किया. ऐसे में विकास पुरुष की विदाई का वक्त जानना तो पूरा देश चाहता होगा. सबकी निगाहें नीतीश पर राज्यसभा में नीतीश कुमार का कार्यकाल 10 अप्रैल से शुरू होता है. 9 अप्रैल को जेडीयू के हरिवंश नारायण सिंह का कार्यकाल पूरा हो रहा है. उनकी जगह

नीतीश कुमार लेंगे. ऐसे में इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि नीतीश कुमार बिहार 9 अप्रैल तक तो बिहार के मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे. यानी विधान परिषद से इस्तीफा देकर वो राज्यसभा की सदस्यता बनाए रखेंगे और 9 अप्रैल से पहले बिहार में नए मुख्यमंत्री की ताजपोशी कराकर केंद्र की राजनीति में जाएंगे. ऐसे में इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है अप्रैल महीने के दूसरे सप्ताह में Nitish Kumar Rajya Sabha के लिए शेर्ल्लंइङ्गल्ल दे सकते हैं. अब सबकी निगाह नीतीश कुमार पर टिकी है.

कांग्रेस के तीनों बागी विधायकों को पार्टी से निकालने की तैयारी

पटना (एजेंसी) राज्यसभा चुनाव में मतदान से अनुपस्थित तीनों बागी विधायकों को पार्टी से निकालने की कांग्रेस ने पूरी तैयारी कर ली है। आलाकमान ने ओडिशा में क्रॉस वोटिंग करने वाले तीन विधायकों को पार्टी सदस्यता से निलंबित करने जैसा कदम उठाने का ही संदेश प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व को दिया है। इस बीच कारण बताओ नोटिस का जवाब दो दिन में देने की मियाद पूरी होने तक दो विधायकों वाल्मीकिनगर के सुरेंद्र कुशवाहा और फारबिसगंज के मनोज कुशवाहा का जवाब ही अभी तक प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति के दफ्तर को मिला है। मनिहारी के विधायक मनोहर प्रसाद सिंह का जवाब आना बाकी है। तीसरे विधायक का जवाब आ जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव की अनुशंसा कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय को भेज दी जाएगी। इसके बाद कांग्रेस नेतृत्व इस बारे में फैसला लेगा। कांग्रेस के ये तीनों विधायक विधानसभा चुनाव जीतने के साथ ही पार्टी कार्यक्रमों में रुचि नहीं दिखा रहे थे। साथ ही पार्टी की संगठनात्मक बैठकों में भी भाग नहीं ले रहे थे। इनके लगातार जदयू या भाजपा में जाने के कयासों के कारण ही कांग्रेस अभी तक विधायक दल का नेता भी घोषित नहीं कर पाई। यहां तक कि 5 विधायकों वाली पार्टी एआईएमआईएम को विधानसभा की एक कमेटी में सभापति का ओहदा मिल गया, लेकिन 6 विधायकों वाली कांग्रेस को किसी कमेटी में सभापति का पद नहीं मिला। तीनों विधायकों के पार्टी से निकाले जाने के बाद कांग्रेस के लिए विधानसभा की किसी कमेटी में सभापति का पद मिलना संभव नहीं रह जाएगा। असंबद्ध सदस्य के रूप में बैठेंगे : कांग्रेस से निकाले जाने के बाद तीनों विधायक विधानसभा में असंबद्ध सदस्य के रूप में बैठेंगे। कांग्रेस का ह्विप भी उन पर नहीं चलेगा। हालांकि, वे किसी दूसरी पार्टी में नहीं जा सकेंगे। पार्टी तोड़ने के लिए दो तिहाई विधायक जरूरी हैं, यानी कांग्रेस के विधायकों के दूसरी पार्टी में शामिल होने के लिए 6 में कम से कम 4 विधायकों को पार्टी से निकलना होगा। इधर, कांग्रेस के चनपटिया विधायक अभिषेक रंजन ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें भी राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग का ऑफर मिला था। परंतु, उन्होंने मना कर दिया, क्योंकि जिस पार्टी ने उन्हें पहचान दी है, उससे गद्दारी नहीं कर सकते हैं।

पटना में साइबर ठगों के साथ मिले थे गांववाले, बैंककर्मी समेत 3 गिरफ्तार

पटना (एजेंसी) पटना के सलेमपुर थाना क्षेत्र में साइबर पुलिस ने एक बड़े संगठित ठगी गिरोह का खुलासा किया है। यह गिरोह सैदपुर, मुरादपुर और सुंदरपुर गांवों में सक्रिय था। जांच में सामने आया कि कुछ लोग सरकारी योजनाओं (जैसे शौचालय निर्माण / मरम्मत योजना) का लाभ दिलाने के नाम पर ग्रामीणों, खासकर गरीब महिलाओं को झांसा देकर उनके बैंक खाते खुलवा रहे थे। महिलाओं को पहले बैंक शाखाओं में ले जाकर खाते खुलवाए गए, फिर एक में भोज और कार्यक्रम के दौरान एक साथ 100 से ज्यादा खाते खुलवाए गए। उन्हें बताया जाता था कि खाते में 12,000 आएंगे, जिसके लिए बैंक खाता जरूरी है। तीन बैंकों में खोले गए खाते अब तक की जांच में पाया गया है कि सभी खाते बैंक ऑफ इंडिया (सलेमपुर), बैंक ऑफ इंडिया (बख्तियारपुर) और इंडियन ओवरसीज बैंक में खोले गए। खाते खोलने के दौरान महिलाओं से आधार कार्ड, फोटो और फिंगरप्रिंट लिए गए। दस्तावेजों की जांच में कई गड़बड़ियां सामने आईं खाता खोलते समय महिलाओं से आधार कार्ड, फोटो और फिंगरप्रिंट लिया गया था। सरकारी योजना के नाम पर रचा गया जाल जांच में सीता कुमारी नाम की महिला की संलिप्तता पायी गई, जिसने ग्रामीण महिलाओं को यह कहकर खाता खुलवाने के लिए तैयार किया कि सरकारी योजना का पैस पाने के लिए खाता जरुरी है और खाते में 12,000 आएंगे। था। इन खातों से जुड़े 100 से ज्यादा मामले पर दर्ज पाये गये, जिनमें करोड़ों रुपये की ठगी की गयी थी। खातों में पैसा आते ही उसे नालंदा, बेगूसराय, बिहारशरीफ और पटना समेत विभिन्न जगहों से एटीएम के जरिए तुरंत निकाल लिया जाता था। इससे साफ है कि इन खातों का इस्तेमाल म्यूल अकाउंट के रूप में किया जा रहा था।

बारिश के बीच अदा की गई ईद की नमाज; 20 साल में पहली बार नीतीश नहीं आए गांधी मैदान, निशांत पहुंचे

पटना (एजेंसी) 2005 में एनडीए सरकार बनने के बाद से हर साल सीएम नीतीश कुमार गांधी मैदान पहुंचते थे। इस बाद ईद की नमाज कार्यक्रम में सीएम नीतीश कुमार शामिल नहीं हुए। उनकी जगह उनके बेटे निशांत कुमार आए। उन्होंने राज्यवासियों को ईद की बधाई दी। आज देश के साथ-साथ पूरे बिहार में भी ईद मनाई जा रही है। पटना के गांधी मैदान समेत कई जगहों पर ईद की नमाज अदा की गई। 20 हजार से अधिक लोगों ने ईद की नमाज अदा की। सुबह से ही नमाजियों की भारी भीड़ जुटी और तय समय पर इमाम की अगुवाई में नमाज पढ़ी गई। नमाज के दौरान रोजेदारों ने मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे की दुआ मांगी। पूरा माहौल रूहानी रंग में रंगा नजर आया। नमाज के बाद खुतबा में आपसी प्रेम और सौहार्द का पैगाम दिया गया। लोगों ने गले मिलकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। बारिश के बावजूद बेहतर इंतजाम किए गए थे। कड़ी सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन की टीम अलग अलग जगहों पर मुस्तैद रही और पूरे राज्य में नमाज शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। सीएम नीतीश कुमार नहीं पहुंचे गांधी मैदान इधर, पटना के गांधी मैदान में पिछले 20 साल में पहली बार ऐसा हुआ जब सीएम नीतीश कुमार ईद की नमाज कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। उनकी जगह उनके बेटे और जनता दल यूनाईटेड के नेता निशांत कुमार यहां पर पहुंचे। उनके साथ बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी और अन्य अधिकारी भी थे। उन्होंने राज्यसभा ईद की मुबारकबाद दी। गांधी मैदान में बनाए गए मंच पर मुस्लिम नेताओं ने निशांत कुमार को गमछा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। एक युवक ने निशांत कुमार को तिरंगा झंडा भी भेंट किया। निशांत कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से मैं बिहार वासियों को ईद की मुबारकबाद देता हूं। वहीं सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ईद के मौके पर प्रदेश एवं देशवासियों को तथा विशेषकर मुस्लिम भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। खुदा इस मुबारक दिन पर हम सब पर अपनी रहमतों की बारिश करें और राज्य में सुख, शांति एवं समृद्धि आए। इधर, जनता दल यूनाईटेड ने लिखा कि बिहार आज सामाजिक सद्भाव का जीवंत उदाहरण बन चुका है। नीतीश कुमार जी ने सभी वर्गों और समुदायों को साथ लेकर विकास की राह तय की है। कब्रिस्तानों की सुरक्षा और अतिक्रमण रोकने के लिए मजबूत घेराबंदी सुनिश्चित की गई है।

दानापुर में पुलिया निर्माण के दौरान गिरी दीवार, बाल-बाल बचे 4 मजदूर, जांच शुरू

पटना (एजेंसी) पटना के दानापुर में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बन रही पुलिया की सुरक्षा दीवार शनिवार को अचानक गिर गई. हादसे में एक मजदूर मलबे के नीचे दब गया, जिसे जेसीबी की मदद से सुरक्षित निकाल लिया गया. तीन अन्य मजदूर बाल-बाल बचे. प्रशासन अब निर्माण की क्वालिटी की जांच कर रहा है. : पटना के दानापुर के जमसौत पंचायत में ढिबड़ा-आसोपुर सड़क पर एक बड़ा हादसा हो गया. यहां बन रही पुलिया की सुरक्षा दीवार अचानक भरभराकर गिर गई. उस समय मौके पर कई मजदूर काम कर रहे थे. दीवार गिरते ही एक मजदूर उसके नीचे दब गया. आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत शोर मचाया और मदद के लिए दौड़ पड़े. टला बड़ा हादसा सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए और तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया. जेसीबी मशीन की मदद से मलबा हटाया गया और काफी कोशिशों के बाद दबे मजदूर को बाहर निकाला गया. घायल मजदूर को हल्की चोटें आई हैं, जिसे तुरंत इलाज के लिए भेज दिया गया. राहत की बात यह रही कि वहां काम कर रहे तीन अन्य मजदूर समय रहते बच गए. अगर वे दीवार के पास होते, तो हादसा और बड़ा हो सकता था. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी बताया जा रहा है कि यह निर्माण कार्य मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क संपर्क योजना के तहत हो रहा था. पुलिया के दोनों तरफ सुरक्षा दीवार बनाई जा रही थी, तभी एक तरफ की दीवार अचानक गिर गई. इस घटना के बाद निर्माण की गुणवत्ता और सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो गए हैं. घटना के बाद कुछ समय के लिए काम रोक दिया गया और मजदूरों में डर का माहौल है. स्थानीय लोगों ने मामले की जांच की मांग की है. प्रशासन ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है. अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

बिहार के 21 जिलों में बारिश का अलर्ट, वज्रपात से तीन की मौत; जानिए कहां कैसा रहेगा मौसम

पटना (एजेंसी) बिहारवासियों को गर्मी से राहत मिल चुकी है। शुक्रवार को कई जिलों में आंधी और बारिश के कारण लोगों को कंबल तक निकालना पड़ गया। शनिवार सुबह भी कई जिलों में धूप नहीं निकली है। मौसम सुहाना है। मौसम विभान ने कई जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। बिहार के 26 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी किया गया है। शनिवार सुबह से ही पटना समेत कई जिलों में हल्की बारिश हो रही है। कोसी सीमांचल के जिलों में अहले सुबह बारिश हुई है। लोगों को ठंड महसूस हो रही है। आज मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शनिवार को गया, जहानाबाद, अरवल, पटना, बेगूसराय, लखीसराय, शेखपुरा, रोहतास, भभुआ, औरंगाबाद, भोजपुर, बक्सर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सारण, सीवान, वैशाली, गोपालगंज, सारण, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण में बारिश के आसार हैं। इन इलाकों में हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रति घंटे तक रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने आम लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की है। पिछले 24 घंटे में तीन लोगों की मौत

पिछले 24 घंटे में बिहार के कई जिलों में आंधी और बारिश हुई। शुक्रवार शाम और रात वज्रपात के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। गया जिले के डुमरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहा गांव में शुक्रवार को वज्रपात की एक दर्दनाक घटना सामने आई, जिसमें 55 वर्षीय महेंद्र यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं जमुई के चकाई बाजार से ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही एक छात्रा वज्रपात की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान चकाई प्रखंड के जलखरिया गांव निवासी शिक्षक रंजीत दास की 15 वर्षीय पुत्री रागिनी कुमारी के रूप में हुई है। बिहार में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब का कहर, सारण में युवक की तबीयत बिगड़ी, सदर अस्पताल में इलाज जारी मौसम विभाग की अपील पढ़िए मौसम विभाग ने आम लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की। कहा कि यदि आप खुली जगह पर हैं तो जल्द से जल्द पक्के मकान में शरण ले लें। ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभो से दूर रहें। खेतों की ओर से नहीं जाएं। मौसम सामान्य होने तक का इंतजार करें।

गैस क्राइसिस: होटल-रेस्टोरेंट का मेन्यू बदला, रेट बढ़े :5 रुपए वाली कट चाय 10 की, खाने की थाली महंगी

पटना (एजेंसी) 21 दिन से अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग चल रही है। बम, गोले और मिसाइल 3000 ' दूर दागे जा रहे, लेकिन असर बिहार के लोगों की थाली पर दिख रहा है। गैस संकट के चलते होटल और चाय-समोसे की दुकानें चलाने वालों ने नाश्ते और खाने की कीमत बढ़ा दी है। 5 रुपए में मिलने वाली कटिंग चाय अब 10 रुपए की हो गई है। 10 रुपए में बिकने वाला समोसा 15 रुपए का हो गया है। कैंटीन में पहले जो थाली 80 रुपए में मिलती थी, अब 100 से 120 रुपए की हो गई है। गैस संकट का असर बिहार के होटल इंडस्ट्री पर कितना पड़ा है। पटना के पनाश होटल से गयाजी के चाय के ठेले तक, क्या स्थिति है? होटलवालों ने क्या रणनीति अपनाई है? पढ़िए, 4 जिलों से रिपोर्ट राजधानी पटना में गैस संकट का असर होटल, रेस्टोरेंट और फूड इंडस्ट्री पर साफ दिखने लगा है। होटलों ने अपने मेन्यू बदले हैं। ऐसी डिश परोसने पर ध्यान दे रहे हैं, जिन्हें तंदूर, इंडक्शन और कोयले के चूल्हे पर पकाया जा सके। जिन होटलों में (पाइप के रास्ते मिलने वाली रसोई गैस) की सुविधा है, उनमें स्थिति सामान्य बनी हुई है। कई दुकानदारों ने समोसे और लिट्टी की कीमत बढ़ा दी है। 10 रुपए में मिलने वाला समोसा अब 15 का हो गया है। सादा भोजन की जो थाली 80 रुपए में मिलती थी, अब 100 से 120 रुपए तक की हो गई है। गैस की कमी से हो रही परेशानी जानने के लिए हम पटना के पनाश होटल पहुंचे। पनाश के वीपीओ एलन क्रिस्टोफर ने बताया, ह्महम गैस की कमी की स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। मेन्यू कम कर रहे हैं। ऐसी डिश तैयार कर रहे हैं, जिन्हें बनाने में ज्यादा गैस नहीं लगे। उन्होंने कहा, पहले हमारा किचन 24 घंटे चलता था। अब रात 11 बजे तक ही खोल रहे हैं। तंदूर और इंडक्शन इस्तेमाल कर रहे हैं। खाना बनाने का ऐसा तरीका अपना रहे हैं जिसमें गैस कम लगे। मटन और देर तक पकने वाले खाने बंद क्रिस्टोफर ने कहा, मटन बनाने में बहुत ज्यादा गैस खर्च होती है। अभी इसे तैयार करने से हमलोग परहेज कर रहे हैं। तंदूर का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। पटना डीएम ने इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के साथ मीटिंग कराई थी। इसके बाद सीमित मात्रा में गैस की सप्लाई हो रही है। इससे हम बाहर से आए गेस्ट के लिए ब्रेकफास्ट और जरूरत पड़ने पर खाना तैयार कर रहे हैं। हमने पटना के बीकानेर स्वीट्स के मैनेजर नितिन से बात की। उन्होंने कहा, हमारे यहां कनेक्शन है। पाइप से रसोई गैस की सप्लाई जारी है

। इसके चलते परेशानी नहीं है। हमने अपने फूड आइटम्स की कीमत में बदलाव नहीं किया है। टेक अवे एक्सप्रेस के मैनेजर विवेक कुमार ने बताया, जहां पहले 10 सिलेंडर मिलता थे वहां अब एक ही मिल रहा। इसके चलते परेशानी है। गैस स्टॉक में होने के चलते अभी हमारे यहां मेनू नहीं बदला गया है। कोयले पर बना रहे खाना, साउथ इंडियन मेन्यू तक सीमित बंजारा होटल के शेफ रोहित कुमार ने बताया, ह्यगैस संकट के चलते किसी तरह कोयला पर खाना बना रहे हैं। हर दिन एक ही सिलेंडर मिल रहा है। हम लोग फिलहाल साउथ इंडियन खाना ही दे पा रहे हैं। गैस संकट दूर होने पर अन्य डिश चालू करेंगे। नालंदाः कोयला और लकड़ी के चूल्हे पर बन रही बिरयानी नालंदा में गैस संकट ने होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। होटल और रेस्टोरेंट के मालिक कोयला और लकड़ी के चूल्हे से बिरयानी और समोसा जैसे खाने के सामान तैयार कर रहे हैं। बिहारशरीफ के महात्मा गांधी रोड स्थित केसरिया स्वीट्स के संचालक राजेश प्रसाद ने बताया, ह्यकमर्शियल सिलेंडर नहीं मिल रहा है। इसके चलते अब कोयले के चूल्हे पर समोसा, रसगुल्ला और अन्य पकवान बना रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्यगैस संकट के चलते कोयले की कीमत बढ़ गई है।

जोड़ों के दर्द को नजरअंदाज न करें

अक्सर लोगों को कमर में अकड़न, पीठ और जोड़ों में दर्द की शिकायत रहती है और वे इसे नजरअंदाज कर देते हैं पर ऐसा करना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर जोड़ों के दर्द के कारण आपकी रात में तीन-चार बजे आपकी नींद खुल जाती है और आप असहज महसूस करते हैं, तो डॉक्टर से सलाह लीजिए क्योंकि आपको स्पांडिलाइटिस की शिकायत हो सकती है। स्पांडिलाइटिस से हृदय, फेफड़े और आंत समेत शरीर के कई अंग प्रभावित हो सकते हैं।

स्पांडिलाइटिस को नजरंदाज करने से गंभीर रोगों का खतरा पैदा हो सकता है। इससे बड़ी आंत में सूजन यानी कोलाइटिस हो सकता है और आंखों में संक्रमण हो सकता है। स्पांडिलाइटिस एक प्रकार का गठिया रोग है। इसमें कमर से दर्द शुरू होता है और पीठ और गर्दन में अकड़न के अलावा शरीर के निचले हिस्से जांघ, घुटना व टखनों में दर्द होता है। रीढ़ की हड्डी में अकड़न बनी रही है। स्पांडिलाइटिस में जोड़ों में इन्फ्लेमेशन यानी सूजन और जलन के कारण तेज दर्द होता है।

वहीं नौजवानों में स्पांडिलाइटिस की शिकायत ज्यादा होती है। आमतौर पर 45 से कम उम्र के पुरुषों और महिलाओं में स्पांडिलाइटिस की शिकायत रहती है।

एंकिलोसिंग स्पांडिलाइटिस गठिया का एक सामान्य प्रकार है जिसमें रीढ़ की हड्डी प्रभावित होती है और कशेरूक में गंभीर पीड़ा होती है जिससे बेचैनी महसूस होती है। इसमें कंधों, कुल्हों, पसलियों, एड़ियों और हाथों व पैरों के जोड़ों में दर्द होता है। इससे आखें, फेफड़े, और हृदय भी प्रभावित होते हैं।

बच्चों में जुवेनाइल स्पांडिलोअर्थ्राइटिस होता है जोकि 16 साल से कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है और यह वयस्क होने तक तकलीफ देता है। इसमें शरीर के निचले हिस्से के जोड़ों में दर्द व सूजन की शिकायत रहती है। जांघ, कुल्हे, घुटना और टखनों में दर्द होता है। इससे रीढ़, आंखें, त्वचा और आंत को भी खतरा पैदा होता है। थकान और आलस्य का अनुभव होता है।

स्पांडिलाइटिस मुख्य रूप से जेनेटिक म्युटेशन के कारण होता है। एचएलए-बी जीन शरीर के प्रतिरोधी तंत्र को वाइरस और बैक्टीरिया के हमले की पहचान करने में मदद करता है लेकिन जब जीन खास म्युटेशन में होता है तो उसका स्वस्थ प्रोटीन संभावित खतरों की पहचान नहीं कर पाता है और यह प्रतिरोधी क्षमता शरीर की हड्डियों और जोड़ों को निशाना बनाता है, जो स्पांडिलाटिस का कारण होता है हालांकि अब तक इसके सही कारणों का पता नहीं चल पाया है.

उन्होंने कहा कि जब जोड़ों में दर्द की शिकायत हो तो उसकी जांच करवानी चाहिए क्योंकि इससे उम्र बढ़ने पर और तकलीफ बढ़ती है। एचएलए-बी 27 जांच करवाने से स्पांडिलाइटिस का पता चलता है। एचएलए-बी 27 एक प्रकार का जीन है जिसका पता खून की जांच से चलता है। इसमें खून का सैंपल लेकर लैब में जांच की जाती है. इसके अलावा एमआरआई से भी स्पांडिलाइटिस का पता चलता है. स्पांडिलाइटिस का पता चलने पर इसका इलाज आसान हो जाता है। ज्यादातार मामलों का इलाज दवाई और फिजियोथेरेपी से हो जाता है। वहीं कुछ ही गंभीर व दुर्लभ मामलों में सर्जरी की जरूरत पड़ती है।

दवाइयों से बचने के लिए लोग कर रहे हैं फिजियोथेरेपी की ओर रुख

फिजियोथेरेपी का चलन आजकल बढ़ता जा रहा है। कई प्रकार की बीमारियों का उपचार इससे हो रहा है। घुटनों, पीठ या कमर में दर्द जैसे कई रोगों से बचने या निपटने के लिए बिना दवा खाए फिजियोथेरेपी के जरिये असरदार इलाज कराया जा सकता है।मौजूदा समय में अधिकांश लोग दवाइयों से बचने के लिए फिजियोथेरेपी की ओर रुख कर रहे हैं, क्योंकि यह न केवल कम खर्चीला होता है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव की आशंका न के बराबर होती है।

मांसपेशियों को सक्रिय करने का तरीका है फिजियोथेरेपी

प्रशिक्षित फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा व्यायाम के जरिए शरीर की मांसपेशियों को सही अनुपात में सक्रिय करने की विधा फिजियोथेरेपी कहलाती है। इसे हिंदी में भौतिक चिकित्सा पद्धति कहा जाता है। घंटों लगातार कुर्सी पर वक्त बिताने, गलत मुद्रा में बैठने और व्यायाम या खेल के दौरान अंदरूनी खिंचाव या जख्मों की हीलिंग के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सेवा लेने की सलाह खुद चिकित्सक भी देते हैं।

विशेजषज्ञों का कहना है कि सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि केवल रोगी ही नहीं, बल्कि स्वस्थ्य लोग भी ठीक रहने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह ले सकते हैं। मौजूदा समय में फिजियोथेरेपी काफी लोकप्रिय हुई है। इसकी लोकप्रियता और भरोसे का कारण यह भी है कि बाकी इलाज पद्धतियों से अलग फिजियोथेरेपी उच्च पेशेवर लोग ही करते हैं। अस्थमा और फ्रैक्चर पीड़ितों के अतिरिक्त गर्भवतियों को भी फिजियोथेरेपी की सलाह दी जाती है। लगभग देश के हर बड़े अस्पताल में फिजियोथेरेपी की जाती है। वहीं, बुजुर्गों, मरीजों और कामकाजी लोगों के लिए घर तक फिजियोथैरेपी की सेवा पहुंचाने का भी चलन बढ़ा है। इसकी खास बात है कि फिजियोथेरेपिस्ट मरीज पर व्यक्तिगत तौर पर ध्यान देता है जो किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में संभव नहीं है। पेशवरों की निगरानी में व्यायाम कार्यक्रमों के चलन ने भी घर पर उपलब्ध होने वाली फिजियोथेरेपी सेवा की लोकप्रियता बढ़ा दी है।

सत्र पूरे करें

आपको फिजियोथेरेपी का लंबे समय तक फायदा मिले तो इसके सभी सत्र पूरे किए जाने जरूरी हैं। फिजियोथेरेपी शुरू करने से पहले उसकी अवधि की जानकारी ले लेनी चाहिए।

बचपन इंसान की जिंदगी की नींव होती है। एक बच्चा अपने बचपन में किस तरह का व्यवहार सीखता है उसका प्रभाव उसकी पूरी जिंदगी पर पड़ता है। । कई बार अभिभावक बच्चों की कुछ छोटी-छोटी गलत आदतों को ये सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि बड़ा होने पर वो सुधर जाएगा पर यही लापरवाही आगे चलकर बच्चे के व्यवहार पर को खराब कर देती है। इसलिए इन आदतों की अनदेखी न करें।

बच्चों की गलत आदतों को नजरअंदाज न करें

बड़ों से बदतमीजी करना

कई बच्चे अपने से बड़ों से बात करते समय शिष्टाचार का ध्यान नहीं रखते। वे चिल्लाकर बोलते हैं या उल्टा जवाब देते हैं। बच्चे की ये आदत बहुत ही खराब होती है। जब कोई बच्चा अपने माता-पिता, दादी-दादा या किसी और बड़े से बदतमीजी करता है, तो लोग अभिभावकों की परवरिश पर सवाल उठाने लगते हैं। सबको लगता है कि घर में ही बच्चे को ऐसे संस्कार सिखाए जा रहे हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि बच्चे को बड़े और छोटे दोनों का लिहाज करना सिखाया जाए।

नकल करना या मजाक उड़ाना

बच्चे अक्सर किसी की चाल, बोलने के ढंग की नकल करते हैं। जब तक यह नकल पॉजिटिव तरीके से की जाती है, तो ठीक रहती है। लेकिन बच्चे अगर किसी का मजाक उड़ाने लगें, किसी की कमजोरियों की नकल करने लगें, तो ये बदतमीजी होती है। बच्चों की इस हरकत की वजह से अभीभावकों को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इसलिए बच्चे अगर इस तरह की हरकत करें तो उन्हें प्यार से समझाएं कि किसी का मजाक उड़ाना गलत है और हर किसी का सम्मान करना चाहिए।

झूठ बोलने की आदत

अगर बच्चा बार-बार झूठ बोलने लगे, तो ये बहुत ही खराब आदत है। यूं तो शुरू में ये आदत खेल-खेल में या किसी डांट से बचने के लिए होती है, लेकिन अगर बच्चे को समय रहते समझाया ना जाए तो बच्चा धीरे-धीरे इसे सही समझने लगता है। ऐसा बच्चा स्कूल, दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच भरोसेमंद नहीं रहता। बच्चा जब झूठ बोलने लगता है तो इसका असर परिवार की इमेज पर भी पड़ता है। इसलिए बच्चे को सच बोलना सिखाना बहुत जरूरी है, चाहे इसके लिए थोड़ी सख्ती ही क्यों ना करनी पड़े।

कहानी

जब लालच बुद्धि पर हावी हो जाए

प्यारे बच्चों, आपने अक्सर सुना होगा कि लालच बुरी बला है। लालच हमें वह काम भी करवा देता है जो हमें नहीं करना चाहिए, और इसके कारण हम कई बार बड़ी मुसीबत में फँस जाते हैं। जब हम अपने फायदे के लिए दूसरों की समझदारी भरी सलाह को अनसुना कर देते हैं, तो इसका परिणाम बहुत बुरा हो सकता है।

आज हम जंगल के एक तोते की कहानी पढ़ेंगे, जिसका नाम था 'तोताराम'। तोताराम बहुत बातूनी और फुर्तीला था, लेकिन उसका सबसे बड़ा दुश्मन उसका अपना लालच था।

तोताराम की चतुराई और चेतावनी

सुंदर 'हरियाली वन' में तोताराम रहता था। जंगल के किनारे एक किसान का छोटा सा बाग था, जिसमें मीठे-मीठे और रसीले अमरूद लगे हुए थे। तोताराम अक्सर चुपके से जाकर वहाँ से अमरूद चुराता था।

जंगल में उसका सबसे अच्छा दोस्त, बुद्धू उल्लू, रहता था। बुद्धू उल्लू रात में जागता था, इसलिए उसे इंसान की चालों की अच्छी समझ थी।

बुद्धू उल्लू: 'तोताराम, तुम रोज उस बाग में क्यों जाते हो? किसान बहुत चतुर है। मुझे डर है कि वह तुम्हें फँसाने के लिए कोई चाल चल रहा होगा।'

तोताराम: (घमंड से हँसते हुए) 'बुद्धू, तुम उल्लू हो, इसलिए रात में ही सोचते हो। मैं तो तोता हूँ! मैं उड़ने में इतना तेज हूँ कि कोई किसान मुझे पकड़ ही नहीं सकता। तुम अपनी नींद पूरी करो।'

तोताराम ने दोस्त की बात को बार-बार अनसुना कर दिया। उसके लिए लालच, दोस्ती की सलाह से ज्यादा जरूरी था।

किसान की चाल और लालच का जाल

एक दिन, तोताराम हमेशा की तरह बाग में पहुँचा। उसने देखा कि इस बार किसान ने सबसे बड़ा और सबसे रसीला अमरूद एक पेड़ पर अकेले छोड़ रखा है। अमरूद इतना सुंदर था कि तोताराम का लालच तुरंत जाग उठा।

तभी, उसने देखा कि उस अमरूद के ठीक नीचे, जमीन पर एक रंग-बिरंगा बर्तन रखा है, जो शहद से भरा हुआ था।

तोताराम की आँखें चमक उठीं। उसने सोचा: 'वाह! आज तो दोहरी दावत है! पहले अमरूद और फिर शहद!'

लेकिन, वह मूर्खतापूर्ण लालच में यह नहीं देख पाया कि वह बर्तन असल में गोंद (चिपचिपा पदार्थ) से भरा हुआ था, जिसे किसान ने तोते को फँसाने के लिए शहद बताकर रखा था।

तोताराम ने अमरूद की परवाह नहीं की। उसका सारा ध्यान अब उस 'शहद' पर था।

तोताराम: 'बस एक बार यह मीठा शहद चख लूँ, फिर उड़ जाऊँगा।'

उसने लालच में जमीन पर छलांग लगाई और उस चिपचिपे बर्तन में अपना सिर और पंजे डाल दिए।

जैसे ही तोताराम ने गोंद (शहद समझकर) चाटना शुरू किया, उसके पैर और पर (पंख) पूरी तरह से उस चिपचिपे पदार्थ में फँस गए। वह जितना ज्यादा निकलने की कोशिश करता, उतना ही ज्यादा फँसता जाता।

वह ज़ोर से चिल्लाया: 'मदद! कोई मेरी मदद करो!'

उसकी आवाज़ सुनकर, किसान वहाँ हँसते हुए आ गया।

किसान: 'बुरे फंसे तोताराम! मैंने तुम्हें तुम्हारी फुर्ती से नहीं, तुम्हारे लालच से पकड़ा है।'

तोताराम को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने बुद्धू उल्लू की सलाह को अनसुना कर दिया था और अपने लालच के कारण एक छोटी सी सुविधा के लिए अपनी आजादी को दाँव पर लगा दिया था।

शाम को बुद्धू उल्लू जब उसे बचाने आया, तो उसने अपनी चतुराई से तोताराम को गोंद से बाहर निकाला। तोताराम बहुत शर्मिंदा था और उसने अपने दोस्त से वादा किया कि वह अब कभी लालच में आकर बिना सोचे-समझे कोई काम नहीं करेगा।

सीख

यह कहानी हमें सिखाती है कि लालच और अहंकार हमें अंधा बना देते हैं। हमें कभी भी अपनी चतुराई पर इतना घमंड नहीं करना चाहिए कि हम दोस्तों की सलाह और आस-पास की चेतावनियों को नजरअंदाज कर दें। बिना सोचे-समझे लालच में कदम उठाना, ठीक वैसे ही है जैसे बुरे फँसना और अपनी ही मुसीबत को न्योता देना।

आईपीएल 2026 : विराट कोहली की आरसीबी को चेतावनी, बोले- अब मुकाबला और कठिन होगा

मुम्बई (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली ने अपनी टीम को एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने टीम से सतर्क रहने और प्रशिक्षण के दौरान अपने दिनों को बर्बाद न करने का आग्रह किया, क्योंकि खिताब का बचाव करते समय उनके लिए चीजें और भी कठिन होने वाली हैं।

आरसीबी 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने खिताब का बचाव शुरू करेगी। नंबर 18 की जर्सी पहने विराट कोहली ने आरसीबी के प्रति वफादार रहते हुए अपने 18वें सीजन में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। अब उनकी नजर बल्ले से एक और धमाकेदार प्रदर्शन पर होगी जो दर्शकों को खुश रखेगी और आंकड़ों के विश्लेषकों को व्यस्त रखेगी। सीज़न के पहले अभ्यास सत्र के दौरान टीम को संबोधित करते हुए विराट ने आरसीबी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले साल हमने जो हासिल किया, उसके लिए हमने पिछले दो-तीन सीज़न में कड़ी मेहनत की है, और अब यह और भी कठिन होने वाला है क्योंकि अन्य टीमें हमें कड़ी टक्कर देने वाली हैं।

शुरुआत से ही उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हम इन दिनों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हम आगे रहेंगे। इसलिए अभी से तैयार हो जाइए। हम जिस भी सत्र में भाग लें, उसका एक मिनट भी बर्बाद न करें। हमें इन ढाई महीनों में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। फ्लावर ने कहा कि हमारी नीलामी काफी दिलचस्प रही, और सच कहूँ तो मुझे लगता है कि हमने अपनी टीम को और मजबूत किया है। हमने कुछ बेहतरीन नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। विराट और रजत (पाटीदार) की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी की शैली में ढालना इस टीम को बनाने का एक रोमांचक हिस्सा है।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी।

इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अगल है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम

आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)!

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में उतरेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी। इस टीम में सभी प्रमुख खिलाड़ी उतरेंगे और किस को भी आराम नहीं दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार ये टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता इस मैच में किसी भी तरह का प्रयोग नहीं करते हुए मुख्य टीम ही उतारना चाहते हैं। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे प्रमुख तेज गेंदबाजों को भी शामिल किया जाएगा।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह सीरीज आईपीएल 2026 के तत्काल बाद खेली जाएगी जबकि ऐसे समय में कमजोर टीम के खिलाफ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाता है पर इस बार बोर्ड ने साफ कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी।

भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टेस्ट में अच्छा नहीं रहा है। भारत ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज जीती पर उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका व ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। इसी कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है। टीम ने 9 मैचों में सिर्फ 4 जीत के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है।

पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे।

अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

चयन पैनल बीसीसीआई की उपसमिति और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का अनुबंध सितंबर में समाप्त होना है। ऐसे में बीसीसीआई देखेगा कि अगरकर को आगे भी रखा जाये या किसी अन्य को ये जिम्मेदारी दी जाये। नियमों के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक रह सकता है और उसे करार आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध करने की जरूरत नहीं होती है। अगरकर जुलाई 2023 में चयनसमित के अध्यक्ष बने थे ऐसे में अगले साल सितबंर में उनके चार साल हो जाएंगे।

पथिराना के आईपीएल खेलने की संभावना से केकेआर को मिली राहत

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। पाथिराना को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने फिट घोषित कर दिया है। बोर्ड के सचिव बंदुला दिसानायके ने कहा है कि पथिराना फिट हो गये है और उसे आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी भी दे दी गयी है। पथिराना के फिट होने से उनकी आईपीएल फैंचाइजी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को भी राहत मिली है। वह टी20 विश्वकप के दौरान पिंडली की चोट से परेशान थे। इससे केकेार की भी परेशानी बढ़ गयी थी। वहीं अब उनका फिट होने से टीम का गेंदबाजी आक्रामक बेहतर होगा।

केकेआर का गेंदबाजी आक्रमक पहेल ही हर्षित राणा के बाहर होने से कमजोर हुआ था। इसके अलावा टीम से बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को पहले ही बाहर कर दिया गया था। ऐसे में उसके लिए पथिराना की वापसी जरुरी हो गयी थी। टीम ने हालांकि विकल्प के तौर पर जिम्बाब्वे के तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुजरबानी को शामिल किया है,। इसके अलावा आकाश मधवाल और नवदीप सैनी को भी रखा है पर पथिराना जैसा गेंदबाज उसके पास नहीं था। पथिराना अपने अजीब एक्शन और यॉर्कर के कारण किसी भी मुकाबले में अंतर पैदा कर देते हैं। कठिन हालातों में विकेट निकालने की उनकी क्षमताएं उन्हें एक अलग तरह का गेंदबाज बनाती है। ऐमें में उनके आने से केकेआर की गेंदबाज बेहतर होगी।

अवार्ड समारोह में जो इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की ड्रेस पहनकर पहुंची थी मंधाना वह है विशेष

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना खेल के साथ ही अपने स्टायलिश अंदाज के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। मंधाना हाल ही में बीसीसीआई के साल 2024-25 सत्र के अवार्ड समारोह में जब पहुंची थीं तब उनकी 4.50 लाख रुपये की खास ड्रेस सभी देखते रह गये थे। मंधाना जब सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर के अवॉर्ड के लिए मंच पर पहुंची तो उन्होंने इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की चमकती ड्रेस पहनी हुई थी। ये उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास को बताती है। इस ड्रेस को सिल्क नहीं, बल्कि मेटल वायर से तैयार किया जाता है। ये ड्रेस पिघली धातु जैसी चमकती नजर आती है। इसे बनाने में कॉर्डेड टेक्स्चर तकनीक इस्तेमाल होती है, जिससे सतह पर उभरा हुआ स्ट्रक्चर बनता है और रोशनी पड़ने पर बिजली जैसी लकीरें दिखती हैं। इसकी कीमत तकरीबन 4.50 लाख रुपए पड़ती है। कई सप्ताह की मेहनत के बाद फैब्रिक बेस पर सिलकर तैयार किया जाता है। ये वायर 0.45 मिमी (बाल जितने पतले) होते हैं। हजारों वायर को फैब्रिक बेस पर सिलकर कपड़ा तैयार किया गया। इसके बाद सख्त धातु को इस तरह प्रोसेस किया जाता है कि वह मुलायम और पहनने लायक बन जाए।

दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षण कोच बने मूनी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। मूनी से पहले ये जिम्मेदारी ज्ञानेश्वर राव के पास थी। मूनी को कोच के तौर पर काफी अनुभव है । वह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के कोच रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। टीम में सहायक कोच के तौर पर मूनी मुख्य कोच हेमांग बदानी के साथ काम करेंगे। टीम में उनके अलावा मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच है। मूनी ने आयरलैंड की ओर से 64 एकदिवीसीय और 27 टी-20 मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सत्र में पांचवें स्थान पर रही थी और अब तक कोई भी आईपीएल खिताब उसने नहीं जीता है। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च को हो रही है। दिल्ली कैपिटल्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। पिछले सत्र में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पिछले सत्र में टीम के मेंटोर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन रहे थे। पीटर ने इस बार मेंटोर की जिम्मेदारी संभालने से इंकार कर दिया था। पीटरसन ने कहा, मैं इस आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटोर नहीं बन सकता। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सत्र के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, हालांकि मैं आपको कमेंट्री बॉक्स करते हुए नजर आउंगा। साथ ही कहा कि आईपीएल दुनिया की सबसे अच्छी लीग है और मैं आप सभी से जल्द मिलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।' ' दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2026 सत्र की शुरुआत एक अप्रैल को लखनऊ में इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगा।

कर्स्टन ने पाकिस्तान टीम के कोच पद छोड़ने के कारणों का खुलासा किया

-पीसीबी अधिकारियों के हस्तक्षेप से काम करना था मुश्किल

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन इससे पहले पाकिस्तान टीम के भी मुख्य कोच रहे थे पर उन्हें कोच बनने के कुछ समय के अंदर ही अपना पद छोड़ना पड़ा था। कर्स्टन ने अब इसके कारणों का खुलासा किया है। इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर का कहना है कि जब वह पाकिस्तान के कोच थे तो हालात इतने अधिक खराब थे कि उनके लिए काम करना कठिन हो गया था। कर्स्टन के अनुसार पाक बोर्ड पीसीबी के अधिकारियों को कामकाज में दखला बना रहता था। कोच अपने तौर पर फैसले नहीं ले पाता था। । पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने लगातार बदलते कप्तानों और कोचों की वजह से चर्चा में रहती है। गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी ने बड़े शोर गुल के साथ पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनाया था, लेकिन उनका कार्यकाल भी निश्चित समय तक नहीं चल सका। कर्स्टन ने इसकी वजह बताई है। कर्स्टन ने कहा है कि टीम के मामलों में बाहरी दबाव इतना अधिक था कि खिलाड़ियों के साथ एक स्थिर माहौल बनाना संभव नहीं था। जिससे वह परेशान हो गये थे। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस स्तर पर ऐसा देखा है।

उन्होंने कहा कि जब परिणाम टीम के हिसाब से नहीं होते, तो कोच सबसे पहले निशाने पर होता है। ऐसी हालातों में टीम के साथ काम करना संभव नहीं था।

साथ ही कहा कि पीसीबी अनुबंध का सही से पालन नहीं कर रहा था। बकाया राशि भी नहीं मिल रही थे। इन कारणों से भी उन्हें पद छोड़ना पड़। इससे पहले वह भारतीय टीम के भी कोच रहे थे। टी20 विश्व कप 2026 में श्रीलंका टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मुख्य कोच सनथ जयसूर्या के इस्तीफे के बाद उन्हें कोच की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वह अगले माह से अपना पद संभालेंगे।

रवांडा की 15 साल की फैनी सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली महिला क्रिकेटर बनी

लागोस ।रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। फैनी ने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ ये शतक लगाया। फैनी उम्र अभी केवल 15 साल और 223 दिन ही है। इसी के साथ ही फैनी महिला टी20आई इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने पारी के 18वें ओवर में शतक लगाया। फैनी से पहले ये रिकार्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था। प्रोस्कोविया ने साल 2019 में 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। फैनी ने इस बार नाबाद 111 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की करेन रोल्टन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 96 रन बनाए थे। फैनी के रिकॉर्ड शतक की सहायता से रवांडा ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 210 रन बनाये। इसके बाद घाना को 8 विकेट पर 88 रन ही बना पायी और उसे 122 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टी20आई में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड फ्रांस के गुस्ताव मैक्योन के नाम है।उन्होंने 2022 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 18 साल और 280 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

-दबाव में न आते हुए निडर होकर खेलें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, ÷इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें।÷

उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, ÷दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है। वहीं वैभव का लक्ष्य इस बार सबसे अधिक स्कोर का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ना रहेगा।

गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से सुपरजायंट्स को लाभ होगा : ऋषभ

लखनऊ ।लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि नए गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से टीम को लाभ होगा। ऋषभ ने कहा, तेज गेंदबाजों के साथ अभ्यास शिविर अच्छा रहा है।जब से भरत अरुण टीम से जुड़े है सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ा है, वह हर खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नजरें रखते हुए अपने सुझाव देते हैं। उनके साथ हर मामले में हमारी बातें होती हैं। वह इसका ध्यान रखते हैं कि मैं गेंदबाजों से क्या चाहता हूं और उन्हें क्या लगता है कि वह टीम में क्या जोड़ सकते हैं। माहौल बहुत ही सकारात्मक है। वह सबसे बेहतरीन गेंदबाज कोच में से एक हैं और मुझे उन पर पूरा भरोसा है। अरुण का अनुभव और गेंदबाजों के साथ उनका तालमेल, खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए ये बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, वह अपना अनुभव साथ लाते हैं। गेंदबाज उन पर भरोसा करते हैं और उनसे खुलकर बात करते हैं, एक गेंदबाज कोच से से सभी यही चाहते हैं।इससे टीम के सिस्टम को और मजबूती मिलती है।जब हम पिछले सत्र पर नजर रखते हैं, तो हमें लगा था कि हमें अपनी गेंदबाजी में कुछ और सुधार करने की जरूरत है।

आईपीएल2026:इन 5 भारतीय गेंदबाजों पर रहेंगी खास नजरें, अच्छा प्रदर्शन दिला सकता है वनडे वर्ल्ड कप 2027 का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। Board of Control for Cricket in India ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। चयन समिति ने करीब 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनकी फॉर्म और फिटनेस पर आईपीएल 2026 के दौरान कड़ी नजर रखी जाएगी। खास बात यह है कि इस बार चयनकर्ता सिर्फ टीवी पर नहीं, बल्कि मैदान पर मौजूद रहकर खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखेंगे।

आईपीएल 2026 में चयनकर्ताओं का रडार और वेन्यू रोटेशन

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 के लिए चयन समिति ने एक विशेष स्काउटिंग प्लान तैयार किया है। इस चयन समिति में एसएस दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हर चयनकर्ता हर हफ्ते कम से कम एक मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, जिससे हर हफ्ते लगभग पांच मैचों का सीधा आकलन किया जा सके। इस बार फोकस नए खिलाड़ियों की खोज पर नहीं, बल्कि पहले से स्थापित खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस के डेटा पर रहेगा।

इन 5 तेज गेंदबाजों पर सबसे ज्यादा नजर

चयनकर्ताओं ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाजों की एक कोर टीम तैयार की है। जिन पांच खिलाड़ियों पर सबसे ज्यादा नजर रहने वाली है, उनमें Jasprit Bumrah, Mohammed Siraj, Prasidh Krishna, Arshdeep Singh और ऑलराउंडर Hardik Pandya शामिल हैं। हर्षित राणा फिलहाल घुटने की चोट से उबर रहे हैं, ऐसे में पेस अटैक की जिम्मेदारी इन अनुभवी खिलाड़ियों पर रहने वाली है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप पर पूरा फोकस

दिलचस्प बात यह है कि बोर्ड फिलहाल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या टी20 वर्ल्ड कप के बजाय पूरी तरह से 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर फोकस कर रहा है। इसी वजह से खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और लगातार प्रदर्शन पर खास ध्यान दिया जाएगा, ताकि वर्ल्ड कप से पहले एक मजबूत टीम तैयार हो सके।

अफगानिस्तान टेस्ट में नहीं होगा कोई प्रयोग

6 जून से मुल्लांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच को लेकर भी BCCI ने अपना रुख साफ कर दिया है। हालांकि यह मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, फिर भी भारत इस मैच में अपनी फुल स्ट्रेंथ टीम उतारेगा और किसी नए खिलाड़ी पर प्रयोग नहीं किया जाएगा।

BCCI के एक सूत्र ने कहा, 'इंडिया की टेस्ट कैप प्रयोग के लिए नहीं है। उसके लिए इंडिया-ए के दौरे होते हैं। टेस्ट में बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध हमारी पहली पसंद हैं।'

आईपीएल प्रदर्शन से तय होगा वर्ल्ड कप का रास्ता

आईपीएल2026 कई खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होने वाला है। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की कोर टीम लगभग तय होगी। ऐसे में इस सीजन में खासकर तेज गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स के प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की सबसे ज्यादा नजर रहने वाली है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**